राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 केंद्र के एक और फैसले का मुख्यमंत्री स्टालिन ने किया विरोध.....

आईसीसी रैंकिंग में बाबर आजम की दमदार वापसी, विराट कोहली को छोड़ा काफी पीछे..... 11

वर्ष : 12 | अंक : 266 | पटना, गुरुवार, 09 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुख्यमंत्री ने सारण जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में की समीक्षा बैठक

बिहार के विकास में केंद्र का मिल रहा भरपूर सहयोग : नीतीश

प्रात : किरण

पटना। प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सारण जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में समीक्षात्मक बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी ने सारण जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं की प्रगति से हम सबको अवगत कराया है। यहां उपस्थित सभी जन प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं भी रखी हैं। अधिकारियों से यही अपेक्षा है कि वे जल्द ही यहां की समस्याओं का समाधान करेंगे। आप सभी यहां जो भी कमियां और जरूरते हैं उससे सरकार को अवगत कराएं, उसे पूरा किया जाएगा, यह जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभ से ही हमलोग पूरे बिहार में विकास काम निरंतर करा रहे हैं। कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता नहीं है। यहां काफी अच्छा काम हो रहा है।

हमलोगों का उद्देश्य सबके हित में काम करना है। बिहार का खूब विकास हो यही हमारी चाहत है। बिहार के विकास में केंद्र का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। बिहार के लोगों की आमदनी बढ़े और बिहार निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो, इसके लिये हमलोग सदैव एकजुट रहकर काम करते रहेंगे।

हमलोग एकजुट रहकर बिहार को बढ़ा रहे हैं आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों ने हमलोगों को 24 नवंबर 2005 से यहां काम करने का मौका दिया, तब से लगातार बिहार को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसके कारण प्रदेश में काफी बदलाव आया है। राज्य में अमनचैन, भाईचारा और सद्भाव का माहौल कायम हुआ है। वर्ष 2005 से पहले बिहार की हालत काफी खराब थी। शाम के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते थे। सांसद के रूप में जब अपने क्षेत्र में हम घूमते थे तो देखते थे कि शाम के बाद लोग घरों से बाहर नहीं निकलते थे। हिन्दू-मुस्लिम के बीच विवाद की खबरें प्रतिदिन सुर्खियों में रहती थीं। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में निरंतर विकास के काम किए जा रहे हैं। हमलोगों ने किसी की उपेक्षा नहीं की है। हमलोग एकजुट रहकर बिहार को आगे बढ़ा रहे हैं।

बोलें- बिहार निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर

इस वर्ष 12 लाख सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय योजना-2 के तहत हमलोगों ने 10 लाख लोगा सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे बढ़ाकर 12 लाख किया गया है। अब तक 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दे दी गई है। इसके अलावा 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 24 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। वर्ष 2025 में 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को रोजगार मुहैया करा दिया जाएगा। हमलोगों ने मदरसों को सरकारी मान्यता प्रदान की है। अब सरकारी शिक्षकों के समान मदरसा शिक्षकों को भी वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने सभी पार्टियों के साथ बैठक कर बिहार में जाति आधारित गणना कराने निर्णय लिया, जिसके बाद बिहार में जाति आधारित गणना कराई गई। जाति आधारित गणना में 94 लाख गरीब परिवारों को चिहिन्त किया गया है, जो हर जाति-धर्म से जुड़े हैं। ऐसे परिवारों की गरीबी दूर करने लिये राज्य सरकार की ओर से प्रति परिवार 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है ताकि वे अपना जीविकोपार्जन कर सकें।

जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी संभव है हमलोग हर क्षेत्र के विकास के लिए काम करा रहे हैं। हम लोगों की सेवा करते हैं और हमेशा राज्य के विकास के कार्यों में लगे रहते हैं। हमलोग किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं। हम सब मिलकर बिहार की तरक्की के लिए काम करते रहेंगे। अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां जनप्रतिनिधियों ने जो भी समस्याएं रखी हैं, उनका जल्द से जल्द निराकरण करें। सारण जिले में हर प्रकार से विकास का काम कराया गया है। सारण जिले में भी इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पॉलिटेक्निक संस्थान, एएनएम, जीएनएम संस्थान, सभी अनुमंडल में आईटीआई, आवासीय विद्यालय, छात्रावासों आदि स्थापित करने के साथ ही सड़क एवं पुल-पुलियों के निर्माण का काम कराया गया है। यहां 42 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का काम पूर्ण हो गया है। जून 2025 तक शेष सभी पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का कार्य पूर्ण करा दिया जायेगा। गंगा नदी पर आरा-छपरा फोरलेन पुल वीर कुंवर सिंह सेतु तथा रेल सह सड़क पुल जेपी सेतु का निर्माण कराया गया है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्म स्थली सिताब दियारा के विकास का काम कराया गया है। साथ ही वहां कटावनिरोधी कार्य भी कराये गये हैं। किसानों को कम दर पर खेती के लिये बिजली मुहैया कराने हेतु 57 डेडिकेटेड कृषि फीडर लगाये गये हैं। अब तक 14,984 किसानों ने कृषि कार्य हेतु बिजली का कनेक्शन लिया है। सारण जिले में स्वयं सहायता समूहों की संख्या 33,162 हो गई है, जिनसे 4 लाख 4 हजार जीविका दीदियां जुड़ी हैं। दीदी की रसोई भी यहां संचालित किया जा रहा है।

बाबा हरिहरनाथ मंदिर क्षेत्र का किया जायेगा समग्र विकास

मुख्यमंत्री ने सारण जिला से संबंधित की महत्वपूर्ण घोषणायें

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सारण जिला से संबंधित की महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कहा कि हमलोगों ने सारण जिले में विकास का काफी काम कराया है फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है उसे पूरा किया जायेगा। सोनपुर में अवस्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर क्षेत्र का समग्र विकास किया जायेगा। इसके तहत एनएच19 फोरलेन से सीधे नखास क्षेत्र तक पथ के चौड़ीकरण होने से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। विशुनपुरा में भ्रमण के दौरान आम लोगों के द्वारा एनएच31 पथ पर सुगम आवागमन हेतु नये एलिवेटेड पथ के निर्माण की आवश्यकता बतायी गयी है। इस समस्या के निराकरण के लिए सदर प्रखंड में डोरीगंज बाजार से विशुनपुरा तक एलिवेटेड पथ का निर्माण किया जायेगा। इससे राजधानी पटना से छपरा आने वाले वाहनों का आवागमन सुगम होगा। आज भ्रमण के दौरान विशुनपुरा बिसेन टोला में लोगों के द्वारा आवागमन की समस्या से अवगत कराया गया। इस समस्या के निराकरण के लिए एनएच19 के छूटे हुए छपरा सेक्शन पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कराया जायेगा। इससे पटना, छपरा, सीवान एवं गोपालगंज आने-जाने में सुविधा होगी। आज एकमा प्रखंड में भ्रमण के दौरान लोगों के द्वारा आवागमन की समस्या से अवगत कराया गया। इस समस्या के निराकरण के लिए एकमा से डुमाइगढ़ तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जायेगा। इस पथ पर छोटे-बड़े एवं भारी वाहनों का आवागमन होता है। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। आज एकमा प्रखण्ड में भ्रमण के दौरान लोगों ने आवागमन की समस्या से अवगत कराया गया। इस समस्या के निराकरण के लिए एकमा मशरख पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जायेगा। इसके निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। खैरा बिन टोलिया पथ का चौड़ीकरण कराया जायेगा। इससे पटना, सीवान, गोपालगंज आदि जाने के लिए लोगों को काफी सुविधा होगी तथा छपरा शहर के लोगों को रेलवे स्टेशन तक आने-जाने हेतु वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा। असरारण तटबंध पर 40वें किलोमीटर से 80वें किलोमीटर तक पूर्व से स्वीकृत सिंगल लेन पथ को डबल लेन पथ किया जायेगा। इससे लोगों को आवागमन के लिए एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो सकेगा। छपरा शहर में सुगम आवागमन हेतु क्रमशः भिखारी ठाकुर ढाला, जगदम कॉलेज ढाला, गड़खा ढाला तथा रामनगर ढाला पर चार नए आरओबी का निर्माण कराया जायेगा। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी एवं जाम से मुक्ति मिलेगी। समीक्षा बैठक में विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सह सारण जिले के प्रभारी मंत्री श्री सुमित कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड : सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत चार की मौत

रांची। झारखंड में रामगढ़ जिले में रामगढ़-बोकारो मार्ग के गोला तिरला मोड़ के समीप आज एलपी ट्रक ने स्कूली बच्चों से भरे ऑटो को रौंद दिया जिसमें तीन बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 लोग घायल हो गए। मृतकों में ऑटो का चालक भी शामिल है। दुर्घटना में मृत और घायल बच्चों की उम्र 5 से 12 साल के बीच है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रामगढ़-बोकारो मार्ग के गोला तिरला मोड़ के समीप एलपी ट्रक ने स्कूली बच्चों से भरे ऑटो को टक्कर मारी जिसमें घटनास्थल पर ही तीन बच्चें और एक ऑटो चालक समेत चार लोगों की मौत हो गयी। एलपी ट्रक का एक चालक और 11 बच्चे दुर्घटना में घायल हुए हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया है। सूत्रों ने बताया कि गुडविल मिशन स्कूल तिरला के बच्चे ऑटो से स्कूल जा रहे थे तभी आलू लदे ट्रक ने ऑटो को रौंद दिया। घटना के बाद सैकड़ों लोग मौके पर जुट गए और रामगढ़-बोकारो मार्ग को जाम दिया।

सीएम हेमंत ने जताया दुख :

सड़क दुर्घटना में हुई बच्चों की मौत पर सीएम हेमंत सोरेन ने दुख व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि रामगढ़ के गोला में स्कूल वैन और ट्रक की टक्कर से वैन चालक समेत 3 बच्चों के निधन की दुखद खबर से मर्माहत हूं। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

मोदी के नेतृत्व में उठाए गए कदम प्रगति को बढ़ावा देने में मददगार : जयशंकर

प्रात : किरण

भुवनेश्वर/एजेंसी। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जो देश की प्रगति को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी पढ़ाओ अभियान, आवास योजना, अन्न योजना, मुद्रा योजना, स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डा. जयशंकर बुधवार को यहां शुरू हुए तीन दिवसीय 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा,ह्लउन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत और नवाचार के जरिए देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। यह समय है जब युवा अपने अनुभव साझा करें, दूसरों को प्रेरित करें और एक नई सोच के साथ समाज के लिए नए मॉडल प्रस्तुत करें। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने उद्घाटन भाषण दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि नए भारत के निर्माण की दिशा में कदम,भारत, एक ऐसा देश जो अपनी सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिकता के अद्भुत संगम के लिए जाना जाता है। आज का युवा वर्ग न केवल भारत के भविष्य का निर्माण कर रहा है बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रहा है। चंद्रयान-4 की सफलता, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति, स्वच्छ भारत अभियान और 90 हजार से अधिक स्टार्टअप्स का उदय यह दशार्ता है कि युवा भारत नवाचार तथा प्रगति की दिशा में अग्रसर है।

भारत और मालदीव ने समुद्री सुरक्षा साझेदारी बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत और समुद्री सुरक्षा साझेदारी की दिशा प्रतिबद्धता व्यक्त की है। रक्षा मंत्री रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून के दौरान रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग समीक्षा की। रक्षा मंत्रालय के ने भारत-मालदीव व्यापक आर्थिक मालदीव ने व्यापक आर्थिक और में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की राजनाथ सिंह और मालदीव के ने बुधवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के विभिन्न पहलुओं की व्यापक अनुसार वार्ता के दौरान दोनों पक्षों और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने में मिलकर काम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, भारत की पड़ोसी पहले नीति तथा सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के दृष्टिकोण के अनुरूप, अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रक्षा प्लेटफार्मों और परिसंपत्तियों के प्रावधान सहित रक्षा तैयारियों में क्षमता वृद्धि में मालदीव का समर्थन करने के लिए भारत की तत्परता की पुष्टि की। श्री मौमून ने मालदीव के लिए जरूरत के समय प्रथम प्रतिक्रिया के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की और रक्षा एवं सुरक्षा कर्मियों की आधुनिक अवसंरचना क्षमताओं तथा प्रशिक्षण को बढ़ाने में माले की सहायता के लिए भारत को धन्यवाद दिया। मालदीव सरकार के अनुरोध पर भारत ने मालदीव को रक्षा उपकरण और सैन्य साजो सामान दिया। मालदीव के रक्षा मंत्री भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच निरंतर उच्च-स्तरीय संपर्कों का हिस्सा है। इस यात्रा से दोनों देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय रक्षा तथा सुरक्षा संबंधों को अधिक मजबूत करने का अवसर मिला है।

एलपीएससी निदेशक नारायणन इसरो के नया प्रमुख नियुक्त

चेन्नई/एजेंसी। केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित अंतरिक्ष वैज्ञानिक और एलपीएससी के निदेशक वी नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अगला अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया है। यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने मंगलवार शाम को इसकी घोषणा की। श्री नारायणन 14 जनवरी से निवर्तमान प्रमुख एस सोमनाथ का स्थान लेंगे। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि श्री नारायणन की नियुक्ति दो वर्षों के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, किया गया है। आम तौर पर वीएसएससी के निदेशक को इसरो का अध्यक्ष बनाया जाता है और शायद पहली बार होगा जब एलपीएससी निदेशक को इस पद पर पदोन्नत किया गया है। उल्लेखनीय है कि सोमनाथ, जिन्होंने वीएसएससी, तिरुवनंतपुरम निदेशक के पद से पदोन्नत करके जनवरी 2022 से इसरो का नेतृत्व किया, उनके नाम कई सफलताएं हैं, जिनमें ऐतिहासिक तीसरा चंद्र मिशन चंद्रयान-3 जिसने चंद्रमा के अनछुए दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की, जिससे भारत यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला विश्व का पहला देश बन गया, सूर्य के लिए आदित्य-एल1 पहला मिशन और नवीनतम दो स्पैडएक्स उपग्रहों को लॉन्च करके पहला स्पाई डॉकिंग प्रयोग प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और पीएसएलवी-सी60 को 30 दिसंबर, 2024 को पूरा करने का लक्ष्य, जिससे भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला विश्व का चौथा देश बन गया, शामिल है।

मुर्मु आज से मेघालय और ओडिशा यात्रा पर

प्रात : किरण

नई दिल्ली। मेघालय के मुख्य सचिव डीपी वहलांग ने घोषणा की कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरूवार यानी आज आईसीएआर के स्वर्ण जयंती समारोह और किसान एक्सपो का उद्घाटन करने के लिए शिलांग का दौरा करेंगी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 9 जनवरी को शिलांग का दौरा कर रही हैं। वह मुख्य रूप से आईसीएआर के स्वर्ण जयंती समारोह और किसान एक्सपो का उद्घाटन करने आ रही हैं, जो गुरूवार को आयोजित किया जाएगा। यह सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे के बीच होगा। वह उमरोई में उतरेंगी और आईसीएआर परिसर में ही समारोह करेंगी। इसलिए, वह शिलांग शहर की यात्रा नहीं कर रही हैं और समारोह के बाद, वह गुवाहाटी वापस चली जाएंगी,ह्व उन्होंने कहा। वहलांग ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा के बाद, मेघालय कैबिनेट, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, दो दिवसीय कैबिनेट रिट्रीट के लिए सोहरा जाएगी।

बिहार-नेपाल सीमा से 1600 किग्रा मानव बाल के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

पटना। डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस ने बिहार के मधुबनी में पश्चिम बंगाल के दो तस्करों के साथ बिहार के एक आरोपित को तिरुपति बालाजी समेत दक्षिण भारत के कई मंदिरों से चोरी कर बिहार के रास्ते नेपाल ले जाए जा रहे मानव-बाल की 1600 किलोग्राम एक बड़ी खेप पकड़ी है। यह बाल नेपाल के रास्ते चीन तक पहुंचाए जाने थे। डीआरआई की टीम इससे पूछताछ कर रही है। डीआरआई की यह कार्रवाई बिहार-नेपाल सीमा के मधुबनी में सामने आयी है। पकड़े गए तस्करों में दो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रहने वाले हैं, जबकि एक बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाला है। डीआरआई की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है। पश्चिम बंगाल नंबर का एक ट्रक मधुबनी से गुजर रहा था, जहां बालों की खेप ले जाए जाने की सूचना थी। डीआरआई की मुजफ्फरपुर शाखा में पूछताछ में तस्करों ने बताया कि बरामद किया गया बाल दक्षिण भारत के कई तीर्थ स्थलों से चुराकर जुटाया गया था। तिरुपति बालाजी मंदिर में होने वाले मुंडन से सबसे ज्यादा बाल जुटाए गए थे। बाल की कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है। चूंकि बाल नेपाल के रास्ते चीन जाने वाला था, इसलिए संलिप्त गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने के लिए जानकारी जुटाई जा रही है। डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस के अधिकारी ने बताया कि भारत में बाल की सप्लाई प्रतिबंधित है। कुछ गिरोह तस्करी करते हुए इसे नेपाल के रास्ते चीन पहुंचाते हैं। इससे विग और अन्य सामग्री का निर्माण कराया जाता है। चीन में इन चीजों की बहुत ज्यादा मांग है और दुनियाभर के देशों में इसकी सप्लाई की जाती है। पूर्व में इस मामले में ईडी की कार्रवाई और बॉर्डर सील होने के कारण गिरोह के लोग पश्चिम बंगाल की जगह बिहार के रास्ते का उपयोग करने लगे हैं।

जीडीपी वृद्धि सरकारी अनुमान से कम रहेगी : एसबीआई

नई दिल्ली/एजेंसी। देश के अग्रणी बैंक एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर लगभग 6.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो 6.4 प्रतिशत के सरकारी अनुमान से थोड़ा कम है। एक दिन पहले ही राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर चार साल के निचले स्तर 6.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया है। विनिर्माण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन और कमजोर निवेश के कारण वृद्धि दर धीमी होने की बात कही गई। इसके पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसंबर में कहा था कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक की शोध रिपोर्ट इकोरैप के मुताबिक, आरबीआई और एनएसओ के अनुमानों के बीच का अंतर हमेशा ही 0.20-0.30 प्रतिशत की सीमा में रहता आया है। लिहाजा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 प्रतिशत का अनुमान अपेक्षित और उचित है। रिपोर्ट कहती है, हालांकि, हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर नीचे की ओर झुकाव के साथ लगभग 6.3 प्रतिशत रह सकती है। एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष द्वारा लिखित यह रिपोर्ट कहती है कि वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सुस्ती और मौजूदा कीमतों पर जीडीपी के आकार में बढ़ोतरी लगभग स्थिर रहने के बावजूद चालू वित्त वर्ष में बाजार मूल्य पर प्रति व्यक्ति जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

एक देश, एक चुनाव : भाजपा ने किया समर्थन, विपक्ष ने उठाए सवाल

बैठक

एक देश, एक चुनाव विधेयकों पर विचार करने के लिए संसद की संयुक्त समिति की हुई पहली बैठक

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले दो विधेयकों पर विचार करने के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने एक साथ चुनाव के विचार की सराहना की तो विपक्षी सदस्यों ने इस पर सवाल खड़े किए। सूत्रों ने बताया कि विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधिकारियों ने बैठक के दौरान प्रस्तावित कानूनों के प्रावधानों पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के विचार का विधि आयोग सहित विभिन्न निकायों द्वारा समर्थन किए का हवाला दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सदस्यों ने एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि यह देश के हित में है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के एक सदस्य ने कहा कि यह विचार संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है, जबकि तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने कहा कि यह लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को नकारता है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली 39 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस से प्रियंका गांधी वाड्रा, जनता दल

यूनाइटेड से संजय झा, शिवसेना से श्रीकांत शिंदे, आम आदमी पार्टी से संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस से कल्याण बनर्जी समेत सभी प्रमुख दलों के सदस्य शामिल हुए। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार के लिए संसद की 39 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया है। समिति के 39 सदस्यों में भाजपा के 16, कांग्रेस के पांच, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के दो-दो तथा शिवसेना, तेदेपा, जदयू, रालोद, लोजपा रामविलास, जन सेना पार्टी, शिवसेना (उबाठा), राकांपा (एसपी), माकपा, आम आदमी पार्टी, बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के एक-एक सदस्य शामिल हैं। समिति में राजग के कुल 22 सदस्य हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया के 10 सदस्य हैं। बीजद और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ या विपक्षी गठबंधन के सदस्य नहीं हैं। समिति को बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। इन विधेयकों को पिछले साल 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

अपार आईडी कार्ड को लेकर बैठक

फतुहा। बुधवार को हाई स्कूल में अपार आईडी कार्ड के लक्ष्य और आदतन स्थिति को पूरा करवाने को लेकर शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अब तक फतुहा प्रखंड के विभिन्न स्कूलों में अपार कार्ड कितने बच्चों का बना और कितने बच्चों का नहीं बना इस पर चर्चा हुआ। बैठक में बीपीएम पंचम कुमार, बीआरपी कुंदन कुमार, बीआरपी विकास कुमार, लेखापाल कुमार गौरव, हाई स्कूल प्रभारी प्राचार्य धर्मेन्द्र कुमार सहित दर्जनों स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

सुशील कुमार मोदी जयंती समारोह सेवा सप्ताह के तहत पौधारोपण

फतुहा। बुधवार को भाजपा फतुहा नगर मंडल की ओर से भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी के नेतृत्व में बुधवार को बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी जयंती सेवा सप्ताह के तहत फतुहा हाईस्कूल में पौधरोपण/ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष संजीव यादव, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री कुंवर विजय पासवान, प्रभारी प्राचार्य धमेन्द्र कुमार, विजय वत्स, भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, रंजना पटवा, पुनम कुमारी, रवि प्रकाश, शिवनाथ यादव, रविन्द्र कुमार सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंग्रेजी शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

दानापुर खगौल रेल थाना के अंतर्गत प्लेटफार्म नंबर 1 के पश्चिम और फूड प्लाजा के पास देर रात प्लेटफॉर्म चेकिंग करने के दौरान एक युवक पुलिस को देखते ही भागने लगा उसे रुकने को कहा गया नहीं रुक बल के सहयोग से उसे गिरफ्तार किया गया उसके पिट्ठू बैग से शराब बरामद किया गया वह अपना नाम कुंदन शाह उम्र लगभग 32 वर्ष पिता स्वर्गीय दुलालचंद शाह वार्ड नंबर 7 दानापुर पटना को गिरफ्तार किया गया बौग से 8 स्रे.. गोल्ड ब्लैडर 46 पीस जंबो ब्लैक रम 12 पीस बरामद किया गया जीआरपी थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बतलाया कि पूछ ताछ करने के बाद न्याय हिरासत मे भेज दीजिए गया है

एक युवक को बदमाशो ने चाकू मार किया जख्मी कर दिया

दानापुर।नगर के शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दियारा स्थित गंगहारा में एक युवक को घर के निकट ही आपसी विवाद को लेकर बदमाशो ने मारपीट करते हुए चाकू मार कर जख्मी कर दिया। जिसे लोगो ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में लगी है। बताया जाता है कि बीते रात गंगहरा निवासी तारकेश्वर ओझा का पुत्र सन्नी उर्फ छोटे सरकार को घर के पास ही कुछ बदमाशों मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। जिसमें सन्नी जख्मी हो गया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद ने बताया कि फोन कर सूचना दिया पर अभी तक लिखित या कहा है उसकी जानकारी नही दी। ब्यान आने पर कार्रवाई की जायेगी। घटना के बारे में छानबीन की जा रही है।

अतिक्रमण हटाओ दस्ता ने खगौल रोड में अभियान चलाया

दानापुर। नगर के अंतर्गत नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण के विरूद्ध लगातार चलाये जा रहे अभियान बुधवार को भी जारी रहा। बुधवार को नगर प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह, अमरेन्द्र कुमार व दंडाधिकारी त्रिलोकीनाथ के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ दस्ता ने खगौल रोड में अभियान चलाया। दल बल के साथ पहुंची दस्ता ने सगुना मोड़ से लेकर आर के पुरम तक मुख्य मार्ग के दोनो ओर व्याप्त अतिक्रमण का हटाया। स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण के साथ सड़क पर गिड़ाये गये बालू गिट्टी आदि को भी जप्त करते हुए कार्रवाई की। ऐसे अतिक्रमणकारियो से दंड स्वरूप 28 हजार रुपए वसुले गये। बुधवार को अतिक्रमण हटाओ दस्ता सगुनामोड़ पर पहुंचे। जिसे देख अतिक्रमण कर दुकान आदि चलाने वाले लोग ठेला गुमटी आदि हटाने में जुट गये। जिससे थोड़ी देर के लिए स्थिति अफरातफरी वाली बन गयी। अतिक्रमण हटाओ दस्ता एक एक अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाती रही। कई झुग्गी झोपड़ी को ध्वस्त किया गया

एएसयूएसई के लिए एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

- इस सर्वेक्षण की अवधि जनवरी, 2025 से दिसम्बर, 2025 तक, आंकड़े देश के लिए अति महत्वपूर्ण है एवं सरकार के नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षे.सं.प्र.), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना के द्वारा ए.एस.यू.एस.ई. के लिए एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बुधवार को कपूर्री ठाकुर सदन, आशियाना रोड, पटना में किया गया। इस क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए उप महानिदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख, रोशन लाल साहू ने ए.एस.यू.एस.ई. सर्वेक्षण के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस सर्वेक्षण की अवधि जनवरी, 2025 से दिसम्बर, 2025 तक होगी, जो आंकड़े देश के लिए अति महत्वपूर्ण है एवं सरकार के नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर प्रकाशित आंकड़े नीति निर्माण में अहदी भूमिका अदा करती है तथा इस सर्वेक्षण में मुख्य रूप से अनिगमित क्षेत्रों के आंकड़े को पूर्ति करने के लिए विनिर्माण, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्रों के अंतर्गत असमाविष्ट गैर कृषि क्षेत्र के आर्थिक और संचालनात्मक विशेषताओं पर किए जाने वाले एकीकृत सर्वेक्षण पर केंद्रित है। असमाविष्ट सेक्टर के 2023-24 के प्रकाशित रिपोर्ट से सभा को अवगत कराते हुए कहा कि देश में लगभग 7.34 करोड़ असमाविष्ट सेक्टर के संस्थान हैं जिसमें 12 करोड़ से अधिक लोग रोजगार में लगे हुए हैं जो रोजगार के क्षेत्र में असमाविष्ट सेक्टर के महत्व को बताता है। असमाविष्ट सेक्टर के संस्थानों का जी.वी.ए. प्रति संस्थान 2,45,687 रुपये हैं तथा जी.वी.ए. प्रति कामगार 1,49,742 रुपये हैं। इस प्रशिक्षण शिविर में उप निदेशक, परिमल द्वारा आंकड़ों की उपयोगिता एवं इसके तकनीकी पहलुओं से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया। स्वागत भाषण मनोज कुमार गुप्ता, व.सां.अधि. के द्वारा किया गया। अभिषेक गौरव, सहायक निदेशक के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। इस प्रशिक्षण शिविर के तकनीकी पहलुओं से राजीव कुमार झा, रौशन कुमार एवं जीतेन्द्र राय, व.सां.अधि. ने लोगों को प्रशिक्षित किया। साथ ही देवेन्द्र कुमार, कुमार इन्द्रजीत एवं कमलेश कुमार गुप्ता के अलावा अन्य व.सां.अधि. और गुरुराज सिंह, क.सां.अधि. ने भी भाग लिया। मनोज कुमार एवं श्याम बाबू रजक ने भी प्रशिक्षण शिविर में सहयोग किया।

एनएच 30 पर वाहन रोक बख्शीश मांग रहे किन्नरों को पुलिस ने खदेड़ा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

किन्नरों का एक जत्था राष्ट्रीय उच्च पथ 30 के महादेव स्थान के पास विभिन्न वाहनों को रोक कर या रुके वाहनों से बख्शीश की मांग कर रही थीं। इससे लगातार वाहनों का जाम लग रहा था। लग रहे जाम को लेकर जब पुलिस पदाधिकारी उन सबों को हटाने और समझाने को पहुंची, तब किन्नरों ने विरोध जताना शुरू कर दिया और उल्टे पुलिस वालों को खदेड़ दिया। बाद में पुलिस पदाधिकारी और बल मौके पर पहुंचे और बख्शीश की मांग कर रहे किन्नरों को खदेड़ दिया। इस दौरान अफरा-तफरी की स्थिति मच गई। बाद में किन्नरों का जत्था महादेव स्थान के पास पहुंच गया और एनएच 30 को जाम कर दिया। साथ ही पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान किन्नर माला गुप्ता ने कहा कि वह सब गाड़ियों को रोक कर बख्शीश की मांग लोगों से कर रहे थे। अगर हम लोग भीख नहीं मांगेंगे, तो खाएंगे कहां से। हमारे पास दूसरा कोई भी साधन धन उपार्जन का नहीं है। ऐसे में पुलिस पहुंची और उन सबों के साथ मारपीट करने लगी। भागने के दौरान भी किन्नर गिर पड़ीं और उन सबों को चोट आई। पुलिस जब उन सबों की पिटाई कर रही थी, तब उसमें महिला पुलिस पदाधिकारी या महिला बल शामिल नहीं थी। स्थिति यह रही कि तीन किन्नर छोटी, अंशिका और सबीना चोट लगने से घायल हो गईं। उन सबों को पैर, कमर, आंख, गाल आदि में चोटें आई हैं। वहीं ट्रांसजेंडर संगठन से जुड़ी ए चौधरी ने कहा कि पुलिस ने बर्बरता के साथ किन्नरों की पिटाई की है। वह सब जबरन रुपए की मांग नहीं करते हैं। उन लोगों के पास आय का कोई दूसरा जरिया नहीं है। सरकार ने 21 ट्रांसजेंडरों को स्वरोजगार के लिए मुख्य धारा से जोड़ने की बात कही थी, मगर दो साल से कुछ नहीं हो पाया। उन सबों को भीख मांगने का शौक नहीं है। सरकार उन्हें नौकरी में आरक्षण और आर्थिक रूप से सहयोग करे, तो वह सब बखशीश और भीख मांगना छोड़ देंगे। बताया गया कि इस संबंध में बाइपास थाना में लिखित रूप से आवेदन मामला दर्ज करने के लिए दिया गया है।

टेंटसिटी में 73 पौधे लगा स्व सुशील मोदी को दी श्रद्धांजलि

पटना सिटी, सुशील कुमार मोदी शोध संस्थान की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी की 73वीं जयंती पर शुरू हुए सेवा सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को टेंट सिटी इलाके में 73 पौधे लगाए गए। शोध संस्थान कार्यसमिति के सदस्य और भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव ने बताया कि पहले दिन गांधी सरोवर और सिटी हाई स्कूल के परिसर में भी 73 छायादार-फलदार पौधे लगाये गए थे। बुधवार को टेंट सिटी के रानीपुर-चकिया पथ पर सड़क किनारे पौधारोपण में संजीव कुमार यादव के साथ भाजपा जल्ला मंडल के महामंत्री उदय भान सिंह, भाजपा महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष नैयर इकबाल, चौक मंडल के उपाध्यक्ष दयानंद सिंह, दिनेश यादव, अखिलेश कुमार सिंह, अमन कुमार और भाजपा फतेहपुर मंडल आदि के पौधे रोपण कर उनकी रक्षा का संकल्प लिया।

एक शाम शहीदों के नाम में कलाकारों ने बिखेरा जलवा

प्रात :किरण संवाददाता

मसौढ़ी !नगर मुख्यालय स्थित सम्राट अशोक भवन में एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मसौढ़ी अनुमंडल प्रशासन के द्वारा बुधवार की संध्या में आयोजित की गई।पटना से आये कलाकारों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति नगमों ने उपस्थित श्रोताओं को देशभक्ति से ओतप्रोत कर झूमने पर मजबूर कर दिया।कार्यक्रम की शुरूआत अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल स्थानीय विधायिका रेखा देवी पूर्व विधायक अरुण मांझी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।वही स्वतंत्रता सेनानी व शहीदों के परिवारों को सम्मानित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया आकाशवाणी, दूरदर्शन वं अन्य जगहों से आये चर्चित कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की जो शमा बांधी लोग झूम उठे।ए मेरे वतन के लोगो तुम आंख में भर लो पानी जो शहीद हुए हैं उनको जरा याद करो कुबार्नी,सारे जहां से अच्छा हिदुस्तान हमारा, हम जिएंगे और मरेंगे ए वतन तेरे लिए,जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वो भारत देश है मेरा,चिट्ठी आई है वतन से चिट्ठी आई है आदि देशभक्ति नगमे ने लोगों को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को बताया एवम् देश के विभिन्न सीमाओं पर सरहद की रक्षा में शहीद जवानों के परिवारों को इस कार्यक्रम के आयोजन से अर्जित आय के माध्यम से आर्थिक सहयोग देने की बातें कही।उपस्थित कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए तमाम दर्शकों को धन्यवाद दिया।

बिहार तकनीकी सेवा आयोग को 15 तक का दिया अल्टीमेटम

- डिप्लोमा फार्मासिस्टों के 2473 पदों पर नियमित नियुक्ति हेतु जल्द विज्ञापन प्रकाशित करे बिहार तकनीकी सेवा आयोग

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

डिप्लोमा फार्मासिस्ट आर्गनाइजेशन छात्र संघ, बिहार की ओर से राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों के द्वारा 15 जनवरी को बिहार तकनीकी सेवा आयोग का घेराव किया जाएगा। इसके लिए बैठक की गई। छात्र संघ के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि डिप्लोमा फार्मासिस्टों के 2473 पदों पर नियमित नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशन में हो रहे विलंब से बिहार तकनीकी सेवा आयोग का घेराव करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोग को अधियाचना भेजे लगभग दो माह बीत जाने के बाद भी उसके द्वारा अबतक विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया गया है। इससे डिप्लोमा फार्मासिस्टों में रोष है। यदि 15 जनवरी तक आयोग विज्ञापन प्रकाशित नहीं करता है, तो मजबूरन डिप्लोमा फार्मासिस्टों को घेराव कर धरना-प्रदर्शन करना पड़ेगा। बताते चलें कि यह बहाली बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग (संशोधन) नियमावली 2024 के अनुसार 75 अंकों की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा एवं 25 अंक अनुभव के देय है और बी फार्म एवं एम फार्म उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी डिप्लोमा इन फामेर्सी उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, यानी कि डिप्लोमा इन फामेर्सी अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता है। पटना उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को आदेश दिया गया था कि लोकसभा चुनाव पूरा होने के बाद तीन माह के अंदर सिर्फ डिप्लोमा फार्मासिस्टों की नियमित नियुक्ति को नया विज्ञापन प्रकाशित कर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। ससमय उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं होने पर अध्यक्ष अरविंद कुमार के द्वारा अवमानना वाद भी दायर किया गया है। राज्य में पिछले 18 वर्षों से डिप्लोमा फार्मासिस्टों की नियमित नियुक्ति नहीं हुई है आखिरी बार विज्ञापन वर्ष 2006 में प्रकाशित हुई थी, पिछले 18 वर्षों से डिप्लोमा फार्मासिस्ट नियमित नियुक्ति की आस देख रहे हैं। बैठक में अमित, राहुल, मनीष, विकेश, सूर्यकांत, श्रीकांत, सुबोध, श्रवण, दीपक दिव्यांश, विभाष, विकाश, ऋषि, बबलू, चेतन, मनीष, चंचल, राजा, संकित, अमित, संजीत, पृथ्वी, अंकित, धर्मेंद्र आदि मौजूद रहे।

दो वार्ड सदस्यों के विवाद के कारण नहीं चल रहा पानी

प्रात :किरण संवाददाता

मोकामा। मोकामा प्रखंड के बरहपुर गांव में अनुरक्षकों और वर्तमान वार्ड सदस्यों की आपसी खिंच-तान में आठ दिनों तक मुख्यमंत्री हर घर,नल-जल योजना के लाभ से लोगों को महरुम होना पड़ा।इस दौरान लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ गया।हालांकि,बुधवार को संपन्न हुई त्रिस्तरीय वार्ता बेपटरी हो गयी,लेकिन मुखिया दुनिया देवी ने जनहित में पानी की आपूर्ति शुरू करा दी है।बताया जाता है कि पंचायत के ग्यारह वार्डों में नूतन साल के प्रथम दिन से ही पूर्व अनुरक्षकों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर पेय जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह बाधित कर दिया।इस दौरान सिर्फ वार्ड नंबर सात में ही ग्रामीणों को पानी की आपूर्ति कायम रखी गयी।शेष वार्डों में ग्रामीण पानी के लिए तरसते रहे।इधर,पंचायत में पेयजल की आपूर्ति ठप्प होने से त्राहिमाम मच गयी।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुखिया दुनिया देवी ने पीड़ित लोगों की आपात बैठक आयोजित कर समस्या का हल निकालने की भरपूर कवायद की,लेकिन वार्ड सदस्यों के बहिष्कार के कारण यह कोशिश बेपटरी हो गयी।पूर्व अनुदेशकों ने कहा कि योजना को धरातल पर उतारने के लिए निजी जमीन मुहैया कराई गयी।उस वक्त आपरेटर के रुप में दान दाताओं को आश्वसान दिया गया था,मगर अब सरकार अपने वादे से मुकर रही है।दूसरी ओर वर्तमान वार्ड सदस्यों ने खुद को सरकार द्वारा प्रशिक्षित आपरेटर बता आवंटित राशि पर दावा ठोक दिया।लिहाजा,आपसी लडाई में पेयजल की आपूर्ति बाधित हो गयी।हालांकि,अभी भी मामला ठंढा नहीं हुआ है।

जन व समाजसेवा में मारवाड़ी समाज रहा है आगे : नंदकिशोर

स्व ओपी साह की याद में किया गया कंबल वितरण

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

जिस प्रकार मारवाड़ी समाज जनसेवा व समाज सेवा का कार्य कर रहा है, वह अपने आपमें एक मिसाल है। इस मिसाल को आगे बढ़ाने का काम ओम बाबू साह करते थे। उन्होंने हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए कुछ न कुछ ऐसा कार्य किया, जो अपने आपमें सराहनीय रहा। कोरोना काल में अनाज का वितरण हो, घर-घर आटा पहुंचना हो, कन्याओं को सिलाई मशीन देना, ठंड में ठिठुरते गरीब एवं असहाय के बीच कंबल बांटने का कार्य हो, यह सब कार्य ओम भैया करते थे। आज उनकी याद में मारवाड़ी सेवा समिति पटना सिटी शाखा सैकड़ों गरीब एवं असहायों के बीच कंबल वितरण किया है, यह सराहनीय है। उक्त बातें मिरचाई गली स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर के प्रांगण में स्वर्गीय ओमप्रकाश साह की स्मृति में कंबल वितरण समारोह में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कही। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने स्वर्गीय ओपी साह के साथ बिताए पल को याद करते हुए भावुक हो गए। साथ ही उन्होंने खुशी जताई कि उनके जन और समाज सेवा के कार्य को उनके पुत्र गौरव साह आगे बढ़ा रहे हैं। श्री यादव ने भी समिति द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि श्री बिहारी जी मिल्स प्रालि के प्रबंधक गौरव साह व शालू साह व ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रभात भरतिया उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष संजीव देवड़ा और संचालन राजकुमार गोयनका ने किया। श्री देवड़ा ने बताया कि समिति द्वारा हर दिन समाजसेवियों के सहयोग से मोबाइल कंबल वितरण का कार्यक्रम चल रहा है।जल्द ही समिति द्वारा पटना सिटी के विभिन्न स्थान व चौक-चौराहों पर अलाव जलाने का काम शुरू किया जाएगा।आगत अतिथियों का स्वागत कोषाध्यक्ष मनोज खेतान ने किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन गोविंद कानोडिया, मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष शिवप्रसाद मोदी, दादी जी भक्त मंडल के उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश झुनझुनवाला, नवयुवक विकास सेवा समिति के अध्यक्ष प्रभात जायसवाल, सुभाष पोद्दार, राजेश देवड़ा, अशोक बंका आदि उपस्थित थे।

84 दंगा के बाद पटना छोड़े सिखों को बुला फिर बसाएं : बाबा भूरीवाल

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दशमेश पिता गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 358वें प्रकाश पर्व के अवसर पर धार्मिक आयोजन, आवास एवं लंगर की व्यवस्था से लेकर अन्य में गुरुद्वारा बाललीला प्रबंधन ने खासा सहयोग किया है। इसके लिए प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब ने बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले, बाबा सुखविंदर सिंह एवं बाबा गुरविंदर सिंह और उनकी टीम के प्रति आभार जताती है। यह बात कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही एवं महासचिव इंद्रजीत सिंह ने तीनों बाबा जी को सम्मानित करने के दौरान कही। दरअसल कमेटी ने बाबा भूरीवाले जी को इस प्रकाश पर्व पर मालसलामी स्थित ओपी साह सामुदायिक भवन और कंगन घाट में लंगर की सेवा सौंपी थी। साथ ही बाबा जी के द्वारा करीब दो दर्जन लॉज, धर्मशाला, कम्युनिटी हॉल आदि लेकर संगतों को ठहराने की व्यवस्था करने का काम किया था। इसके पूर्व तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारों ने भी बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले, बाबा सुखविंदर सिंह एवं बाबा गुरविंदर सिंह को सिरोपाओं देकर सम्मानित किया। इस दौरान बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले ने तख्तश्री कमेटी के पदाधिकारियों को कहा कि वर्ष 1984 के दंगे के दौरान जिन-जिन सिख परिवारों ने पटना छोड़कर अन्यत्र बस गए या कारोबार कर रहे हैं, ऐसे लोगों की जानकारी इकट्ठा कर उन्हें वापस पटना लाने का प्रयास करें। वह अपना कारोबार यहां फिर से शुरू कर सकें, इस दिशा में ठोस पहल किए जाने की जरूरत है। बिहार में वैसे भी सिखों की संख्या कम है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। यदि इस नेक काम में और उन्हें कारोबार शुरू करने में यदि उनकी कोई जरूरत होगी, तो वह मदद भी करने को तैयार होंगे। इस दौरान कमेटी की ओर से बाबा जी को सिरोपा, प्रतीक चिन्ह आदि प्रदान किया गया। मौके पर तख्तश्री कमेटी के पूर्व महासचिव सरजिंदर सिंह, बाबा भूरीवाले टीम की ओर से सुखविंदर सिंह वालिया आदि मौजूद थे।

दीवान मुहल्ला व मारूफगंज उपडाकघर के भवन का उद्घाटन

ग्राहकों को मिलेगी डिजिटल व आधुनिक सुविधाएं

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

डाक सेवाएं निदेशक मुख्यालय पवन कुमार ने दीवान मुहल्ला व मारूफगंज के नए भवन का उद्घाटन बुधवार को किया। इस दौरान चीफ पोस्टमाटर जनरल अनिल कुमार ऑन लाइन जुड़े और सबों को बधाई दी। निदेशक ने कहा कि उप डाकघर में निर्यात केंद्र व नवीनतम डाकसेवा का लाभ मिलेगा। बताया गया कि डाकघरों को ग्राहक हितैषी बनाने की ओर यह कदम है। डाकघर में आकर ग्राहक अच्छे माहौल में बेहतर सुविधा प्राप्त कर सकें, इसे ध्यान में रखकर नवीनीकृत एवं सुसज्जित भवन में स्थानांतरित किया गया। साथ ही दीवान मोहल्ला एवं मारूफगंज घनी आबादी वाला एक मार्केट हब है। यहां की आम जनता एवं आसपास के दुकानदार इस उपडाकघर के द्वारा डाक विभाग के विभिन्न आधुनिक वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ डाक विभाग की अन्य सुविधा का लाभ ले सकते हैं। इन उप डाकघरों के द्वारा आसपास के इलाके की आबादी को डाकघर की सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। उनके क्षेत्र में डाकघर होने से डाकघर की सभी सेवाओं, डिजिटल बैंकिंग एवं अन्य डाकघर की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ ससमय मिल सकेगा।

इस अवसर पर निदेशक डाक सेवाएं (मुख्यालय) पवन कुमार ने मीडिया को बताया कि इस इलाके के बड़े व्यवसायी एवं छोटे दुकानदार नवीनतम सेवा, डाकघर निर्यात केंद्र (उठड) का लाभ ले सकते हैं एवं डाकघर निर्यात केंद्र (उठड) के माध्यम से अपने सामान को देश-विदेश में निर्यात कर सकते हैं। इन उपडाकघरों में डाक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य आधुनिक वित्तीय सेवाओं का समावेश किया गया है। इनमे बचत बैंक की सभी योजनाओ के साथ-साथ स्पीड पोस्ट पार्सल एवं पंजीकृत पत्रों के बुकिंग से संबंधित कार्य भी किए जाएंगे। समारोह में डाक अधीक्षक पटना साहिब मंडल, उमाशंकर कुमार, सहायक डाक अधीक्षक (पटना सिटी अनुमंडल संजीव सुमन झा, सहायक डाक अधीक्षक (बाढ़ अनुमंडल) जीतेन्द्र कुमार रंजन, सहायक डाक अधीक्षक (मुख्यालय) राहुल कुमार त्रिवेदी, निरीक्षक डाकघर (लोहिया नगर) एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न विभागीय संगठन के सचिव, अभिकर्तागण, आम जनता एवं व्यावसायिक दुकानदार इस उद्घाटन समारोह के दौरान मौजूद थे।

डॉ नरेश ने एसजीजीएस अस्पताल के अधीक्षक का लिया प्रभार

पटना सिटी (प्राकि)। गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में अधीक्षक के रूप में डॉक्टर नरेश कुमार चौधरी ने प्रभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान उन्होंने यहां पदस्थापित चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्य प्रबंधक से लेकर अन्य लोगों से परिचय प्राप्त किया और कार्यों के बारे में जानकारी ली। जब उनसे प्राथमिकता के बारे में पूछा गया, तो उनका कहना था कि मरीज का इलाज ढंग से यहां हो और सभी दवाई उन्हें मिले, उनका यह प्रयास होगा। जहां तक कमियों का सवाल है, तब वह सरकार के प्रतिनिधि के रूप में यहां अधीक्षक का प्रभार ग्रहण किए हैं। जहां भी जो कमियां दिखेगी, उस पर स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों को सूचित कर उसे पूरा कराने का काम करेंगे। चाहे वह संसाधन के मामले में हो या फिर खराब पड़ी मशीनों को ठीक करने के बारे में। कहीं यदि मैन पावर की कमी है, तो उस संबंध में भी बात की जाएगी। अस्पताल में होने वाले धरना-प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा कि लोग उनसे आकर समस्याओं को लेकर मिलें, वह इसका निराकरण करने का प्रयास करेंगे। धरना व प्रदर्शन करने से समस्या का समाधान नहीं होता है।

समदर्शी व परोपकारी थे आचार्य किशोर कुणाल : मंहत श्री ब्रजेश मुनि महाराज

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। कबीर पंथी आश्रम कबीर साईं मंदिर के प्रांगण मीठापुर में पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर सहित कई स्वास्थ्य संस्थानों के सचिव रहे बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के पूर्व मुख्य प्रशासक और पूर्व आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर मंहत श्री ब्रजेश मुनि महाराज जी के द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर उन्होंने कहा कि पूर्व आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल का इस दुनिया से अचानक चल देने की घटना ने उन्हें काफी मर्माहत किया है। वे समाज के लिए समदर्शी और परोपकारी व्यक्तित्व थे। उन्होंने कहा कि दिवंगत आचार्य किशोर कुणाल ने राजधानी पटना के प्रसिद्ध धार्मिक महावीर मंदिर, महावीर कैंसर संस्थान, महावीर नेत्रालय संस्थान, आरोग्य संस्थान, वात्सल्य अस्पताल सहित कई स्वास्थ्य व धार्मिक संस्थाओं के स्थापित कर समाज के लिए परोपकारी कार्य किया है। उनके द्वारा धार्मिक, स्वास्थ्य कल्याण एवं दलित परोपकारी कार्य के लिए बिहार और देश की जनता उन्हें सदैव आदर करेगी। इसी कड़ी में कथावाचक युवाचार्य संत श्री विवेक मुनि महाराज जी ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल जी का योगदान धार्मिक सामाजिक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है। अयोध्या में राम रसोई और उनका विराट रामायण मंदिर बनाने का उनका लक्ष्य था। उनके जाने से साधु संतों में भी बहुत बड़ी क्षति हुई है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में कबीर साई डेंटल हॉस्पिटल के दंत चिकित्सक डॉ इंद्रजीत कुमार, डॉ कुणाल, प्रोफेसर सज्जन कुमार, प्रोफेसर संजय यादव, प्रधान रुबी देवी, उषा देवी, कुमकुम देवी, मनीष कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

डॉ सीपी जायसवाल ने गवर्नमेंट एमसीएच छपरा में लिया अधीक्षक का प्रभार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष सह प्राध्यापक डॉप्रो सीपी जायसवाल को यहां के अतिरिक्त नवनिर्मित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, छपरा (सिवान) का अधीक्षक का प्रभार भी सौंपा गया है। डॉक्टर जायसवाल ने वहां पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रगति यात्रा के दौरान छपरा पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उक्त राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निरीक्षण करने भी पहुंचे थे। यहां की स्थिति से अधीक्षक डॉक्टर जायसवाल ने उन्हें अवगत कराने का काम किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य अधिकारी व पदाधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने सारण जिले को 985 करोड़ रुपये की दी सौगात, 52 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

जल संरक्षण को लेकर सार्वजनिक कुओं, तालाबों व पोखरों का किया जा रहा जीर्णोद्धार : नीतीश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

- सीएम ने 655 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के क्रम में सारण जिले को लगभग 985 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 52 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इन योजनाओं में 688.17 करोड़ रुपये की लागत से 32 योजनाओं का उद्घाटन तथा 296.42 करोड़ रुपये की लागत से 20 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। प्रगति यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने सारण जिला अंतर्गत छपरा सदर प्रखंड के एनएच19 बिसेन टोला में बिशुनपुरा बाईपास पर एनएच19 लेफ्ट आउट छपरा पथ के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण तथा डोरीगंज बाजार से बिशुनपुरा तक प्रस्तावित एलिवेटेड पथ निर्माण का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने 89.95 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित एनएच 19 लेफ्ट आउट छपरा सेक्शन पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य, 40.53 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित खेरा बीनटोलिया पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य, सारण एवं सीवान जिला अंतर्गत 701.26 करोड़ रुपये की लागत से छपरा, एनएच 31, बलिया मोड़ मांझी, दरौली-गुठनी, एनएच 227 ए पथ का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इन सभी पथों के कार्यों में तेजी लाकर जल्द से जल्द पूर्ण करें। यह काफी महत्वपूर्ण पथ हैं। इनके बन जाने से आवागमन सुचारु होगा, लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने 655 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल छपरा, सारण का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के शैक्षणिक भवन का निरीक्षण कर व्यवहारिक प्रयोगशाला, कौशल प्रयोगशाला आदि का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल के ओपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर और परामर्श कक्ष का भी जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि काफी अच्छे ढंग से यहां अस्पताल का निर्माण हो गया है। इससे छपरा एवं आसपास के लोगों को इलाज कराने में काफी सहूलियत मिलेगी। इस राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में पढ़ाई के साथ-साथ मरीजों का इलाज भी किया जायेगा। इसके फंक्शनल हो जाने से मुझे बहुत खुशी हो रही है। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल प्रांगण में मुख्यमंत्री ने सारण जिला के विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने सारण जिले के गड़खा प्रखंड स्थित ग्राम महमदा में जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत सौंदर्यीकृत किये गये तालाब, (पेवर ब्लॉक पाथ-वे, छठ घाट), मनरेगा के तहत निर्मित ग्रामीण घाट और खेल मैदान का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तालाब के चारो तरफ सीढ़ीनुमा घाटका निर्माण करायें। हमलोग वर्ष 2019 से जल-जीवन-हरियाली अभियान का शुरूआत कर सभी सार्वजनिक कुओं, तालाबों, पोखरों आदि का सौंदर्याकरण एवं जीर्णोद्धार करा रहे हैं ताकि जल संरक्षित रहे।

विभिन्न योजना के लाभुकों को सौंपा सांकेतिक चेक

विभिन्न विभागों एवं जीविका दीदियों द्वारा लगाये गये स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 6326 जीविका स्वयं सहायता समूहों के 75912 परिवारों को बैंक ऋण के रूप में प्रदत्त राशि का सांकेतिक चेक, सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत 661 लाभार्थियों को 3 करोड़ 2 लाख 18 हजार 722 रुपये का सांकेतिक चेक, 1571 जीविका स्वयं सहायता समूहों को प्रदत्त सामुदायिक निवेश निधि अंतर्गत 15 करोड़ 73 लाख 95 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, ग्रामीण हाट मोहमदा की चाभी, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का सांकेतिक चेक, कुशल युवा कार्यक्रम, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री बाल हृदय सुरक्षा योजना, आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वय वंदना कार्ड, कृषि यांत्रिकीकरण राज्य योजना का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना का सांकेतिक चेक, समेकित विकास योजना के तहत व्यॉलर पॉल्ट्री फॉर्म का सांकेतिक चेक, समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना, बिहार शताब्दी असंगठित कार्य कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना के अन्तर्गत मृत्यु लाभ का सांकेतिक चेक, बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पुरस्कार का सांकेतिक चेक, बासगीत पर्चा, अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना का सांकेतिक चेक एवं दिव्यांगजनों के लिये बैट्री चालित ट्राई साइकिल की चाबी लाभुकों को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने महमदा गांव में 7 लाख 50 हजार रुपये की लागत से आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-199, मंगला टोला के जीर्णोद्धार कार्य, स्कूल के सामने पेवर ब्लॉक कार्य तथा सौंदर्गीकरण कार्य का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य सह कृषि मंत्री मंगल पांडेय, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सह सारण जिले के प्रभारी मंत्री सुमित कुमार सिंह, सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विधायक जनक सिंह, विधान पार्षद सच्चिदानंद राय, विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, पूर्व मंत्री चंद्रिका राय, पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी, पूर्व मंत्री गौतम सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय कुंदन कृष्णन, अपर पुलिस महानिदेशक, सुरक्षा अमृत राज, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक, सारण प्रमंडल के आयुक्त गोपाल मीणा, पुलिस उप महानिरीक्षक, सारण प्रक्षेत्र निलेश कुमार, जिलाधिकारी अमन समीर, पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जीविका से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा

मुख्यमंत्री राजकीय मध्य विद्यालय सह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महमदा के प्रांगण में आयोजित जीविका दीदियों से संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीविका समूह हम सभी महिलाओं के लिए वरदान साबित हुआ है। जीविका ने हमारी जिंदगी को बदल दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम केंद्र में मंत्री थे तो अनेक जगहों पर जाकर जीविका समूहों द्वारा किये जा रहे कार्यों को देखते थे। हमने देखा कि बिहार में जीविका समूह की संख्या काफी कम है। काम भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा था। वर्ष 2005 में बिहार में जब हमलोगों की सरकार बनी तब हमने वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर जीविका समूहों की संख्या बढ़ानी शुरू की, जिसका परिणाम है कि वर्तमान बिहार में जीविका समूहों की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है। जिनसे 1 करोड़ 31 लाख महिलायें जुड़ी हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को जीविका दीदी हमने ही नाम दिया, जिससे प्रेरित होकर केंद्र ने पूरे देश में इसका नाम आजीविका रखा। शहरी क्षेत्रों में भी हमने जीवका समूहों का गठन शुरू कराया है। अब तक 26 हजार महिलायें इससे जुड़ चुकी हैं। जीविका समूहों के माध्यम से दीदियां काफी अच्छा काम कर रही हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और उनके भाषा में भी सुधार आया है। पहले महिलायें घर से बाहर निकलने में संकोच करती थीं। अब जीविका समूहों से जुड़कर अनेक प्रकार के कारोबार कर रही हैं। हम हर जगह जाकर इनके कामों को देखते हैं और जो भी इनकी जरुरतें होती हैं उसे पूरा किया जाता है।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने एकमा प्रखंड के एकमा चट्टी में प्रस्तावित एकमा-मशरख पथ और एकमा डुमाईगढ़ पथ के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का स्थल निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने 90 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित एकमा-मशरखपथ तथा 40 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित एकमा-ताजपुर-डुमाईगढ़ पथ के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी।

प्रशांत किशोर ने छिपाया अपना आपराधिक इतिहास : नीरज

पटना। जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने फेसबुक लाइव के माध्यम से जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर के उपर जमकर निशाना साधा और उनपर बीपीएससी अभ्यर्थियों को बरगलाने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने प्रशांत किशोर से कुछ अहम और गंभीर सवाल पूछेः-प्रशांत किशोर ये बताएं कि वो गांधी जी की मूर्ति के नीचे अनशन कर रहे थे जबकि गांधी जी ने शराबबंदी का आह्वान किया था। वो बिहार में 15 मिनटों में शराबबंदी को खत्म करने की बात करते हैं। ये बताएं कि आपने ये झूठा दावा किया कि आपने सशर्त बेल लेने से इनकार कर दिया जबकि जो धाराएं आपके खिलाफ लगाई गई वो जमानती धाराएं थी और आपको थाने से ही बेल देने की बात कही गई लेकिन आपने थाने से बेल नहीं लेने का राजनीतिक नाटक किया? क्या ये सही नहीं है कि आपने बेल के लिए निजी मुचलका भरा और जब-जब पुलिस आपको कोर्ट जांच के लिए आपको बुलाएगी तब-तब आप पुलिस और न्यायालय के सामने उपस्थित होना होगा? तो आपने ये कैसा झूठा दावा किया कि कोर्ट की सशर्त जमानत लेने से उन्होंने इनकार कर दिया? ये बताएं कि जिस वैनिटी वैन से घूमकर आप अपनी राजनीति चमका रहे हैं, करोड़ों की उस वैनिटी वैन की असलियत आपने प्रशासन से क्यों छिपायी? क्या आपने सुसज्जित वाहन की असलियत छिपाकर मोटर वाहन की धाराओं का घोर उल्लंघन नहीं किया है?

इतिहास पुरुष पर टीका टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण : नवल

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार जैसे इतिहासपुरुष पर बेसिरपैर टीका टिप्पणी करने के पहले तेजस्वी यादव को बताना चाहिए कि उनका अपना खुद का कीर्तिमान क्या है? उनकी अपनी खासियत और पहचान क्या है? उनमें कौन से सुरखाब के पर लगे हैं सिवाय इसके कि वो लालू यादव के लड़के हैं। सारी सुविधा मिलने के बावजूद दसवीं की परीक्षा भी नहीं पास कर सकें। वो राजद का नेता बने भी तो लालू जी का लड़का होने के चलते न कि अपनी योग्यता प्रमाणित कर या किसी सत्ता संघर्ष में विजय हासिल कर। क्या वह राजद के उन अनेक वरिष्ठ नेताओं का अपमान नहीं है जिन्होंने पूरी जिंदगी पार्टी को संवारने में खपा दी?

नीतीश कुमार के विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहा विपक्ष : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने राज्य की विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में बिहार में हो रहे चैमुखी विकास को विपक्ष पचा नहीं पा रहा है। मीडिया में जारी एक बयान में उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जिनके माता-पिता के शासनकाल में बिहार बदहाली की दौर से गुजर रहा था उस बिहार में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने विकास की धारा बहाने का काम किया है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि साल 1990 से लेकर साल 2005 तक लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल में पूरा बिहार में रोजगार चैपट था, उद्योग धंधे बंद हो गए थे, लोग डर के मारे पलायन करने को मजबूर थे वहीं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के शासनकाल में बिहार विकास की नई ऊंचाईयां छू रहा है। लाखों की तादाद में युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिल रहा है जिससे वो आर्थिक तौर पर सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस शासनकाल में महिलाएं शाम होते ही घरों से नहीं निकलती थी, डर के साए में जीने को मजबूर थी उस बिहार में आज महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक तौर पर सशक्त हो रही हैं।

मोदी सरकार में देश की अर्थव्यवस्था चौपट : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो रही है। रुपये का लगातार अवमूल्यन हो रहा है। अब विकास दर में भी गिरावट आई है। लोग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। केंद्र सरकार का बजट एक फरवरी को आएगा। इससे पहले विकास दर को लेकर जो रिपोर्ट आई है, वह काफी चिंता जनक है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जारी कर दिया है।

बढ़ते और बदलते बिहार के सच्चे ध्वजवाहक हैं हमारे युवा : विजय

स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार करेंगे बिहार के युवा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री सह कला, संस्कृति एवं युवा मामलों के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजेन्द्र नगर टर्मिनल से झंडा दिखा कर दिल्ली में आयोजित हो रहे 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों को आज विदा किया। इस अवसर पर श्री सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने जा रहे ये युवा कल के बिहार की असली पहचान बनेंगे। इनके बल पर ही आज राज्य की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। श्री सिन्हा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने जिस 21वीं सदी के भारत का सपना देखा था। हमारी युवाशक्ति आज अपने श्रम, सामर्थ्य और संकल्प से उस सपने को साकार करने में जुटी है। गौरतलब है कि 28 वां राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा उत्सव 2024 का आयोजन राज्य के सभी जिलों में माह-सितम्बर एवं अक्टूबर में कराया गया है। इसके बाद राज्य स्तरीय युवा उत्सव 2024 का आयोजन लखीसराय में 30 नवम्बर, 01 एवं 02 दिसम्बर को कराया गया है, जिसमें जिला स्तरीय युवा उत्सव 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त 1478 प्रतिभागियों की भागीदारी 19 विधाओं में करायी गयी। केंद्रीय स्तर पर 28 वां राष्ट्रीय युवा उत्सव 2025 का आयोजन 11 से 12 जनवरी 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में कराया जा रहा है, जिसमें भाग लेने हेतु राज्यस्तरीय युवा उत्सव 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त 30 प्रतिभागियों का समूह कल दिल्ली रवाना हो रहा है। इसके साथ ही 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 के अंतर्गत विकसित भारत विजन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विभिन्न चरणों में राज्य के प्रतिभागियों का चयन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण और विकास की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ना है।

युवा महोत्सव में 63 प्रतिभागी राज्य का करेंगे प्रतिनिधित्व

पहले स्टेज में निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से 40,486 प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर निबंध प्रस्तुत किए। दूसरे स्टेज में निबंध प्रतियोगिता का मूल्यांकन और चयन बिहार ललित कला अकादमी, पटना में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर द्वारा प्राप्त निबंधों का गहन मूल्यांकन कर के किया गया, और 10 ट्रैक्स में प्रतिभागियों का चयन किया गया। तीसरे स्टेज में विजन पिच प्रेजेंटेशन (राज्य स्तर) दूसरे स्टेज के सफल प्रतिभागियों को भारतीय नृत्य कला मंदिर, पटना में ढढळ के द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। जिसमें 20 सदस्यीय जूरी द्वारा उनका मूल्यांकन किया गया। इस चरण में 33 प्रतिभागियों को चयनित किया गया। चौथे स्टेज में तीसरे स्टेज से चुने गए 33 प्रतिभागी 11 और 12 जनवरी, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत प्रतियोगिता में प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत कर के राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी प्रस्तुत करेंगे। ये प्रतिभागी राज्य को गौरवशाली युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके साथ ही, 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में दोनों समूह को मिला कर कुल 63 प्रतिभागी राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। जो आज दिल्ली के लिए रवाना हुए। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि चयनित प्रतिभागियों को सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाएँ और मार्गदर्शन मिले।

विपक्ष को छात्र हित से कोई लेना देना नहीं : श्रवण

- युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कहीं से उचित नहीं

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राजद के शासनकाल में बिहारी कहलाना अपमान का विषय था लेकिन नीतीश सरकार में स्वाभिमान का विषय बन चुका है। प्रगति यात्रा पर अनर्गल टिप्पणी करने से पहले तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता का शासनकाल को जरूर याद करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना कहीं से भी उचित नहीं है। असल में विपक्ष को छात्र हित से दूर-दूर तक कोई लेनादेना नहीं है, वे केवल अपनी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं। मंत्री उक्त बातें बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कही।

प्रगति यात्रा से सभी जिलों में खुशी का माहौल: जयंत

भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि अगर वो अपने लोगों पर अंकुश लगा लेते हैं तो प्रदेश में होने वाली आपराधिक घटनाएं स्वतः बंद हो जाएगी। बिहार में कानून का राज है और किसी भी अपराधी को कभी बख्शा नहीं जाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान तमाम जिलों को सैकड़ों करोड़ रुपये की सौगात दें रहे हैं, जिससे विकास योजनाओं को गति मिलेगी। प्रगति यात्रा से सभी जिलों में खुशी का माहौल है लेकिन विपक्ष को कभी अच्छे काम नजर नहीं आता है।

2 लाख 50 हजार से अधिक बने विशिष्ट शिक्षक : सुनील

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सक्षमता परीक्षा पास कर 2 लाख 50 हजार से अधिक नियोजित शिक्षक अब विशिष्ट शिक्षक बन गए हैं और शेष के लिए शीघ्र ही ज्त्म्-4 की वैकेंसी निकाली जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानशिक्षकों और प्रधानाध्यापको को भी बहुत जल्द नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा। हमारी सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इससे पहले मंत्रीगण ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुए एवं उनके त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उक्त मौके पर विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधायक ललित नारायण मंडल, वरीय नेता प्रो नवीन आर्य चंद्रवंशी एवं प्रदेश महासचिव अरुण कुशवाहा मौजूद रहे।

सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबां में झांके : मनोज

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने कहा कि बिहार में सत्ता के लिए लालू परिवार ऐसे लार टपका रहा है जैसे उनके सामने कोई स्वादिष्ट व्यंजन हो। अभी लालू यादव के पूरे परिवार में एक मत नही है। लालू यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिझाने में लगे तो, उनकी बहन मीसा भारती लालू जी और नीतीश जी को दोस्ती की दुहाई दे रही है। तेजस्वी यादव ऊपरी मन से विरोध जरूर कर रहे हैं लेकिन, वो ऐन-केन-प्रकारेण सत्ता में आना चाह रहे है। लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास लालू परिवार एक दाल नही गली। उन्होंने दो टूक में जबाब दे दिया कि जो दो बार राजद के साथ गए थे वो जीवन की सबसे बड़ी भूल थी। अब ऐसा कभी नही होगा। श्री शर्मा ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव जी, आपके बारे में एक कहावत है नाम बड़े और दर्शन छोटे। आपकी दर्शन यात्रा भी छोटी दर्शन है। जिले में जाकर, चयनित लोगों से मिलकर, पिकनिक मनाकर निकल जा रहे है।

हम लोग गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटते थे, अब लाठीचार्ज होता है : तेजस्वी

- बोलें-गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन में बिहार अव्वल

प्रात : किरण

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को सत्ताधारी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम लोग गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटते थे। लोगों के चेहरों पर खुशी होती थी। परिवार के लोगों में खुशी होती थी। आज उसी गांधी मैदान में लाठीचार्ज हो रहा है। लोगों की आंखों में आंसू हैं, सिर फटा है, अस्पताल में भर्ती हैं, मुकदमा झेल रहे हैं। कार्यकर्ता दर्शन और संवाद दौरा के क्रम में बक्सर पहुंचे तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हमारी सरकार में कभी भी पेपर लीक नहीं हुआ, हमारी सरकार हटने के बाद ही ऐसा हो रहा है। मैट्रिक परीक्षा से लेकर बीपीएससी की परीक्षा तक पेपर लीक हो रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने महागठबंधन की सरकार में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के राज में शिक्षक समान काम समान वेतन की मांग कर रहे थे तो डंडा खा रहे थे। उनको हमने राज्य कर्मी का दर्जा दिया। सरकार को पता नहीं था कि आईटी पॉलिसी होती है? यह सब हमने शुरू कराया और स्पोर्ट्स के तहत हमने नौकरी दी। राजद नेता ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो माई बहिन मान योजना के तहत महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा। 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। वृद्धा पेंशन और सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आज बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रगति यात्रा पर 2 अरब 25 करोड़ खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे को आगे कर लोग अपनी रोटी सेंक रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एक बरसात में ही सैंकड़ों पुल-पुलिया ढह जाते है। दो दशक से हर प्रकार की परीक्षाएं पेपर लीक और धांधली की भेंट चढ़ाई जा रही है। महंगाई हर घर-हर परिवार को खा रही है। छोटे बड़े व्यवसायों का व्यवसाय बबार्दी के कगार पर है। इनके शासन में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन में बिहार अव्वल है।

ऊर्जा विभाग : कंपनियों के यूट्यूब चैनल की हुई शुरूआत

पटना। ऊर्जा विभाग बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों के आधिकारिक यूट्यूब चैनल की शुरूआत की गई। इस चैनल के माध्यम से बिहार में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी सभी योजनाओं, पहल और आवश्यक जानकारियों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर ऊर्जा सचिव पंकज कुमार पाल ने कहा कि इस यूट्यूब चैनल का उद्देश्य लोगों को बिजली से जुड़ी योजनाओं, सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी सुलभ कराना है। यह प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं और विभाग के बीच बेहतर संवाद का माध्यम बनेगा। श्री पाल ने कहा कि चैनल के माध्यम से मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना, मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना, फीडर सोलराइजेशन, पीएम सूर्यघर योजना, सुविधा ऐप, स्मार्ट प्रीपेड मीटर एवं अन्य उपभोक्ता संबंधित सुविधाओं से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

पटना में तीन पांच सितारा होटलों के निर्माण के लिए टेंडर जारी

निर्माण

- मिल चुकी है राज्य कैबिनेट की स्वीकृति, पीपीपी मोड में होगा निर्माण

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने डेवलपर्स के चयन हेतु ई-निविदा प्रकाशित की

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या और बेहतर औद्योगिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए राजधानी पटना में तीन नए पांच सितारा होटलों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। गत वर्ष सितंबर को इस हेतु राज्य कैबिनेट की स्वीकृति प्रदान की गयी है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटन विभाग की ओर से पटना में होटल पाटलिपुत्र अशोक, बांकीपुर बस स्टैंड एवं सुल्तान पैलेस परिसर की भूमि पर लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड पर तीन 5-स्टार होटलों के निर्माण के लिए डेवलपर्स के चयन हेतु ई-निविदा प्रकाशित कर दी है। निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित डेवलपर्स को 90 वर्षों के लिए लीज अधिकार प्रदान किए जाएंगे, शुरूआती 60 वर्षों के अतिरिक्त 30 और वर्षों के लिए स्वचालित रूप से नवीनीकृत किया जा सकेगा। निविदा के विस्तृत दस्तावेज 7 जनवरी से 10 फरवरी तक पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकते हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2025 है, और तकनीकी बिड 11 फरवरी 2025 को खोली जाएंगी। इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए एक प्री-बिड बैठक 21 जनवरी 2025 को दोपहर 12:30 बजे बीएसटीडीसी कार्यालय, सिख हेरिटेज भवन, दरोगा राय पथ, पटना में आयोजित की गयी है। इच्छुक बिडर्स व्यक्तिगत या ऑनलाइन भाग ले सकते हैं।

तीन नए पाँच सितारा होटलों के निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी देते हुए पर्यटन विभाग द्वारा बताया गया कि राज्य में बेहतर औद्योगिक वातावरण और पर्यटकों की सुविधा हेतु पटना में उच्च स्तरीय होटल के निर्माण की आवश्यकता महसूस हो रही थी, तीन नए पाँच सितारा होटलों का निर्माण किये जाने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि तो होगी ही साथ ही साथ रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। आधुनिक निर्माण के साथ विरासत संरक्षण को भी ध्यान में रखते हुए सुल्तान पैलेस के वर्तमान ऐतिहासिक भवन को संरक्षित रखते हुए उक्त भूमि पर पाँच सितारा हेरिटेज होटल का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही होटल पाटलिपुत्र अशोक एवं बांकीपुर बस स्टैंड परिसर की भूमि पर अवस्थित वर्तमान संरचना/भवन को हटाकर उक्त भूमि पर नए पाँच सितारा होटल का निर्माण किया जाएगा।

होटल पाटलिपुत्र अशोक की 1.50 एकड़ भूमि पर कम से कम 100 कमरों तथा बांकीपुर बस स्टैंड की लगभग 3.24 एकड़ भूमि एवं सुल्तान पैलेस परिसर की 4.89 एकड़ भूमि पर 150-150 कमरों की क्षमता वाले पाँच सितारा होटलों का निर्माण किया जाएगा, साथ ही शेष भू-खण्ड पर चार सितारा होटलों का निर्माण वैकल्पिक रहेगा एवं बाध्यकारी नहीं होगा। इन तीनों पाँच सितारा होटलों के निर्माण हेतु प्रस्तावित तीनों भू-खण्डों का मिश्रित उपयोग अर्थात हॉस्पिटैलिटी सेक्टर और पब्लिक मार्केट हेतु उपयोग में लाया जाएगा।

प्रकाश पर्व 2025: विद्युत विभाग द्वारा श्रद्धालुओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति

पटना। सिक्खों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के 358वें प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई जिसके लिए पेसू टीम ने व्यापक तैयारी की। 15 दिसंबर के बाद से ही संबंधित ग्रिड सब-स्टेशन और पावर सब-स्टेशन का अनुश्रवण और रखरखाव सुनिश्चित किया गया। बाड़े की गली, हरिमंदिर गली, मंगल तालाब, कंगन घाट, गुरु का बाग, पटना साहिब, ओपी साह सामुदायिक भवन जैसे प्रमुख स्थलों पर विद्युत संरचना का विशेष रूप से रखरखाव किया गया। रिंग मेन यूनिट के माध्यम से मंगल तालाब एवं मालसलामी पावर सबस्टेशन और कटरा एवं गायघाट ग्रिड सबस्टेशन से मुख्य और वैकल्पिक विद्युत स्त्रोत उपलब्ध कराए गए। पहली बार सभी संबंधित पीएसएस और अभियंताओं को वॉकी टॉकी से लैस किया गया, जिससे रियल टाइम मॉनिटरिंग में सहायता मिली। मुख्यालय से वरीय पदाधिकारियों ने स्थलों का निरीक्षण कर उचित दिशा-निर्देश दिए। महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता, पेसू क्षेत्र, पटना ने प्रभात फेरी और नगर कीर्तन हेतु स्थानीय अभियंता और अन्य प्रमंडलों से 35 अभियंताओं को तीन शिफ्टों में तैनात किया। अस्थायी कंट्रोल रूम पांच जगहों पर बनाए गए और तकनीकी कर्मचारियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया। गायघाट से हरिमंदिर साहिब गुरुद्वारा तक प्रभात फेरी के दौरान सड़क की सभी क्रॉसिंग की ऊँचाई 20 फीट से अधिक सुनिश्चित की गई। मुख्य कार्यक्रम के दिन राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री के आगमन पर सभी अभियंता पीएसएस और आरएमयू के पास तैनात रहे और अनवरत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई। पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने विभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और स्थानीय अभियंताओं को सम्मानित करने की घोषणा की। संबंधित पावर सबस्टेशन में कटरा, मालसलामी, मंगल तालाब, कर्मलीचक, मीना बाजार, गायघाट एवं श्री गुरु गोबिंद सिंह तथा ग्रिड सबस्टेशन में गायघाट एवं कटरा शामिल हैं। विद्युत विभाग की इस उत्कृष्ट तैयारी से श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की विद्युत समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

ऊर्जा सचिव एवं सीएमडी बीएसपीएचसीएल पंकज कुमार पाल ने अभियंताओं और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रकाश पर्व के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे हमारे अभियंताओं और कर्मचारियों ने बखूबी पूरा किया। उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। मैं पूरी टीम को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूं और भविष्य में भी इसी तरह के समर्पण की अपेक्षा करता हूं।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या : RP/DNR/TRL/SEB, दिनांक : 07.01.2025.
1. कार्य का नाम एवं स्थान : Design, Supply, erection, testing & commissioning of 132KV D/C 3-phase transmission line from GSS Sonenagar (Old) to Railway TSS Sonenagar and associated 02 nos. 132KV Line Bays at GSS Sonenagar (old) under Railway Project Danpaur of East Central Railway. 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹10,97,49,069.15/–, 3. निविदा फार्म की कीमत : ₹0.00/–, 4. आवश्यक बयाना राशि : ₹6,98,800/–, 5. निविदा प्रस्ताव जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय : निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारंभिक तारीख दिनांक : 16.01.2025 निविदा खुलने की तारीख एवं समय : दिनांक 30.01.2025 को 15:00 बजे। 6. बेवसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है : पात्रता मानदडं एवं अन्य शर्ते व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाइट पर देखा जा सकता है। 7. पता एवं अन्य जानकारी : मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/ दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल पोस्ट – खगौल जिला – पटना, पिन–801105

उप मुख्य विद्युत अभियंता / पूमरे/दानापुर

पीआर/01878/आरपी/ईएलईसी/टी/24–25/44

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने मुक्तापुर मोईन का किया निरीक्षण

कल्याणपुर, समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने बुधवार को मुक्तापुर मोईन का पदाधिकारियों की टीम के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुक्तापुर मोईन के जल जीवन हरियाली योजना के तहत पर्यटन स्थल के रूप में किए जा रहे कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिया। साथ ही साफ सफाई के दौरान जलकुंभी को भी साफ करने का निर्देश दिया। वहीं मुख्य सड़क से मोइन की ओर संपर्क पथ का निर्माण करने को कहा। मौके पर एसडीएम अजय तिवारी, जिला उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी, एसडीओ दिलीप कुमार, अंचलाधिकारी शशि रंजन एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद थे।

याद किए गये शंभूशरण ठाकुर

मुजफ्फरपुर ।काँटी विकास संघर्ष समिति ने तत्वाधान में काँटी कुशी बुद्ध महापरिनिर्वाण स्थल पर स्व.प्रो० शंभू शरण ठाकुर का 13 वें पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता पिनाकी झा ने की। शंभू बाबू के तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पण करने के बाद संबोधित करनेवालों में नूतन साहित्यकार परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह चंद्र, स्वराज लाल ठाकुर, राज कुमार,विजय मिश्रा,राणा प्रताप झा, हरिओम झा, ओमप्रकाश झा, तांत्रिक रणधीर झा, सहित अन्य लोग शामिल थे। वहीं, मुजफ्फरपुर ब्रह्मपुर स्थित एक निजी आवासीय परिसर मे विकास परिषद के तत्वाधान में अपने पिता स्वर्गीय प्रो०शंभु शरण ठाकुर के पुत्र हर्षवर्धन ठाकुर की अध्यक्षता में शंभू बाबू की 13वीं पुण्यतिथि मनाई गई। शम्भू नाथ चौबे,अशोक झा, बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता, स्वामी सहजानंद किसान मजदूर के अध्यक्ष शंभू शरण ठाकुर पूर्व सांसद अजय निषाद,बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, डॉक्टर अशोक शर्मा, ममता ठाकुर,सुनील पांडे, विधान पार्षद बंशीधर बृजवासी आदि ने शंभू बाबू के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

32 पोल की विद्युत तार चोरी, थाना में दिया आवेदन

विभूतिपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के किसनपुर टभका चौर से अज्ञात चोरों ने 32 पोल पर लगा विद्युत तार काटकर चोरी कर लिया। मामले को लेकर हसनपुर मंगलगढ़ निवासी सुमित कुमार राय ने स्थानीय थाना में आवेदन दिया है। बताया कि मैं पॉलिकेव कंपनी का कॉन्टैक्टर हूं। किसनपुर टभका चौर में सिंचाई के लिए बिजली से संबंधित पोल तार का कार्य किया जा रहा था। अज्ञात चोरों द्वारा 32 पोल का एचटी तार काटकर चोरी कर लिया गया। जिसकी कीमत लगभग ढाई लाख रुपया है।

पीएम आवास योजना को लेकर बीडीओ ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मधुबनी जयनगर स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण भवन के सभा कक्ष में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार के अध्यक्षता में के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत 2.0 सर्वे से संबंधित विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक क्षेत्र के आवास सहायक पंचायत रोजगार सेवक के साथ किया गया। बैठक में अधोहस्ताक्षरी के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत प्रतीक्षा सूची से जुटे हुए योग्य लाभुको का दिनांक 10/1/25 से सर्वेक्षण होना है। जिसमें सभी सर्वेयर अपने पंचायत के सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेते हुए सर्वे का कार्य पूरा करेंगे। ताकि कोई भी भोग्य लाभूक प्रतिक्षा सुचि से से बंचित न रहे ।बीडीओ के द्वारा उपस्थित कर्मियो को पीएम आवास योजना सम्बंधित कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

घटिया निर्माण को लेकर बीडीओ को आवेदन देकर की शिकायत

विभूतिपुर, प्रखंड क्षेत्र के आलमपुर कोदरिया वार्ड 13 राम नंदन सिंह के पुत्र अमरजीत कुमार सिंह ने घटिया निर्माण कार्य को लेकर बीडीओ को लिखित आवेदन देकर इसकी शिकायत की है। बताया है कि प्राथमिक विद्यालय आलमपुर डीह में छह सीट के शौचालय निर्माण कार्य में घटिया किस्म की सामग्री जैसे ईंट, सीमेंट, कंक्रीट, सरिया लगाया जा रहा है। मानक के अनुसार कार्य नहीं कराया जा रहा है। घटिया निर्माण को रोकने एवं मानक के अनुसार कार्य करवाने की मांग करने पर मुखिया द्वारा धमकी भरे लहजे में कहा गया कि पुलिस, बीडीओ,सीओ सब मेरे जेब में है। जो काम को रोकने के लिए आएगा उसे सरकारी काम में बांधा डालने, रंगदारी मांगने एवं एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा में फंसा कर जेल भिजवा देंगे। वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर मुखिया रामनाथ पासवान ने बताया कि कार्य मानक के अनुरूप किया जा रहा है। अगर आवेदन दिया गया है तो जांच होगी। लगाया गया आरोप गलत है।

11 जनवरी को मुख्यमंत्री दोनार रेल ओवरब्रिज का करेंगे शिलान्यास : संजय सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। आगामी 11 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रस्तावित प्रगति यात्रा को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता, विस में सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह नगर विधायक संजय सरावगी ने बुधवार को सीएम के कार्यक्रम स्थलों का भ्रमण किया। नगर विधायक ने दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड, हराही तालाब, मिथिला शोध संस्थान, दोनार गुमती, कपूरी चौक सहित मुख्यमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम स्थलों का जायजा लिया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए श्री सरावगी ने कहा कि 11 जनवरी का दिन दरभंगा के लिए ऐतिहासिक होगा। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं दोनार आकर 134.67 की लागत से (25 स्पेशल) दोनार रेल ओवरब्रिज एवं इसके पहुंच पथ का शिलान्यास करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर की व्यस्ततम दोनार गुमती पर लगने वाले भीशण जाम से निजात का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। आरओबी चार लेन का होगा। सोनकी, भठियारीसराय, डीएमसीएच एवं दरभंगा स्टेशन की ओर आरओबी के मार्ग बनाए जायेंगे। श्री सरावगी ने कहा कि शिलान्यास को लेकर शहरवासियों में हर्ष व्याप्त है। नगर विधायक श्री सरावगी ने कहा 11 जनवरी एक बड़ा दिन होने वाला है। इस दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दरभंगा को कई ऐतिहासिक सौगाते देंगे। बड़ी संख्या में योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड, हराही तालाब, मिथिला शोध संस्थान, कपूरी चौक पर विकासात्मक योजनाओं का जायजा लेंगे। वहीं समाहरणालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक निर्धारित है। श्री सरावगी ने बताया कि गत सप्ताह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के दौरान उन्होंने शहर को भीषण जाम से निजात दिलाने, 92 करोड़ की लागत से दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड के जीर्णोद्धार एवं हराही, दिग्घी एवं गंगासागर तालाब के सौंदर्यीकरण, दरभंगा से लहेरियासराय फ्लाईओवर सहित शहर की कई महत्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति देने का आग्रह किया था।

जेल से जमानत पर बाहर निकल कर बड़ी घटना की फिराक में था कुख्यात, हुआ गिरफ्तार

गिरोह को कर रहा था मजबूत, एक पिस्टल व पांच गोली बरामद

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन थाना पुलिस ने बिहार एसटीएफ के सहयोग से एक कुख्यात अपराधी को बीते सात जनवरी की रात सरायरंजन थाना क्षेत्र के खेतापुर धर्मपुर स्थित उसके घर के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान विरेन सदा उर्फ विरेन्द्र सदा के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध जिला सहित राज्य के विभिन्न थानों में लगभग 25 आपराधिक मामले पूर्व से दर्ज हैं। वैशाली जिले के जन्दाहा, गंगा ब्रिज व विदुपुर थाना एवं बेगूसराय जिले के मंसूरचक तथा जिले के उजियारपुर, दलसिंहसराय, बंगरा, ताजपुर, रोसड़ा, अंगारघाट व सरायरंजन थाना में उसके विरुद्ध पूर्व से कई मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध राज्य के अन्य जिलों में दर्ज मामलों के संबंध में पुलिस जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने उसके पास से मैगजीन सहित एक पिस्टल, एक खाली मैगजीन, पांच गोली व एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इस संबंध सदर एसडीपीओ-1 कार्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए एएसपी सह सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि विरेन सदा उर्फ विरेन्द्र सदा अभी कुछ ही महीने पहले जेल से जमानत पर छूट कर बाहर निकला था। वह कुख्यात अपराधी विकाश झा के साथ संपर्क में था। वह किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में था और अपने संगठन को मजबूत कर रहा था। छापेमारी की कार्रवाई के दौरान उसने भागने का प्रयास किया था। हालांकि उसे खदेड़ कर पकड़ लिया गया। उन्होंने कहा कि सरायरंजन थानाध्यक्ष एवं उनकी टीम को पुरस्कृत करने को लेकर अनुशंसा की जा रही है। छापेमारी टीम में सरायरंजन थानाध्यक्ष प्रताप कुमार सिंह, एएसआई धनंजय कुमार, सिपाही छोटेलाल कुमार, पवन कुमार व बिहार एसटीएफ की टीम शामिल थी।

युवा राजद के महासचिव अशोक यादव ने 400 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का किया वितरण

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समाज सेवा की एक मिसाल पेश करते हुए जिला युवा राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव अशोक यादव ने मोहनपुर वार्ड 39 स्थित अपने आवास पर बुधवार को अपने निजी कोष से 400 से अधिक जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। बता दें कि इससे कड़ाके की ठंड में गरीब व जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिली है। इस कंबल वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय क्षेत्र के लोग मौजूद थे। इस दौरान अशोक यादव ने कहा कि समाज सेवा उनका कर्तव्य है और ठंड के इस मौसम में जरूरतमंदों की मदद करना उनका नैतिक दायित्व है। वह आगे भी इसी तरह जनसेवा से जुड़े कार्य करते रहेंगे। अशोक यादव ने कहा कि वे भविष्य में भी गरीबों और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करते रहेंगे। इस कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान संतोष राय, रिज्जू खान, विमलेश राय, पप्पू, रिक्कू, उपेंद्र महतो, एजाजुर रहमान उर्फ बच्चु, अरसद इमाम उर्फ मोना भाई सहित कई अन्य मौजूद थे। सभी ने इस आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि अशोक यादव ने समाज सेवा की एक मिसाल पेश की है। वहीं कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली और लोगों ने उनके इस कार्य की सराहना की।

डीआईजी के समक्ष धरना-प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। व्यवसायी संघ, सरैया के सचिव नन्हक साह पर जानलेवा हमला करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने और नन्हक साह एवं उनके पुत्र निशांत कुमार पर किए गये रंगदारी का झूठा मुकदमा को रद्द किए जाने की मांग को लेकर आज व्यवसायी संघ, सरैया की ओर से शहीद खुदीराम बोस स्मारक स्थल से जुलूस निकालकर पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया गया एवं समाहरणालय परिसर में धरना दिया गया तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक महोदय को मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र के माध्यम से कहा गया कि विगत 5 दिसंबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सरैया की चहारदीवारी एवं शौचालय तोड़कर उसकी जमीन पर कब्जा करने वाले भू-माफियाओं और उनके गुन्डों ने व्यवसायी संघ, सरैया के सचिव नन्हक शाह पर जानलेवा हमला किया और उल्टे उन पर एवं उनके पुत्र निशांत कुमार पर रंगदारी मांगने का झूठा मुकदमा कर दिया। यह सब इसलिए किया गया कि लोगों में भय पैदा किया जा सके और नन्हक साह को अस्पताल की जमीन बचाने की लड़ाई से अलग किया जा सके। पुलिस उपमहानिरीक्षक महोदय ने अपने स्तर से जांच कर न्यायोचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। धरना के अध्यक्षता व्यवसायी संघ, सरैया के अध्यक्ष शशिकांत साह ने किया तथा उपस्थित लोगों को संबोधित करने वालों में उपाध्यक्ष उमेश राय,अजय गुप्ता, राजकिशोर राय, डॉ जमील अहमद, अशोक कुमार, वीरेंद्र राय , गंगा साह, सुरेंद्र साह, अनमोल कुमार, हरदेव राम, सुकिंदर राम, मुकेश चौधरी ,पप्पू जी, प्रमोद साह इत्यादि थे।

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह सिकंदरपुर स्टेडियम में तैयारियों को लेकर डीएम ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।गणतंत्र दिवस के सफल एवं सुचारु आयोजन सुनिश्चित करने हेतु जिला पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक की गई। गणतंत्र दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु विभिन्न कार्यों के ससमय संपादन एवं तैयारी के लिए अलग-अलग टीम का गठन कर दायित्व का निर्धारण किया गया है तथा ससमय सभी कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह सिकंदरपुर स्टेडियम में आयोजित होगा जहां झंडोत्तोलन ,परेड एवं झांकी का कार्यक्रम निर्धारित है। सरकार की विकासात्मक एवं जन कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा झांकी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके लिए पंचायती राज विभाग, उत्पाद विभाग ,आईसीडीएस, जीविका, शिक्षा ,स्वास्थ्य ,कृषि, एवं पुलिस विभाग को झांकी की ससमय तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सरकारी मानदंड के अनुरूप झांकी की तैयारी एवं मॉनिटरिंग करने के लिए उप विकास आयुक्त एवं डायरेक्टर डीआरडीए को निदेशित किया गया। 18 जनवरी से 23 जनवरी तक परेड की तैयारी की जाएगी तथा 24 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल का कार्यक्रम निर्धारित है। पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय को परेड संबंधी सभी तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। संध्या बेला में 3:30 बजे से 5:30 बजे तक नगर भवन में स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसकी समुचित तैयारी करने का दायित्व जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं कला संस्कृति पदाधिकारी को दिया गया।

इस अवसर पर विधि व्यवस्था संधारित रखने तथा यातायात , पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग को रंग रोगन, बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने तथा सिविल सर्जन को मेडिकल टीम की तैनाती करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार, जिला बंदोबस्त पदाधिकारी फिरोज अख्तर, सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अजय कुमार सिंह सहित कई अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

कमला तटबंधो के किनारे वर्षो से बसे भूमिहीन परिवारों को उजाड़ने से पहले बसाने की मांग : भाकपा माले

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर कोरहिया कमला तटबंधो के किनारे वर्षो से बसे सैकड़ो भूमिहीन महादलित परिवारों को उजाड़ने से पहले बसेरा योजना2 के तहत बसाने की मांग को लेकर जयनगर में भूमिहीन पीड़ित रामू पासवान के अध्यक्षता में कमला तटबंधो पर बसे भूमिहीन महादलित परिवारों के आंदोलन से जुड़े कार्यकताओं की बैठक आयोजित किया गया जो देर संध्या में संपन्न हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा- माले के प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने कहा कि नितीश कुमार बिहार में दिखावा के लिए प्रगति यात्रा कर रहे है तो दुसरी ओर महादलित भूमिहीन परिवारो के झोपड़ी के उपर विना वैकल्पिक व्यवस्था के ही बुलडोजर चलाया जा रहा है और अधिकार मांगने बालो आंदोलनकारियों के उपर लाठी - गोली चलाने वाली दमनकारी सरकार बन चुका है। मधुबनी जिला के अंतर्गत जयनगर कोरहिया कमला तटबंधों के किनारे 50 वर्षो से बसे सैकड़ों महादलित अल्पसंख्यक भूमिहीन परिवारो को उजाड़ने से पहले बसाने की मांगो को लेकर कई महिनो से संवैधानिक तरीके से पीड़ित महादलित परिवारों के द्वारा भाकपा-माले के नेतृत्व मे लगातार जनांदोलन के माध्यम से अंचलाधिकारी जयनगर अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर एवं जिलाधिकारी मधुबनी से मांग की गई है और अंचलाधिकारी जयनगर को सैकड़ों महादलित भूमिहीन परिवारों का सूची के साथ- साथ दर्जनों एकड़ सरकारी भूमि की खाता- खेसरा एवं रकबा के साथ आंदोलन के माध्यम से मांग पत्र समर्पित किया गया है. और जयनगर अंचल के अभिलेख संख्या1 उसराही देवधा एवं अभिलेख संख्या4 मे में कुआढ़ मौजा मे दर्जनों महादलित परिवारों को भूमि कि पर्चा वर्ष 2004-2005 में दिया गया है लेकिन अभी तक पचार्धारियों का भूमि पर दखल कब्जा नहीं दिलाया गया तो दुसरी ओर प्रसाशन के सहयोग से अवैध भूस्वामीयों के द्वारा पर्चा वाली कि खरीद-विक्री के साथ साथ अवैध निर्माण भी किया जा रहा है लेकिन स्थानीय प्रसाशन भूमिहीन महादलित परिवारों को बसेरा योजना-2 के तहत भूमि देकर बसाने के बदले भूमिहीन महादलित परिवारो के झोपड़ी के उपर कड़ाके की ठंडी में बुलडोजर चला रही है तो दूसरी ओर बिहार के चर्चित पुल गिरने वाली घटना के मुख्य जिम्मेवार मातेश्वरी कंस्ट्रक्शन कंपनी को ब्लैक लिस्टेड बिहार सरकार के अधिकारियों के द्वारा घोषित करने के बावजूद पुनः उसी कंस्ट्रक्शन कंपनी के संवेदक से ही कमला तटबंधो पर सड़क निर्माण कराने कि नितीश सरकार की इस दोहरी नितीयों की भाकपा- माले तिब्र निन्दा करती है और खजौली के सुक्की गांव में आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री नितीश कुमार के प्रगति यात्रा में सैकड़ों भूमिहीन महादलित परिवारों के द्वारा उजाड़ने से पहले बसेरा योजना-2 के तहत भूमिहीन महादलित परिवारों को बसाने की मांग करेगी । इसके लिए कल भूमि अधिकार आंदोलन से जुड़े कोरहिया डोरवार देवधा दक्षिणी बेल्ही दक्षिणी सहित अन्य पंचायतो में आमसभा आयोजित करते हुए मांग पत्र जिलाधिकारी मधुबनी के नाम समर्पित किया जाएगा। बैठक में मुख्य जागेश्वर राम शौकत अली नथुनी पासवान तेतर राम विन्देश्वर राम रामहृदय यादव अख्तर मियां उरदयाल राम के अलावे अन्य लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में भारतीय समुदाय विशेषकर मिथिला क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी निवासी नाइजीरिया में लिट्टी चोखा फूड फेस्टिवल आयोजित भारतीय संस्कृति की विदेश में दिखाई झलक भारतीय संस्कृति की विदेश में दिखाई झलक भोजपुरी परिवार ग्लोबल फाउंडेशन की देखरेख में नाइजीरिया में लिट्टी-चोखा फूड फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया गया। इस फेस्टिवल में बिहार के पारंपरिक व्यंजन लिट्टी-चोखा ने लोगो का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में भारतीय समुदाय विशेषकर मिथिला क्षेत्र के लोगो ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपने देश की संस्कृति और स्वाद का आनंद लिया। लिट्टी-चोखाः बिहार की पहचान फाउंडेशन के जनरल सेक्रेटरी और मधुबनी निवासी संजय कुमार झा ने कहा लिट्टी-चोखा सिर्फ एक व्यंजन नही बल्कि बिहार की संस्कृति और पहचान का प्रतीक है ।उन्होंने यह भी बताया कि नाइजीरिया में इस व्यंजन ने भारतीय और विदेशी दोनों लोगो को आकर्षित किया है। यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है ।प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति कार्यक्रम में भोजपुरी परिवार ग्लोबल फाउंडेशन के चेयरमैन अमरेंद्र सिंहा प्रेसिडेट विकाश चंद्रा दास और अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। प्रेसिडेंट विकाश चंद्रा ने फेस्टिवल की सराहना करते हुए कहा लिट्टी-चोखा न केवल बिहार का पारंपरिक व्यंजन है, बल्कि इसे विदेशो में भी लोग पसंद कर रहे है। भारतीय संस्कृति की झलक फूड फेस्टिवल के साथ भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पूरे स्थल को तिरंगे की थीम से सजाया गया था। इस मौके पर गरमा-गरम जलेबी और शानदार गुलाब जामुन ने भी लोगो का दिल जीता ।समर्पित टीम और प्रायोजको को धन्यवाद कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रायोजकों का विशेष धन्यवाद दिया गया। गरमा गरम जलेबी के लिए बीर सिंह नेगी और गुलाब जामुन के लिए नजम जैदी और उनके परिवार का आभार प्रकट किया गया ।लिट्टी-चोखा का वैश्विक सफर बिहार का यह पारंपरिक व्यंजन अब न केवल देश बल्कि विदेशो में भी अपनी पहचान बना रहा है। फूड फेस्टिवल के माध्यम से नाइजीरिया में भारतीय समुदाय को अपने देश की संस्कृति से जुड़ने का मौका मिला।

कालबद्ध प्रोन्नति को लेकर डीएम से मिले नियोजित शिक्षक संघ के प्रतिनिधि

प्रात : किरण संवाददाता

बिरौल(दरभंगा)। बिहार शिक्षक एकता मंच दरभंगा के तत्वाधान में एक शिष्टमंडल संयोजक शंभू यादव के नेतृत्व में डीएम राजीव रौशन से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें नियोजित शिक्षकों के 12 साल के सेवा के उपरांत कालबद्ध प्रोन्नति की बात कही गई। डीएम ने तत्कालीन अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार के द्वारा निर्गत पत्र 1115 दिनांक 15/05/2022, नियोजित शिक्षकों का कार्यरत नियमावली 2020 का अवलोकन करने के साथ साथ अन्य जिला के द्वारा निर्गत पत्र का भी अवलोकन किये। अवलोकन के उपरांत उन्होंने तत्क्षण जिला शिक्षा पदाधिकारी दरभंगा को दूरभाष पर निर्देश दिए कि यदि शिक्षकों की मांग जायज है और अन्य जिला में भी जिला शिक्षा पदाधिकारी ने पत्र निर्गत किया है तो दरभंगा में भी अविलंब आप पत्र निर्गत करें। शिष्टमंडल में शिक्षक संघ बिहार के जिलाध्यक्ष सौरभ कुमार सिंह, बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार झा एवं शिक्षक संघ बिहार के महासचिव विजय कुमार मंडल उपस्थित थे।

बेनीपट्टी न्याय कर्मियों ने बिहार सरकार के सकरण आदेश पत्र की प्रति जलाकर खोला मोर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी बेनीपट्टी व्यवहार न्यायालय के न्याय कर्मियों के द्वारा व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के अव्हान पर न्याय कर्मियों ने बिहार सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक समाप्ति के बाद न्याय कर्मियो के द्वारा वेतन विसंगति कर्मचारियो की पदोन्नति शत प्रतिशत अनुकंपा पर बहाली का अधिकार देने व्यवहार न्यायालय के कर्मचारियो को न्यायिक केंडर प्रदान करने के साथ कर्मचारियों की हित से जुड़े अन्य मांगों को लेकर सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। इस दौरान न्यायालय परिसर मे बिहार सरकार द्वारा जारी सकारण आदेश पत्र की प्रति भी जलाई गई। न्याय कर्मियों ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा जारी सकारण पत्र न केवल कोर्ट कर्मियों के जीवन के अधिकार को समाप्त कर रहा है बल्कि यह पत्र सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के आदेश का खुल्लम-खुल्ला अवमानना कर रहा है। व्यवहार न्यायालय संघ के आवाहन पर सभी न्यायकर्मी 16 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं हड़ताल के समय सभी न्यायकर्मी कोई भी कार्य नही करेंगे इस कार्यक्रम मेंकोर्ट बड़ा बाबू राजकुमार गुप्ता, नजीर अशोक कुमार ठाकुर, शैलेन्द्र कुमार कुन्दन कुमार बैठा,अर्जुन कुमार साहू,पवन कुमार साह,सुमित कुमार,राजेश कुमार,शंकर कुमार,रविन्द्र कुमार,खुश हाल कुमार,अविनाश कुमार,सुकेश कुमार विश्वकर्मा,पवन कुमार, प्रभात कुमार झा, बिजेंद्र कुमार मिश्रा, सरोज कुमार मिश्रा, विजय कुमार, हर्ष कुमार, श्याम सुंदर मंडल, श्याम सुंदर मंडल,राम विनोद ठाकुर, ललित नरायण, अजित कुमार के साथ अन्य न्याय कर्मी उपस्थित थे।

प्रो.जगदीश प्रसाद यादव को मिला दायित्व, बने भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के बिहार प्रदेश अध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी पत्रकारों और साहित्यकारों के बड़े और सक्रिय संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ रजत जयंती वर्ष में है और इस दौरान संगठन की ओर से बड़ी घोषणा की गई है। संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने प्रो. जगदीश प्रसाद यादव को संगठन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है और यह संगठन के मधुबनी जिला इकाई सहित मधुबनी जिले की पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में प्रसन्नता की बात है। उनको इस पद का दायित्व दिये जाने से संगठन से जुड़े सदस्यों और अन्य पत्रकारों, साहित्यकारों और अन्य बुद्धिजीवियों ने बधाई दी है ।प्रो. जगदीश प्रसाद यादव पत्रकारिता में अपने शुरूआती दिनों से इस संगठन से जुड़े रहे हैं और संगठन को मधुबनी जिला में स्थापित करने वाले रहे हैं। वे संगठन में कई दायित्वो को सम्भाल चुके है और मधुबनी जिला अध्यक्ष दरभंगा प्रमंडल अध्यक्ष रहने के बाद संगठन में राष्ट्रीय प्रकाशन सचिव रहे है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष के रूप में संगठन की प्रदेश में कमान संभालने से पहले तक वे राष्ट्रीय प्रकाशन सचिव का दायित्व निभा रहे थे। वे 2014 में संगठन से जुड़ने और मधुबनी में स्थापित करने के बाद निरंतर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। इस संगठन ने मधुबनी जिला और जयनगर में दर्जनों पत्रकारों को पत्रकारिता में पहचान देने और स्थापित करने का कार्य किया है ।प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने इस पद को धारण करने के बाद बिहार में संगठन को मजबूत करने और पत्रकारों को सहयोग करने की बात कही है।

संचार मंत्री सिंधिया दरभंगा में कई सेवाओं का करेंगे उद्घाटन : डॉ गोपाल जी ठाकुर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।देश स्तर के चुनिंदा जिला में दरभंगा भी शामिल है जहां पीएम शक्ति गति योजना से संचार सेवा को बेहतर बनाने की पहल की जा रही है यही कारण है कि बिहार में दरभंगा एक उदाहरण है जहां एक भी गांव ऐसा नहीं है जो मोबाइल नेटवर्क वंचित हो। सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने भारत संचार निगम एयरटेल जियो वोडाफोन आइडिया सहित अन्य सभी संचार सेवा के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक में निर्देश देते हुए उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर ने जिले में काम कर रही संचार सेवा के अधिकारियों के साथ एक एक बिंदु पर चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी पीएम शक्ति गति योजना के माध्यम से बिजली के पोल, बड़े मकान ओवरब्रिज बड़े होल्डिंग पानी टंकी आदि के माध्यम से नेटवर्किंग जोड़ा जाय ताकि सरकार को आर्थिक बचत भी हो और नेटवर्क भी बेहतर काम करे। भारत संचार निगम के विभाग के बिहार के निदेशक आर आर यादव ने सांसद डा ठाकुर को जानकारी देते हुए बताया कि बीएसएनएल के जिले में एक सौ नए टावर लगाने की औपचारिकता पूरी की जा रही है तथा जिले में काम कर रही एक सौ टावर को 4ॠसे 5ॠमें उन्नयन किया जा रहा है। निदेशक श्री यादव ने बैठक में सांसद को बताया कि इस वर्ष मार्च तक एक सौ आठ बीटीएस टावर लगाने का लक्ष्य है जिसमें एक सौ सात टावर का इंस्टॉलेशन किया जा रहा है जबकि उन्नीस टावर स्वीकृत किए जा चुके हैं।

बहेड़ा पीएचसी में शीघ्र होगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का निर्माण : विनय चौधरी

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा) ।बहेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में 30 बेड का नए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है ।बुधवार को स्थानीय विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी ने बीएमआईसीएल के अभियंताओं के साथ स्वास्थ्य केंद्र परिसर पहुंचकर विस्तृत जायजा लिया ।इस दौरान बीएमआईसीएल के उप महाप्रबंधक योगेंद्र कुमार ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भव्य भवन का निर्माण मकर संक्रांति के बाद प्रारंभ कर दिया जाएगा ।जिसके लिए सभी औपचारिकताए पूरा कर ली गई है ।काम की जिम्मेवारी माधव कंस्ट्रक्शन दरभंगा को दी गई है और उन्हें विभाग के निदेशानुसार भवन का भव्य रूप देना है ।जिसके लिए तीन मंजिलें इस भवन के लिए सरकार द्वारा आठ करोड उन्तीस लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है ।जो की निविदा के पश्चात माधव कंस्ट्रक्शन के साथ एकरारनामा कर ली गई है ।जिसका निर्माण कार्य मकर संक्रांति के बाद प्रारंभ कर दी जाएगी ।इस दौरान विधायक श्री चौधरी ने अभियंताओं के साथ भवन निर्माण स्थल का विस्तृत जायजा लिया ।जिसमें उन्हें अभियंताओं द्वारा बताया गया कि180 फीट लंबी एवं 98 फीट चौड़े भवन का निर्माण किया जाएगा ।इसके दोनों बगल से पीछे जाने के लिए बीस एवं पच्चीस फीट चौड़ी रास्ता का प्रावधान किया गया है और इसके निर्माण के लिए एक साल का समय निर्धारित की गई है ।लेकिन विधायक श्री चौधरी ने इसे सुधार करते हुए अभियंता एवं संवेदक को निर्देशित करते हुए कहा कि भवन के निर्माण में गुणवत्ता के साथ तो कोई समझौता किया ही नहीं जा सकता है ।साथ ही भवन का निर्माण1 वर्ष के बजाय 9 माह में संपन्न कराना सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्य समय सीमा के अंदर पूरा किया जाना आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

राजमिस्त्री सहित तीन लोगों के साथ हुई मारपीट, अस्पताल में हुआ इलाज

जमुई [झाझा] एक राजमिस्त्री उसके बेटे और उसके सहयोगी मजदूर के साथ थानाक्षेत्र के एकडारा चौक के पास मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। मारपीट में घायल की पहचान मोहन पासवान, उसका बेटा दीपक कुमार और सहयोगी मजदूर पिंटु मांझी के रूप में हुई है। सभी घायल बुधवार को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल पहुँचा जहां सभी घायलों का डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया। घायल मोहन पासवान ने बताया कि केशोपुर शिव मंदिर में काम करके अपने घर जाने के लिए एकडारा चौक पहुंचे और अपने मजदूरों के बीच मजदूरी का रुपए वितरण कर रहा था और उसी जगह झगड़ा हो रहा था तभी रविन्द्र कुमार एवं अन्य 7-8 लोग मुझे गाली गलौज कर वहां से भगाने लगा जिसका विरोध किया तो उक्त लोग लोहे के रॉड से मुझपर पर वार कर मुझे घायल कर दिया और फिर पत्थर चलाकर मेरे बेटे और सहयोगी मजदूर को भी घायल लर दिया। मारपीट करने के बाद रविन्द्र ने मेरे पॉकेट से 700 रुपए और मोबाइल भी छीन लिया।

नगर परिषद के वार्ड सदस्यों के बीच विकास कार्यों को लेकर हुई बैठक

● ट्रैफिक व्यवस्था एवं अन्य कई बिंदुओ पर हुई चर्चा

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को झाझा नगर क्षेत्र के विकास कार्यो सहित पिछले बैठक में किये गए निर्णय एवं अन्य कई बिंदुओ को लेकर नगर क्षेत्र के वन क्षेत्र में बने बिहार दलित विकास मिशन कार्यालय परिसर में नप कार्यालय की ओर से एक सामान्य बोर्ड की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता नप के मुख्य पार्षद संजय यादव ने किया। बैठक में अलग अलग वार्ड के द्वारा जो भी प्रस्ताव लाया गया उसे उपस्थित लोगों के बीच लिखा गया ताकि उन बिंदुओ पर पहल करते हुए बजट पास किया जाए। इसके अलावे मुख्य पार्षद ने बताया कि बैठक में यह भी चर्चा हुआ कि स्व. शिवनंदन झा टाउन हॉल का जीर्णोद्धार किया जाएगा, ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर बुद्धिजीवी, थानाध्यक्ष के साथ बैठक की जाएगी, दुकानदार को अपने दुकान के सामने एक डस्टबीन रखने पर भी चर्चा की गई इसके अलावे नप कार्यालय के केपीएस मुंशी मंटु को फर्जी हस्ताक्षर पर बहाल किये जाने पर 13 सदस्यीय कमेटी के द्वारा बर्खास्त करने , मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना नलजल योजना में सही रूप से कार्य नही करनेपर दोनो को ब्लैक लिस्ट की अनुशंसा भी हुई है। बैठक में वार्ड में कम्बल वितरण करना, वार्ड में नाला का निर्माण, साफ सफाई, ट्रैफिक व्यवस्था एवं अन्य कई बिंदुओ पर चर्चा की। बैठक में सबसे पहले बीते बैठक की संवीक्षा की गई और उसके बाद नगर क्षेत्र में सही रूप से साफ सफाई नही होने पर स्वच्छता एवं अवशिष्ट पदाधिकारी मोनिका कुमारी पर मुख्य पार्षद एवं अन्य लोगों ने नाराजगी जताई और स्वच्छता एवं अवशिष्ट पदाधिकारी को अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। मुख्य पार्षद ने कहा कि शहर में अगर सफाई सही रूप से नही होती है तो नगर वासी जनप्रतिनिधियों को ही इसकी शिकायत करते है। बैठक में उप मुख्य पार्षद विपिन साव, ईओ डॉ. जनार्दन वर्मा भी मोजू रहे। बैठक में वार्ड सदस्यों ने अपने अपने वार्ड में विकास से जुड़ी कई बिंदुओ को बैठक में रखा। इसके अलावे बैठक में अन्य कई तरह के मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के संदर्भ में मुख्य पार्षद ने बताया कि बीते बैठक में जिन बिंदुओ पर चर्चा हुई थी उसपर संवीक्षा की गई। नगर क्षेत्र में विकास हो उसके लिए कई प्रस्ताव पारित हुए जिसमे टैक्स स्वयं कर, चरघरा में नाली का निर्माण, बीते दस दिन से बढ़ती ठंड को देखते हुए अलाव की हुई व्यवस्था आदि पर सभी बोर्ड के सदस्य सन्तुष्ट हुए इसके अलावे कचरा संग्रह भी बनाया जाएगा ताकि उन कचरों से खाद्य तैयार की जा सके। बैठक में वार्ड पार्षद डोली देवी, मीरा सिन्हा , विपुल झा, विकास शर्मा, रंजन अकेला, अजय पासवान, सुनील यादव, दिनेश कुमार एवं अन्य वार्ड सदस्य मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने अपर किऊल गरही जलाशय का निरीक्षण किया

मत्स्य उत्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के द्वारा बुधवार 08 जनवरी को खैरा प्रखंड के गरही पंचायत का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के क्रम मे अपर किउल गरही जलाशय में मत्स्य विभाग द्वारा सात निश्चय पार्ट -2 द्वारा संचालित जलाशय मात्स्यिकी विकास योजना अंतर्गत अधिष्ठापित केज एवं मत्स्य अंगूलिकाओं का संचयन के सम्बन्ध में उपस्थित जिला मत्स्य पदाधिकारी राजेश कुमार पंडित को आवश्यक निदेश दिया गया ताकि जलाशय में मात्स्यिकी उत्पादन एवं उत्पादकता मे वृद्धि की जा सकें ताकि जिले को ताजी मछली के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकें।जिलाधिकारी महोदया द्वारा पृछा के क्रम में जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा बताया गया की जल्द ही गरही जलाशय में आधुनिक पेन अधिष्ठापित कर कतला, रोहू एवं मृगल जैसे भारतीय मेजर कार्प मछलियों का खुली जलाशय में नियंत्रित स्थिति में उत्पादन किया जायेगा।

कुएं मे डुबने से 13 वर्षिय युवक की मौत

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई / सोनो : आदर्श ग्राम दहियारी मे कुएं में डुबने से एक युवक की मौत हो गई है । मृतक दहियारी गाँव निवासी बिसुनदेव मंडल का 13 वर्षिय पुत्र हिमांशु मंडल के रूप में की गई है । बताया गया है कि हिमांशु मंडल अपने पिता के साथ शौच करने बहियार की तरफ गया था, जहाँ पर मौजूद एक कच्चे कुएं में फीसलकर गीर गया और उसकी मौत हो गई । अपने पुत्र को कुएं में गिरता देख मृतक के पिता बिसुनदेव मंडल ने हो हल्ला कर ग्रामीणों को बुलाया ओर ग्रामीणों की मदद से ऊक्त बच्चे को कुएं से बाहर निकाला गया , लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी ।

9 अस्थलों पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा अग्निशमन यंत्र

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को रेफरल अस्पताल के जर्जर भवन टूटने के बाद अस्पताल परिसर में बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संचालित हो रहे स्वास्थ्य सुविधा को देखते हुए अग्निशम यंत्र लगाया गया। छोटे से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संचालित हो रहे स्वास्थ्य सुविधा के दौरान ओपीडी,एक्स रे, प्रसव कक्ष आदि छोटे छोटे कमरों में संचालित हो रहा है इस दौरान किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना शार्ट सर्किट एवं अन्य किसी तरह से आग की घटना न हो जाये इसके लिए जगह जगह अग्निशमन यंत्र को लगाया गया है। अस्पताल प्रबन्धक नवनीत कुमार ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फिलहाल मुश्किलो के बीच स्वास्थ्य सुविधा संचालित किया जा रहा है और किसी तरह की कोई घटना न हो इसके लिए अस्पताल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 9 स्थलों पर अग्निशम यंत्र लगाया गया है।

राजद के सदस्यता अभियान को लेकर तारापुर में हुई समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजद प्रदेश कार्यालय के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को लेकर बुधवार को तारापुर विधानसभा क्षेत्र के रणगांव स्थित धर्मशाला में मुख्य अतिथि मुंगेर जिला प्रभारी मुजफ्फर हुसैन की मौजूदगी में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । गौरतलब है कि बैठक में असरगंज तारापुर संग्रामपुर टेटिया बंबर एवं हवेली खड़गपुर के सभी प्रखंड एवं पंचायत अध्यक्ष से जिला प्रभारी ने बारी-बारी से पंचायत वाइज कितना रसीद आपके द्वारा प्राप्त किया गया और उसमें कितनी रसीदें सदस्य बनाए जाने को लेकर काटा गया इसकी जानकारी विस्तार पूर्वक जाना । कार्यक्रम में सभी प्रखंड एवं पंचायत अध्यक्षों को निर्देश दिया गया की 14 जनवरी के पहले प्राप्त किए गए रशीद को गांव-गांव जाकर संगठन की मजबूती के लिए काटना सुनिश्चित करें । बताया गया कि पार्टी हित में संगठन के कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं । आगे यह भी बताया गया कि जिस प्रखंड में सदस्यता अभियान की गति काफी धीमी है वैसे प्रखंड में पार्टी के वरीय पदाधिकारी खुद पहुंचकर प्रतिपक्ष के नेता सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के अभियान राज्य में गिरती कानून व्यवस्था के खिलाफ पढ़ाई ,दवाई ,कमाई ,सिंचाई, एवं सुनवाई की सरकार राज्य में स्थापित हो के सपनों को सब लोग मिलजुल कर साकार करने का काम सुनिश्चित करें । इधर राजद के जिला अध्यक्ष त्रिलोकी नाथ शर्मा ने भी कार्यकताओं को 2025 के विधानसभा चुनाव में राज्य से एनडीए की सरकार को उखाड़ कर फेंक देने का आह्वान कार्यकताओं से किया । तो वहीं इसके पूर्व राजद के प्रदेश सचिव जितेंद्र कुशवाहा ने मुख्य अतिथि को बूके माला एवं चादर भेंट कर उनका जोरदार तरीके से स्वागत करते हुए कहा कि नए साल में सोच बदलो सितारे बदल जाएंगे नजर बदलो नजारे बदल जाएंगे कशितयां बदलने से कुछ नहीं होता दिशाओं को बदलो सरकार बदल जाएंगे । बैठक के मौके पर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण साह , वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र सिंह विजय यादव सुनील सिंह मोहम्मद भोलू पप्पू यादव शत्रुघन यादव एवं नीतीश कुमार निराला सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे ।

शिक्षिका रुपरेखा कुमारी राष्ट्र गौरव सम्मान 2025 से हुईं सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। प्रखंड मुख्यालय स्थित मध्य विद्यालय कुसमार संग्रामपुर में कार्यरत शिक्षिका रुपरेखा कुमारी को राष्ट्र गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें एक गूंज सेवा समिति उत्तर प्रदेश द्वारा जय नारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज बरेली में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मिला। यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान एवं नित्य नए नवाचारों के प्रयोग के लिए संस्था के अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार, मुख्य अतिथि विधानपार्षद कुंवर महाराज सिंह, इंजी. ए के सिंह, डॉ रवि शरण सिंह चौहान और राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पांडे के संयुक्त हाथों से शॉल ओढ़ाकर मोमेंटो , प्रमाण पत्र एवं स्टेशनरी देकर किया गया। बता दें कि इस कार्यक्रम में शिक्षिका रुपरेखा कुमारी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षिका रुपरेखा कुमारी को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाइयां मिल रहीं हैं।

कासिम बाजार थाना के हिरासत में हुए मौत की हो न्यायिक जांच : पप्पू

● राज्यपाल मुख्य न्यायाधीश एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिख सपाध्यक्ष ने की जांच की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। तीन जनवरी को कासिम बाजार थाना के हिरासत में हुए मौत को लेकर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने बिहार के राज्यपाल मुख्य न्यायाधीश एवं सीएम को पत्र लिख कर न्यायिक जांच की मांग की है। सपाध्यक्ष ने राज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है की बिहार में बीस साल से सत्ता पर काबज रहने वाले विकास पुरुष नीतीश कुमार जो यह कहते नहीं अघाते हैं कि बिहार में कानून का राज्य स्थापित है, जबकि सतही सच्चाई यही है कि सुबे बिहार का एक जिला मुंगेर अपराध के साए में जी रहा है। उन्होंने कहा कि मुंगेर में पुलिस की तानाशाही व कार्य प्रणाली खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रही है। शासन प्रशासन के लोग डींगे हांक रही है। जबकि मुंगेर जिला श्रेत्र में कानून व्यवस्था का ये आलम है की है मात्र सिगरेट लाने से इनकार करने पर 8 वर्षीय बच्चे के सिर में गोली मार दी जाती है वहीं तानाशाही की चरमोत्कर्ष पराकाष्ठा ये है की हथियार मामले में गिरफ्तार अपराधी को पुलिस पीट पीट कर मार देती है। उन्होंने कहा है कि मुंगेर जिला श्रेत्र की घटना से राज्य के मुख्यमंत्री भी अवगत है फिर भी वे पुरा सिस्टम के साथ मुक दर्शक बना हुआ है। ऐसे ही एक वाक्या मुंगेर जिला स्थित कासिम बाजार थाना में तीन जनवरी को घटी जब कासिम बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बिन्दवाडा शर्मा टोला से 56 वर्षीय मोतीलाल शर्मा को हथियार मामले में गिरफ्तार किया गया और थाने में उस व्यक्ति की मौत हो गई जो सरकार के सुशासन और कानून व्यवस्था के राज के दावे को एक सिरे से झूठला रही है जबकि हकीकत यह है कि सुबे बिहार के मुखिया और उनके कई दुलरवा के शह पर शासन प्रशासन के लोग इठला रहे हैं और शोषितों पीड़ितों का खुलेआम शोषण हो रहा है। सपाध्यक्ष ने पत्र में आगे कहा की अगर इस प्रकरण की जांच नहीं हुई तो आम आदमी का न्याय और कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा।

बफ्टा,मुंगेर के 26 कलाकार दिल्ली में 26 जनवरी को ग्रैंड परेड में भाग लेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। गणतंत्र दिवस 2025 पर कर्तव्य पथ, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए बफ्टा,मुंगेर (बिहार फिल्म ऐंड टेलीविजन आर्टिस्ट एसोसिएशन ट्रस्ट) बिहार के 26 कलाकारों का चयन किया गया है जो गणतंत्र दिवस के ग्रैंड परेड में भाग लेंगे। बफ्टा (बिहार फिल्म ऐंड टेलीविजन आर्टिस्ट एसोसिएशन ट्रस्ट) के संस्थापक और अध्यक्ष हीरो राजन कुमार इस बात को लेकर काफी उत्साहित हैं , उन्हें पिछले दस साल से राष्ट्रीय झांकी का अहम कलाकार होने का गौरव प्राप्त है। तभी से मुंगेर बफ्टा के कलाकार के साथ तैयारियों में लग गए थे और सभी कलाकारों का अपने अनुभवों के माध्यम से मार्गदर्शन कर रहे थे। दस साल की कड़ी मेहनत ने मुंगेर के कई कलाकारों को दिल्ली की झांकी में अपना जौहर दिखाने का मौका दिला दिया।इन 26 कलाकारों में महिलाओं की संख्या अधिक है और वे सब भी इस परेड का हिस्सा बनने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। उनके चुनाव से बफ्टा के युवा और युवतियों में एक नई उर्जा दिख रही है। गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर परेड मार्च का हिस्सा बनने की उपलब्धि पर सभी कलाकार उनके माता-पिता, घरवाले गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। गौरतलब है कि गणतंत्र दिवस 2025 पर होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम में 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। गणतंत्र दिवस पर होने वाले इस विशेष प्रोग्राम के लिए हीरो राजन कुमार और उनकी टीम ने जोर शोर से तैयारी शुरू कर दी है। क्टर, निमार्ता निर्देशक राजन कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से झांकियों का प्रारूप मंगवाया था। कई चरणों की चयन प्रक्रिया के बाद सिर्फ 15 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी का राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रदर्शन के लिए चयन किया गया है। हम सब खुश और उत्साहित हैं कि बफ्टा,मुंगेर के 26 कलाकार इस बार कर्तव्य पथ पर ग्रेंड परेड में भाग लेंगे, यह हम सभी के लिए गौरवपूर्ण क्षण होगा। बता दें कि दिल्ली में 19 जनवरी 2025 तक सभी चयनित राज्यों की झांकी को तैयार कर लिया जाएगा और परिधान के साथ 23 जनवरी को उनका रिहर्सल होगा। इसके बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर झांकियों को पेश किया जाएगा। हीरो राजन कुमार इन 26 कलाकारों का नेतृत्व करेंगे। वह अभी से तमाम आर्टिस्ट्स को इस महान परेड के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करवा रहे हैं।एक साथ बफ्टा,मुंगेर से कलाकार का चयन फख की बात है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का अभाविप ने किया आयोजन

हवेली खडगपुर (कोर्ट)। अभाविप की हवेली खड़गपुर नगर इकाई की ओर से नगर के पंचकुमारी कन्या उच्च विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा सप्ताह के रूप में मनाते हुए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता शुरू होने के पूर्व स्वामी विवेकानंद एवं माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थी परिषद के नगर उपाध्यक्ष अजय कुमार ने छात्र-छात्राओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 100 से अधिक छात्र-छात्राओ ने हिस्सा लिया एवं उत्साहित हुए। नगर मंत्री सौरभ झा ने बताया कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर स्थानीय हरि सिंह महाविद्यालय में टाप 10 सफल प्रतिभागी को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

खेत में फसल चराने पर रोका तो बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा, अस्पताल में भर्ती

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई । खेत में फसल चराने पर रोक लगाना एक बुजुर्ग को महंगा पड़ गया। मामला गरही थाना क्षेत्र के रोपाबेल गांव का है,जहां फसल चराने पर हुए विवाद को लेकर एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बुजुर्ग की पहचान गरही थाना क्षेत्र के रोपाबेलग्राम निवासी विभूति नारायण साह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि जमीन पर फसल चराने से मना किए जाने पर बगल के लालू मोदी ,उनकी पत्नी रूबी देवी व पुत्री रूपा कुमारी ने मिलकर लाठी डंडे से पीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। इसके साथ ही कहीं और जगह पर इसका विरोध किए जाने पर जान मारने की भी धमकी दी है। इस घटना से भयाक्रांत घायल व उनके परिवार ने दोषियों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने की मांग रखी है भयाक्रांत है। इधर, ग्रामीणों के सहयोग से घायल विभूति नारायण शाह को जमुई सदर अस्पताल लाया गया , जहां डॉ. घनश्याम के द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया है। उपचार के दौरान विभूति नारायण शाह को 6-7 टांके लगाए गए हैं। साथ ही भर्ती कर उनका इलाज जारी है । वहीं , घायलों के परिजनों द्वारा मामले को लेकर थाने में आवेदन दी जा रही है।

लापरवाही : कंपनी चल रही नया ट्रेंड, कम वजन और अधिक कीमत की हो रही है वसूली

दुकानदारों की घटतौली से उपभोक्ताओं की हो रही जेब ढीली, प्रशासन भी मौन

● अधिक कीमत के बाद भी 43 से 45 किलोग्राम, का दिया जा रहा समान

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। देशभर में रोजमर्रा के सामान की बढ़ती कीमत गरीबों की कमर तोड़ रही है। प्याज नरम हुई लेकिन लहसुन अभी भी गरीबों की रसोई से दूर है। दूसरी और पैकिंग कर्ता कंपनियों द्वारा पैक की कीमत को स्थिर रखकर वजन को ही कम कर दे रही है। वहीं छोटे बड़े व्यापारियों द्वारा रोजमर्रा के उपयोगी सामान के निर्माणकर्ता उद्यमी कम वजन देकर अधिक कीमत वसूली कर मुनाफा कमाने में जुटे हैं। जबकि सब कुछ जानते हुए भी प्रशासन मौन है,और ग्राहक को आर्थिक शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। बता दें की हाल के वर्षों में बाजार में घटतौली का एक नया ट्रेंड चल रहा है। जिसके तहत अगर मूल्य को स्थिर रखना है तो सामान के पॉकेट का वजन ही कम कर बाजार में भेजा जा रहा है। यह सब जान कर भी प्रशासन अनजान बनी है। आम ग्राहकों की माने तो पहले आलू,प्याज,जानवरों का चारा जैसे सरसों,राई,तीसी आदि की खल्ली, चोकर,घट्टा,नमक कुछ समय पहले तक मानक के अनुरूप 50 केजी के बैग में आता था। जिसका बाजार मूल्य एक समान होता था। अब इन सभी सामग्रियों की पैकिंग को 50 केजी की जगह 43 से 45 केजी बैग बनाकर पूर्व की कीमत से अधिक मूल्य वसूल कर व्यवसायी ग्राहकों की जेबें ढीली कर रहे हैं। गिद्धौर और ग्रामीण पशुपालक बेनी यादव, शैलेंद्र यादव,अर्जुन यादव ने बताया कि वर्षों से जानवरों को खिलाने के लिए सरसों,तीसी,राई आदि की खल्ली, गेहूं का चोकर,मकई का घट्टा,आलू,प्याज,नमक आदि बाजार से खरीद कर ले जा रहे थे। कुछ वर्ष पहले तक 50 केजी का पॉकेट में उपलब्ध मिलता था। अब पहले से अधिक कीमत भुगतान के बाद भी 43 से 45 किलोग्राम का दिया जा रहा है। बता दें कि कुछ वर्ष पहले तक नापतोल विभाग के अधिकारी पहुंचकर दुकान,सब्जी बाजार में वाट का जांच करते थे। जिस कारण कम तौलने वाले व्यापारियों में पकड़े जाने का डर लगा रहता था।

लेकिन हाल के वर्षों में नापतोल अधिकारी है या नहीं है कि भी जानकारी लोगों को नहीं है। प्रशासन की निष्क्रियता के कारण स्थानीय व्यापारी भी लगे हुए हैं गोरख धंधे में जहां बड़े उद्योगपति पैकेट बंद सामान का वजन कम करके लोगों से अधिक पैसा वसूलने में लगी हुई है।वही देखा देखी में और प्रशासन की निष्क्रियता के कारण छोटे व्यापारी भी ग्राहकों को चूना लगाने में बाज नहीं आ रहा है। उदाहरण स्वरूप गरीब और अमीर सभी के थाली में उपलब्ध आलू और प्याज सब्जियों का राजा है। इन दोनों सामग्री बिहार में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में दूसरे प्रदेश से मंगवाई जाती है। जानकार बताते हैं कि दूसरे प्रदेश से आने वाले आलू या प्याज का पैकेट 50 केजी का बनकर आता है। जिसे स्थानीय व्यापारियों द्वारा अधिक कमाई के चक्कर में पॉकेट का रिपैकिंग कर 43 से 45 केजी का बनाकर ग्राहकों को चूना लगाया जा रहा है। बाजार में बिक रहे पैकेट बंद सामान के वजन कम बाजार में उपलब्ध दालमोट पहले 140 रुपया में एक किलो का पैकेट मिलता था। जो अब पूर्व की कीमत या उससे अधिक कीमत में 900 ग्राम का पैकेट बाजार में उपलब्ध है। करीब यही हाल सुखे मेवे के अलावे अन्य सामान की कीमत को स्थिर रखने के लिए पॉकेट के वजन को कम कर दिया जा रहा है। कई ब्रांडों के साबुन एवं सर्फ के पैकेट को कंपनी निर्धारित से कम वजन पर बाजार भेज रही है। यही स्थिति बाजार के मीट,मुर्गे,मछली,सब्जी व अन्य खाद्य पदार्थों की है। संबंधित दुकानदारों द्वारा कम तौल देना नियति बन गई है। प्रखंड के अधिकांश जन वितरण दुकानदार गरीब उपभोक्ताओं को पांच की जगह 4 किलोग्राम अनाज देना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान रहे हैं।

ऑल इंडिया गुलाब रावत मेमोरियल फूटबाल टूनार्मेंट के पहले सेमी फाइनल में बीरगंज नेपाल की टीम 4-0 से विजयी

● ग्रुप बी का पहला क्वार्टर फाइनल मैच यूनाइटेड एफ सी जम्मू कश्मीर श्रीनगर बनाम एसएसबी सिलीगुड़ी के बीच होगा आज

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर।प्रखंड के कुमार सुरेन्द्र सिंह स्टेडियम गिद्धौर में चल रहे ऑल इंडिया गुलाब रावत मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट के ग्रुप ए का पहला सेमी फाइनल मुकाबला गिद्धौर एफसी क्लब बिहार बनाम बीरगंज नेपाल के बीच खेला गया। इस रोमांचक फुटबॉल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल के दौरान अपनी खेल प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन खेल मैदान में करते देखे गए। इस कड़े फुटबॉल मुकाबले के बीच खेल के 16 वें मिनट में बीरगंज नेपाल टीम के जर्सी नंबर 09 के खिलाड़ी सुजल डंगोल ने एक गोल दाग अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। वहीं खेल मध्यांतर के पूर्व 42 वें मिनट में पुनः बीरगंज नेपाल टीम के ही जर्सी नंबर 07 में खेल रहे खिलाड़ी अस्मित चौधरी ने अपने विपक्षी टीम गिद्धौर एफसी क्लब बिहार पर एक बेहतरीन गोल दाग खेल में 2-0 से अपनी टीम को बढ़त दिलाते हुए मजबूत स्थिति में टीम को लाकर खड़ा कर दिया।

वहीं खेल के 66 वें मिनट में नेपाल टीम केही जर्सी नंम्बर 14 के खिलाड़ी आदित्या साक्या ने तीसरा गोल दाग खेल में टीम को बढ़त दिलाते हुए 3- 0 से अपनी टीम को शानदार बढ़त दिला दी। खेल मध्यांतर के बाद बीरगंज नेपाल टीम के जर्सी नंम्बर 09 के खिलाड़ी सुजल डंगोल ने 79 वें मिनट में चौथा गोल दाग इस ऑल इंडिया गुलाब रावत फुटबॉल टूनार्मेंट के ग्रुप ए के पहले सेमीफाइनल को जीत लिया। इस पूरे खेल के दौरान गिद्धौर एफसी क्लब बिहार की टीम एक भी गोल करने में असफल रही. कल ग्रुप बी का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला यूनाइटेड एफ सी जम्मू कश्मीर श्रीनगर बनाम एस एस बी सिलीगुड़ी के बीच खेला जाएगा। खेल समाप्ति उपरांत मेन ऑफ द मैच का खिताब बीरगंज नेपाल टीम के जर्सी नंम्बर 09 के खिलाड़ी सुजल डंगोल को समाजसेवी डॉ. शशिशेखर प्रसाद एवं पिंटू कुमार यादव द्वारा संयुक्त रूप से सिवाय इंटर प्राइजेज के सौजन्य से दिया गया। खेल में निर्णायक की भूमिका मोहम्मद सलाम, दीपक कुमार, मोहन कुमार, संतोष कुमार पांडेय ने निभायी. वहीं खेल में उदघोषक की भूमिका राणा रंजीत ने निभायी. इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, जदयू नेता विवेकानंद सिंह, दिनेश मंडल, प्रदेश युवा जदयू नेता राजीव रावत, सचिव सुजीत सक्सेना, अशोक केशरी, सोनू राव, शुधांशू कुमार, जसीम खान, अवधेश कुमार रावत, शिवेंदु कुमार, सत्रुघ्न कुमार के अलावे हजारों की संख्या में खेल प्रेमी व खिलाड़ी इस सेमीफाइनल फुटबॉल मुकाबले को देखने के लिये खेल मैदान में मौजूद थे।

जिला प्रशासन हुए सक्रिय, गरीब और असहायों के बीच बांटे कंबल

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर ।जिले में शीतलहर एवं बढ़ते ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन गरीब और असहाय लोगों के लिए सक्रिय हो गई है। प्रखंड से लेकर जिला स्तर पर सहयोग हेतु कार्य किया जा रहा है। बुधवार को जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा बरियारपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में 32 गरीब जरूरतमंद व्यक्तियों के बीच कंबल वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग अंतर्गत क्रियान्वित वस्त्र वितरण कार्यक्रम के तहत जिला से प्रखंड स्तर पर वितरण कार्य किए जा रहे हैं।डीएम ने बताया कि ठंड को देखते हुए जिले भर में निःसहाय एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के बीच कंबल का वितरण किया जा रहा है बुधवार को अंचल कार्यालय बरियारपुर में लगभग 32 लाभुकों के बीच कम्बल वितरण किया गया है। इस अवसर पर बरियारपुर अंचलाधिकारी रवीना गुप्ता भी मौजूद थीं। जिलाधिकारी ने कहा के जिले में बढ़ते ठंड को देखते हुए आज गरीब लोगों के बीच कंबल वितरित किया गया है। साथ ही संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे गरीब असहाय लोगों को चिन्हित कर उनके बीच भी कंबल वितरित करें। इसके अलावे कई स्थलों पर ठंड को देखते हुए अलाव की भी व्यवस्था की गई है। ठंड के दौरान प्रत्येक चौक चौराहों एवं रैन बसेरा सहित प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भी अलाव हेतु लकड़ी भी गिराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड में वृद्धि के मद्देनजर आमजनों विशेष तौर पर निःसहाय, वृद्ध, दिव्यांगजनों सहित अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को सहयोग पहुंचाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे-जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है। पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया। इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी? बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद जरूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा-चौकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इन अपराधों से निपटने में विफल साबित हो रही हैं। आज के डिजिटल युग में, माता-पिता के पालन-पोषण का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और डिजिटल उपकरणों के व्यापक उपयोग के साथ, डिजिटल युग में बच्चों के पालन-पोषण में और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार के कारण जीवन में आ रहे बदलाव ने कई ज्वलंत एवं चुनौतीपूर्ण मुद्दों को सामने ला दिया है, जिनसे माता-पिता को जूझना पड़ता है, जिससे पालन-पोषण का कार्य और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऑनलाइन सुरक्षा से लेकर स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और लगातार विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य का हिस्सा बनने तक, माता-पिता के लिए खुद ही यह काफी नया सा है। खुद को जानकारी से लैस करके और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर, हम अपने बच्चों को जिम्मेदारी से डिजिटल दुनिया में सावधानीपूर्वक हिस्सा बनने के लिए सशक्त बनाते हुए उनके लिए एक स्वस्थ और संतुलित डिजिटल वातावरण बना सकते हैं। अपने बच्चों को तकनीक का उपयोग ऐसे तरीकों से करने में मदद करें जो रचनात्मकता और सीखने को बढ़ावा दें। उन्हें शैक्षिक ऐप तलाशने, डिजिटल कला बनाने या कोडिंग जैसे नए कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें तकनीक को सिर्फ. मनोरंजन के बजाय विकास एवं ज्ञान अर्जन के साधन के रूप में देखने में मदद मिल सकती है। तकनीक के अच्छे और बुरे दोनों पक्षों को जानकर और स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करके, हम बच्चों को उनके स्क्रीन समय के साथ एक स्वस्थ संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। इस तरह, वे बचपन की खुशियों का अनुभव करते हुए तकनीक के लाभों का आनंद ले सकते हैं, जिसमें बाहर खेलना, दोस्तों के साथ समय बिताना और अपने आस-पास की दुनिया की खोज करना शामिल है। मोबाइल एवं डिजिटल साइट पर कुल निर्भरता बढ़ गई है। लोग अपने फोन एवं इन्टरनेट का इस्तेमाल खाना खाते समय, लिविंग रूम में और यहां तक कि परिवार के साथ बैठकर उपयोग करते हैं। कम से कम अस्सी प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अपने फोन पर तब भी होते हैं, जब वे अपने बच्चों के साथ समय बिता रहे होते हैं और वे अपने बच्चों, परिवेश पर ध्यान नहीं देते हैं और जब उनके बच्चे उनसे कुछ पूछते हैं तो वे चिढ़ जाते हैं।

दरअसल, भारत सरकार के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को अधिक प्रभावी एवं कारगर बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है।

प्रवासी भारतीयों को भी विकास में भागीदार बनाने की जरूरत

प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी के कार्यकाल में प्रसिद्ध विधिवेत्ता डॉ. लक्ष्मीमल सिंघवी के प्रयासों के फलस्वरूप हुई थी। तब से लेकर आज तक यह निरन्तर जारी है। बीच के कुछ वर्षों में यह आयोजन अपने मूल उद्देश्य से भटक गया था। राजग सरकार ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन को प्रेमोन्मुख बनाया था, लेकिन उसके बाद आयी सप्रंग सरकार ने इसके मायने ही बदल डाले थे। उसने इसे महज रस्म अदायगी का विषय बनाते हुए लाभ उन्मुख बना दिया। सप्रंग सरकार की नजरें केवल उन प्रवासियों पर रहती थी जो विदेशों में अच्छी धाक जमा चुके हैं और उन लोगों को नजरअंदाज करती रही है जो अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका एवं खाडी के देशों में अभी भी निचले स्तर पर जीवन यापन करने के लिए विवश हैं। लेकिन जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होने फिर से इसे अपने मूल ढर्रे पर ला खडा किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में यह स्पष्ट कर दिया

सुनीलतिवारी

लेखक

दुनिया के कोने -कोने में बसे प्रवासी भारतीयों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने के लिए प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। इस परम्परा की शुरूवात 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी के कार्यकाल में प्रसिद्ध विधिवेत्ता डॉ. लक्ष्मीमल सिंघवी के प्रयासों के फलस्वरूप हुई थी। तब से लेकर आज तक यह निरन्तर जारी है। बीच के कुछ वर्षों में यह आयोजन अपने मूल उद्देश्य से भटक गया था। राजग सरकार ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन को प्रेमोन्मुख बनाया था, लेकिन उसके बाद आयी सप्रंग सरकार ने इसके मायने ही बदल डाले थे। उसने इसे महज रस्म अदायगी का विषय बनाते हुए लाभ उन्मुख बना दिया। सप्रंग सरकार की नजरें केवल उन प्रवासियों पर रहती थी जो विदेशों में अच्छी धाक जमा चुके हैं और उन लोगों को नजरअंदाज करती रही है जो अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका एवं खाडी के देशों में अभी भी निचले स्तर पर जीवन यापन करने के लिए विवश हैं। लेकिन जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होने फिर से इसे अपने मूल ढर्रे पर ला खडा किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में यह स्पष्ट कर दिया कि यह आयोजन केवल डॉलर और पाउण्ड की आमद के उद्देश्य से नहीं किया जाता अपितु अपने जनों के दिलों के मेल के लिए किया जाता है। आज के समय में विश्व के सौ से अधिक देशों में बसे प्रवासी भारतीयों की संख्या 3.54 करोड़ आँकी गयी है। एक अनुमान के मुताबिक विश्व का हर छठा प्रवासी भारतीय है। कई देशों में तो प्रवासी भारतीय वहां की औसत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ वहां की आर्थिक व राजनीतिक दशा दिशा को भी तय करते हैं । जहां भी भारतीय गये वहां पर उन्होने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वे व्यापारी, शिक्षक, चिकित्सक, अधिवक्ता, अभियन्ता ,वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, शासक एवं प्रशासक आदि के रूप में स्वीकार किये गये । विदेशी आर्थिक तंत्र को मजबूती प्रदान करने में भी भारतीय पीछे नहीं हैं। कुछ देशों में तो वहां की राष्ट्रीय आय में एक बड़ा हिस्सा प्रवासी भारतीयों का ही होता है। भारतवंशियों की इन्हीं सफलताओं के चलते भारत की छवि में दिन-ब-दिन निखार आ रहा है। अक्सर यह प्रश्न उठता है कि प्रवासी भारतीयों के इतने सशक्त एवं प्रभावी होने के बावजूद भी भारत के विकास में योगदान देने से क्यों हिचकिचाते है ? वे चीनी प्रवासियों की तरह अपने मूल देश की तरक्की में बढ-चढ़कर योगदान देने में पीछे क्यों है ? एक अनुमान के मुताबिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में प्रवासी भारतीयों का हिस्सा महज 6 फीसदी है, जो कि चीन के मुकालबे बहुत ही कम है। एक सर्वे के मुताबिक चीन के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में प्रवासी चीनियों का 67 फीसदी हिस्सा है । अब सवाल यह खड.ा होता है कि क्या प्रवासी भारतीयों को अपने मूल देश से प्रवासी चीनियों के मुकाबले कम लगाव है ? क्या वे मातृभूमि के प्रति अपने फर्ज को भूल गये है? यदि प्रवासियों के भारत के प्रति उदासीनता के कारणों का विश्लेषण किया जाये तो मालूम चलता है कि कमी उनके चरित्र में नहीं अपितु हमारे राष्ट्रीय चरित्र में ही है। प्रवासी भारतीयों के चरित्र पर उँगली उठाने से पहले अपने गिरेबां में झांकने की जरूरत है। एक साधारण भारतीय चाहे वह देश में रहता हो या विदेश में अपने देश से समान लगाव रखता है। भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में प्रवासी भारतीयों की कम भागीदारी के लिए हमारी सरकारी नीतियाँ ही सीधे तौर पर जिम्मेदार है। सरकार की नीतियों का निष्पक्ष एवं ईमानदारी से आंकलन करने से पता चलता है कि हालात उससे कहीं ज्यादा गम्भीर है जितना कि हम सोचते हैं। निवेश वहीं होता है जहां पर लाभ की गुजाइश होती है। यही कारण है कि अनिवासी भारतीय तो दूर निवासी भारतीय भी भारत में निवेश से कतराते है। पिछले 2-3 वर्षों से भारत के सभी बडे. औद्योगिक घराने विदेश में निवेश को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं और उनके टर्न ओवर का एक बड.ा हिस्सा विदेश में किये गये निवेश से आ रहा है। कंगाली की चपेट से बहुत ही मुश्किल से हम 1991 में निकले थे और आर्थिक सुधारवाद की नीतियों पर चलते हुये 8 फीसद तक की औसत वृद्धि दर भी हासिल कर ली थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से एक के बाद एक हो रही गलतियों की वजह से आज फिर भारत आर्थिक संकट के दलदल में फँसता नजर आ रहा है। बजटीय घाटा का बढ़ना, रुपए का डालर के मुकालबे निम्न स्तर पर पहुंचना आदि कारणों ने आज हमारी हालत को ह्यआमदनी अठन्नी और खर्चा रुपयाह्व की कहावत से भी बदतर कर दिया है। आज आवश्यता यह है कि देश में आर्थिक हालात का जायजा लेने और सुधारवाद पर एक साधा न्यूनतम कार्यक्रम बनाने की, जिस पर राजनीतिक दलों की आमराय और स्वीकृति हो। कमाई नहीं होगी तो उस वर्ग का भला कैसे होगा जिसकी दुहाई देते हुए आर्थिक सुधारवाद के कार्यक्रमों का विरोध किया जाता है? सरकार मौजूदा आर्थिक विपदा को एक अवसर में तब्दील करने का अगर संकल्प लेती है तो इससे प्रवासी एवं अप्रवासी दोनों को लाभ मिलेगा । एक बात और जो हमारे मन में उठ रही है वह यह है कि क्या हम अपने प्रवासी भाई-बन्धुओं से अपना अधिक से अधिक आर्थिक हित साधने के लिए उनसे नाता रखना चाहते हैं? हमें यह याद रखना होगा कि पैसा ही सबकुछ नहीं है।

प्रियंका पर बिधूड़ी की टिप्पणी

कभी भरी संसद में अल्पसंख्यक समुदाय के एक सांसद दानिश अली (तब बहुजन समाज पार्टी) का अपमान करने वाले भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने यह कहकर अपने ओछेपन का परिचय दिया है कि ह्यउनकी पार्टी की दिल्ली में सरकार बनती है तो वे उनके क्षेत्र में प्रियंका गांधी के गालों जैसी सड़कें बनवा देंगे।ह्ल हालांकि इसके लिये उन्होंने खेद जताने की मुद्रा में अपने शब्द वापस ले लिये। वैसे उन्होंने यह भी जोड़ा कि बरसों पहले लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि वे ह्यबिहार की सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी चिकनी बनाएंगे।ह्ल ऐसा करने के बावजूद बिधूड़ी का बयान उतनी ही सख्त निंदा के योग्य है जितना कि लालू का। बिधूड़ी को इस आधार पर ऐसी टिप्पणी करने का हक नहीं मिल जाता क्योंकि तब भी संजीदा लोगों ने लालू का भी विरोध किया था। बिधूड़ी को उनकी पार्टी ने कालकाजी से आम आदमी पार्टी की मुख्यमंत्री आतिशी एवं कांग्रेस प्रत्याशी अल्का लांबा के खिलाफ मैदान में उतारा है। वैसे बिधूड़ी के बयान की कांग्रेस ने आलोचना की है। बिधूड़ी के दानिश अली वाले बयान पर भाजपा ने कारण बताओ नोटिस तो जारी किया था लेकिन उन्हें आप की सबसे प्रमुख नेताओं में से एक के खिलाफ चुनावी टिकट देकर साबित कर दिया है कि ऐसे लोग उनके विश्वासपात्र हैं तथा वे पार्टी को जीत दिलाने में सक्षम भी माने जाते हैं। अब सक्षम हैं या नहीं, यह तो बाद में ही पता चलेगा। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा में ढले ऐसे कई लोग हाल के वर्षों में सामने आये हैं; और वे कोई सामान्य कार्यकर्ता नहीं हैं वरन ऊंचे पदों पर काबिज हैं। फिर वे चाहें पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हों या प्रवेश वर्मा अथवा प्रज्ञा सिंह ठाकुर। ऐसे लोगों को भाजपा का शीर्ष नेतृत्व न सिर्फ प्रश्रय देता आया है बल्कि उन्हें ऊंचे ओहदे भी सौंपता है। कभी किसी कारण से मामला बिगड़ जाये तो अधिक से अधिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह कह देंगे कि ह्यमैं उन्हें दिल से माफ नहीं कर पाऊंगाह्ल या पार्टी ऐसे तत्वों को ह्यस्लिंटर ग्रुपह्ल कहकर पीछा छुड़ा लेगी। लोकसभा में बिधूड़ी द्वारा दानिश अली को अपशब्द कहने के बाद भी उन्हें टिकट देना बतलाता है कि भाजपा ने ऐसे लोगों को अपनी ताकत बना रखा है। हालांकि मोदी से इसलिये उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि वे खुद भी महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बातें कर जाते हैं। फिर चाहे वह पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी ममता बैनर्जी को ह्यदीदी ओ दीदीह्ल कहकर चिढ़ाना हो या मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म पर चुप्पी साधना। वैसे यह केवल एक दल की बात नहीं है। भारत के ये ऐसे कुसंस्कार हैं जिन्होंने समाज को परिष्कृत होने से रोके रखा है। समाज की महिला विरोधी मानसिकता का ही प्रतिनिधित्व बिधूड़ी जैसे लोग करते हैं। उन्हें प्रश्रय देना इसलिये भाजपा द्वारा स्वाभाविक है, क्योंकि भाजपा हो या उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अथवा उनके अन्य सहयोगी संगठन- सभी में मूल समानता यही है कि वे पितृ सत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था में भरोसा रखते हैं। एक आधुनिक व प्रगतिशील समाज बनने की प्रक्रिया के रूप में इस बुरी व्यवस्था का जो विरोध होता आया था, उसे भाजपा के शासनकाल में मटियामेट कर दिया गया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध सतत बढ़ते जा रहे हैं और मार्के की बात तो यह है कि ऐसा सबसे ज्यादा भाजपा प्रशासित राज्यों में हो रहा है। इसी मानसिकता ने देश भर में एक ऐसा वर्ग खड़ा कर दिया है जो महिलाओं के प्रति असंवेदनशील ही नहीं वरन बेहद क्रूर भी है। सोशल मीडिया पर जायें तो अपनी विरोधी विचारधारा से जुड़ी महिलाओं को लेकर निहायत भद्दी, असभ्य और अश्लील टिप्पणियां पढ़ने-सुनने को मिलेंगी। फिर ये महिलाएं जरूरी नहीं कि केवल सियासी दलों से सम्बद्ध हों। वह नारंगी वस्त्रों में नृत्य करती दीपिका पादुकोण हो सकती हैं या लोकतंत्र की पक्षधर सम्मानित लेखिका अरुंधति राय, किसान आंदोलन का साथ देने वाली स्वरा भास्कर हो अथवा अंधविश्वास के विरूद्ध लिखने वाली गौरी लंकेश, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा या अगर विराट कोहली का बल्ला न चला तो उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा-सभी के साथ यह ट्रोल ब्रिगेड अशिष्ट और बर्बर तरीके से पेश आता है। यह उसी समाज की देन है जिसकी भाषावली में हर दूसरी गाली स्त्री से सम्बन्धित है। औरत के प्रति अपनी कुंठा को वह विचारधारा के समर्थन अथवा विरोध का नाम देकर निकालता है। यह वर्ग, जिसकी नुमाइंदगी बिधूड़ी जैसे लोग करते हैं इसलिये राजनीतिक सफलता अर्जित करते हैं क्योंकि उनका समर्थक और वोटरों का भी एक बड़ा हिस्सा इसी मानसिकता की पैदावार है- जस राजा तस प्रजा। शासकों ने अपने लायक जनता बना ली है और जनता अपनी पसंद के ऐसे लोगों को बार-बार ऊंचे पदों पर आसीन करती है।

कुंभ 2025: भारत की सांस्कृतिक धरोहर और उत्तर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का प्रतीक

प्रयागराज का कुंभ मेला भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अद्वितीय संगम है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है, जहां करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर स्नान करने आते हैं। कुंभ का आयोजन प्रत्येक 12 वर्षों में होता है और इसकी जड़ें प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मिलती हैं। कुंभ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक भी है। 2025 कुंभ: विशेष अपेक्षाएँ और महत्व कुंभ 2025 को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक तैयारियों की योजना बनाई है। इस बार श्रद्धालुओं की संख्या 15 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक शामिल होंगे। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, कला, और परंपराओं का वैश्विक मंच भी है। राजस्व सृजन और आर्थिक प्रभाव कुंभ 2025 से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। राज्य सरकार ने अनुमान लगाया है कि इस आयोजन से लगभग 1.2 लाख करोड़ का राजस्व सृजित होगा। होटल, परिवहन, खान-पान, और स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयागराज और उसके आस-पास के ऐतिहासिक स्थलों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। कुंभ मेले के दौरान रोजगार के अवसरों में भी भारी वृद्धि होगी। अनुमान है कि इससे लगभग 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। छोटे व्यवसाय, जैसे गंगा घाटों पर दुकानें, शिल्प बाजार, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। सुरक्षा और प्रबंधनः सरकार की प्राथमिकताकुंभ जैसे विशाल आयोजन की सफलता के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार ने इस बार विशेष हाई-टेक सुरक्षा उपायों को लागू करने की योजना बनाई है। इनमें ड्रोन निगरानी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित भीड़ प्रबंधन प्रणाली, और लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग जैसे उपाय शामिल हैं। इसके साथ ही, मेले में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 24/7 हेल्पलाइन, मेडिकल कैंप, और ई-रिक्शा सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। संगम क्षेत्र में व्यापक सफाई व्यवस्था और स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए गए हैं। सरकार का उद्देश्य है कि कुंभ मेला 2025 न केवल आस्था और श्रद्धा का केंद्र बने, बल्कि पर्यावरण-संवेदनशील और स्वच्छ भारत अभियान का एक उदाहरण भी प्रस्तुत करे। संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्वितीय संगमकुंभ मेले का महत्व केवल गंगा स्नान तक सीमित नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, और वैदिक परंपराओं का संगम है। यहां धार्मिक प्रवचन, योग शिविर, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों को गहन आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करते हैं। कुंभ मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक संप्रदायों, जैसे नागा साधुओं और वैदिक विद्वानों, का संगम भारतीय संस्कृति की बहुआयामी छवि को प्रस्तुत करता है। पर्यावरण संरक्षण की पहल कुंभ 2025 में सरकार का जोर न केवल श्रद्धालुओं की सुविधा पर होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए विशेष जल शोधन संयंत्र लगाए जा रहे हैं। मेले में प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र और जैविक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी। इन कदमों से कुंभ मेले को पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ और स्वच्छ आयोजन बनाने में मदद मिलेगी। वैश्विक मंच पर भारत की पहचान कुंभ मेला भारत की सॉफ्ट पावर का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

वर्ष 2025 में लगेंगे दो चंद्रग्रहण और दो सूर्यग्रहण - भारत में दिखेगा एक

वर्ष 2025 में मार्च महीने में 14 मार्च शुक्रवार को खग्रास चन्द्रग्रहण और 29 मार्च शनिवार और 21 सितम्बर रविवार को खण्डग्रास सूर्यग्रहण लगेगा, लेकिन दोनों ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। वहीं 07 सितम्बर रविवार को लगने वाला खग्रास चंद्रग्रहण भारत में दिखेगा। ग्रहण की खगोलीय घटनाओं को लेकर सिर्फ वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि आम लोगों में भी उत्सुकता रहती है। इस वर्ष पृथ्वी और चंद्रमा की चाल से कुल चार ग्रहण लगने वाले हैं, जिनमें से दो चंद्रमा और दो सूर्य ग्रहण लगेंगे। इन चारों ग्रहों में से केवल एक ग्रहण भारत से देखा जा सकेगा और जो देखा जायेगा वह है खग्रास चंद्रग्रहण। खग्रास चंद्रग्रहण भारत में 07 सितम्बर रविवार को देखा जा सकता है। खग्रास चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों में शुरू से अंत तक 07 सितम्बर रविवार को देखा जायेगा, इसका सूतक दोपहर 12 बजकर 57 मिनिट से रात 01 बजकर 27 मिनिट तक रहेगा। भारतीय समयानुसार चन्द्रग्रहण मध्य रात 9 बजकर 57 मिनिट, खग्रास रात 11 बजकर 41 मिनिट और ग्रहण मोक्ष रात 01 बजकर 27 मिनिट तक है। सूत्रों के अनुसार 7 वर्ष बाद 07 सितम्बर रविवार को लगने वाला खग्रास चंद्रग्रहण जो भारत में खग्रास चंद्रग्रहण दिखेगा वह गहरे लाल या भूरापन लिए चंद्रमा का दृश्य बेहद रोमांचक होगा। पिछली बार खग्रास चंद्रग्रहण भारत में 27 जुलाई 2018 को देखा गया था। पूर्ण ग्रहण की स्थिति में चंद्रमा पूरी तरह से विलुप्त नहीं होता है, इसलिए यह तांबयी लाल से नारंगीनुमा दिख सकता है। यह ग्रहण भारत सहित यूरोप, एशिया के अनेक भाग, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, उत्तरी और दक्षिणी अमरीका, प्रशांत महासागर और आर्कटिक प्रदेशों में भी दिखाई देगा। 07 सितम्बर रविवार को लगने वाला खग्रास चंद्रग्रहण की स्थिति में मेष राशि वालो के लिए सफलता, वृष राशि वालो के लिए लाभ, मिथुन राशि वालो के लिए तनाव, कर्क राशि वालो के लिए कष्ट, सिंह राशि वालो के लिए साथी से तनाव, कन्या राशि वालो के लिए हानि, तुला राशि वालो के लिए रोग - भय, वृश्चिक राशि वालो के लिए चिंता, धनु राशि वालो के लिए शुभ, मकर राशि वालो के लिए हानि, कुम्भ राशि वालो के लिए व्यर्थ व्यय और मीन राशि वालो के लिए यश प्राप्ति होगा। 14 मार्च (फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा), शुक्रवार को लगने वाला खग्रास चन्द्रग्रहण जो भारत में नहीं दिखेगा। यह ग्रहण भारत को छोड़कर अमेरिका, पश्चिम यूरोप, पश्चिम अफ्रीका, उत्तर तथा दक्षिण अटलांटिक महासागर में दिखाई देगा। यह ग्रहण भारतीय समय के अनुसार ग्रहण दिन में 10 बजकर 39 मिनिट पर शुरू होगा और दिन में 2 बजकर 18 मिनिट पर समाप्त होगा। खण्डग्रास सूर्यग्रहण 29 मार्च (चैत्र कृष्ण अमावस्या), शनिवार को लगेगा जो भारत में नहीं दिखेगा। यह ग्रहण भारत को छोड़कर यूरोप, एशिया के उत्तरी भाग, उत्तर तथा पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका के अधिकांश भाग, दक्षिण अमेरिका के उत्तरी भाग, अटलांटिक महासागर के क्षेत्र में दिखाई देगा। यह ग्रहण भारतीय समय के अनुसार ग्रहण दिन में 2 बजकर 21 मिनिट पर शुरू होगा और सायं 6 बजकर 14 मिनिट पर समाप्त होगा। 21 सितम्बर (आश्विन कृष्ण अमावस), रविवार को लगने वाला खण्डग्रास सूर्यग्रहण भी भारत में नहीं दिखेगा। यह ग्रहण भी भारत को छोड़कर न्यूजीलैंड, पूर्वी मेलानेशिया तथा पश्चिम अंटार्कटिका वाले क्षेत्र में दिखाई देगा। यह ग्रहण भारतीय समय के अनुसार ग्रहण रात्रि में 11 बजे शुरू होगा और रात्रि में 3 बजकर 24 मिनिट पर समाप्त होगा। जहाँ-जहाँ ग्रहण दिखाई देगा, वहाँ-वहाँ चंद्रग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पूर्व और सूर्यग्रहण शुरू होने से 12 घंटे पूर्व सूतक लगेगा जो ग्रहण समाप्ति के साथ ही समाप्त हो जायेगा। मान्यता है कि ग्रहण जिन जगह पर दिखाई देता है वहीं केवल, उन्हीं जगहों में, सूतक आदि माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार टी.वी. चैनल आदि में दिखाये जाने वाले उपछाया ग्रहण की मान्यता शास्त्रों में नहीं है।

प्रगति यात्रा के तहत मुख्यमंत्री ने सारणवासियों को दी करोड़ों की सौगात

सीएम ने महमदा में नवनिर्मित 14 योजनाओं का किया उद्घाटन, कई मंत्री व पूर्व मंत्री रहे उपस्थित

विद्याभूषण /मो. अयूब

छपरा। सुबे के मुख्य नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के तहत आज सारण वासियों को कई करोड़ की योजनाओं की सौगात दी ' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का निर्धारित मिनट 2 मिनट कार्यक्रम के तहत सबसे पहले जयप्रकाश विश्वविद्यालय कैंपस में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करते हुए जनता को समर्पित किया ' इस दौरान बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता उपस्थित दिखे ' सारण जिला जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मढ़ोरा विधानसभा सहित जिले की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सोपा ' मेडिकल कॉलेज उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री का काफिला निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गरखा प्रखंड के महमदा गांव में पहुंचा ' जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री आगमन को लेकर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था ' मुख्यमंत्री ने महमदा गांव में पहुंचकर करोड़ से अधिक

की योजनाओं का उद्घाटन करते हुए जनता को समर्पित किया ' इस दौरान विभागीय अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे ' महमदा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी एवं चंद्रिका राय सहित वैद्यनाथ सिंह विकल एवं जदयू कार्यकर्ता शामिल थे ' प्रगति यात्रा को लेकर एक तरफ जदयू कार्यकर्ता उत्साहित दिखे, तो दूसरी तरफ भाजपा कार्यकर्ता नदारद रहे ' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महमदा गांव में मंत्री विजय चौधरी, 20सूत्री प्रभारी मंत्री सुमित सिंह, मंत्री मंगल पांडेय एवं विभागीय अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में एक करोड़ से अधिक योजनाओं का उद्घाटन किया ' जिसमें ग्राम पंचायत राज महमदा के वार्ड संख्या 6 में लगभग 7 लख रुपए के लागत से बेलही पोखरा के पश्चिम छठ घाट एवं सौंदर्यकरण कार्य का उद्घाटन किया ।

इसके अलावा अन्य तेरह योजनाओं का उद्घाटन मुख्यमंत्री के हाथों संपन्न हुआ ' जिसमें मनरेगा योजना योजना के महमदा गांव में 841170 रुपए की लागत से नवनिर्मित खेल मैदान का उद्घाटन, पंचायती राज विभाग के तहत पंचायत राज महमदा गांव के वार्ड नंबर 6 में लगभग ▮9 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित बेलही पोखरा के उत्तर साइड में छठ घाट निर्माण का उद्घाटन, पंचायत राज महमदा वार्ड संख्या 6 में ही 850000 की लागत से बेलही पोखरा के पूरब साइड में नवनिर्मित छठ घाट निर्माण का उद्घाटन तथा पंचायती राज के तहत ग्राम पंचायत राज महमदा नंबर 6 में बेलही पोखरा के उत्तर पूरब में 245000 की लागत से नवनिर्मित चबूतरा का उद्घाटन संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग के तहत 9 लाख 97000 की लागत से महमदा पोखरा के पश्चिम पेभर ब्लॉक कार्य सौंदर्यकरण का उद्घाटन, मनरेगा योजना के तहत 756000 की लागत से खेल निर्मित व ग्रामीण हाट का उद्घाटन हुआ ' इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने पंचायती राज के तहत महमदा वार्ड संख्या 6 में 1499000 की लागत से नवनिर्मित टुनटुन कहार के घर से आंगनबाड़ी केंद्र होते हुए मुनेश्वर ठाकुर के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण का उद्घाटन किया ' ग्रामीण कार्य विभाग के तहत महमदा हाई स्कूल के सामने मंदिर के पास पोखर पर 368000 की लागत से वृक्षारोपण कार्य का उद्घाटन, महमदा स्थित हाई स्कूल के सामने पोखर के भिंड पर 2049500 रुपए की लागत से मिट्टी एवं पेभर ब्लॉक कार्य का उद्घाटन तथा ग्राम पंचायत राज महमदा वार्ड संख्या 6 में बेलही पोखरा के दक्षिण साइड में 7 लाख 99 हजार रुपए की लागत से छठ घाट निर्माण का उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया ।

जबकि महमदा में हाई स्कूल के सामने पोखर के भिंड पर 981000 की लागत से मिट्टी एवं पेभर ब्लॉक कार्य का उद्घाटन, महमदा वार्ड संख्या 6 में बेलही पोखरा के दक्षिण साइड में 799000 की लागत से छठ घाट निर्माण का उद्घाटन, महमदा वार्ड संख्या 6 में विद्यालय के सामने 270000 की लागत से नवनिर्मित चबूतरा निर्माण का उद्घाटन तथा महमदा हाई स्कूल के सामने मंदिर के पास पोखर भिंड पर 9 लाख 81000 की लागत से मिट्टी एवं पेभर ब्लॉक का निर्माण का उद्घाटन संपन्न हुआ ।

टेलीमेडिसिन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी ऑनलाइन मिल रही है चिकित्सकीय परामर्श

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के तहत बुधवार को छपरा पहुंचें। जहां उन्होने विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा, उद्घाटन और शिल्यान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई विभागों के योजनाओं की समीक्षा की। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कार्यो की भी समीक्षा की गयी। जिसमें बताया गया कि ई-संजीवनी ओपीडी टेलीमेडिसिन कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य उपकेन्द्र स्योक के रूप मे तथा इस कार्यक्रम से जुडे चिकित्सक हब के रूप में कार्य करते है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर आये हुए मरीजो को वहाँ कार्यरत ए०एन०एम० और सी०एच०ओ० मोबाईल फोन के माध्यम से हब पर उपस्थित चिकित्सक से सम्पर्क करवाते है तथा चिकित्सक मरीज को ऑनलाईन चिकित्सकीय परामर्श देते है एवं दवा लिखते है। इसके उपरांत मरीज को स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर से दवा दी जाती है।

इस कार्यक्रम से मरीजो को ग्रामीण स्तर पर चिकित्सकीय परामर्श एवं दवा प्राप्त हो जाती है, जिससे उनके समय एवं आने-जाने का खर्च की बचत होती है। वहीं मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार ने बाल हृदय योजना के लाभार्थियों से भी संवाद किया। बाल हृदया योजना मुख्यमंत्री के सात निश्चय योजना का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिसके तहत दिल में छेद वाले बच्चों को नया जीवनदान मिल रहा है। बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाता है। साथ ही मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के वैसे सभी लाभार्थी परिवार जो आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना में आच्छादित नहीं हैं। उन्हें भी देशभर के पीएम आरोग्य योजना से सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में कैशलेस एवं पेपरलेस व्यवस्था के तहत प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। राज्य में योजना का क्रियान्वयन ट्रस्ट मोड में राज्य स्वास्थ्य अभिकरण के रूप में रबिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समितिश द्वारा किया जा रहा है। सारण जिले में अब तक कुल 12 लाख 2 हजार 996 लाभार्थियों का कार्ड बनाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

सहवां के मदीना मस्जिद में किया गया देग फातिया

प्रातः किरण, संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के सहवा गांव स्थित मदीना मस्जिद में हिंदल वली हजरत ख्वाजा गरीब नवाज के 113 वें उर्स के मौके से सैकड़ों लोगों ने देग फतिया किया। इस मौके पर मस्जिद के इमाम ने लोगों में आपसी भाईचारे का पैगाम दिया। वहीं उन्होंने बताया कि जिस तरह हजरत ख्वाजा गरीब नवाज ने लोगों को अमन, शांति के साथ गंगा, जमुनी तहजीब का पैगाम दिया है, ठीक उसी तरह हम लोगों को भी शांति, अमन, चैन भाईचारे के साथ अपनी जिंदगी गुजारनी चाहिए। अंत में अमन, शांति के लिए दुआ भी किया गया। मौके पर अनवर हुसैन, गुलाम गौस ,नूर हसन अंसारी, मोहम्मद मुन्ना, मौलाना हनीफ शौकत अली, खुर्शीद आलम,सलिमुल्लाह अंसारी, नजरे आलम, तौहीद अली, अशरफ अली व अन्य थे।

तिरुपति चीनी मिल में मेगा कैम्प का आयोजन

बगहा। दिव्यांग असहाय जनों के लिए बगहा स्थित तिरुपति चीनी मिल प्रांगण में मेगा कैंप का आयोजन किया गया।जिसमे दिव्यांगों के बीच कृत्रिम अंग,ट्राई साइकिल व्हीलचेयर और वैशाखी का वितरण किया गया।यह आयोजन 8 जनवरी से 12 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम के दौरन एसडीएम गौरव कुमार ने दिव्यांग जनों में ट्राई साईकिल का वितरण कर आयोजन का भव्य उद्घाटन किया।बतादें की तिरुपति चीनी मिल प्रबंधक दीपक यादव के सौजन्य से ट्राई साईकिल,व्हील चेयर और वैशाखी का वितरण किया ।बतादें की इस कार्यक्रम में टीसीएल फाउंडेशन जयपुर का भरपूर सहयोग मिला।

विद्यार्थियों ने किया फेयरवेल और प्रीतिभोज का आयोजन

बगहा। सत्र 2024 -25 के नदी घाटी योजना उच्चतर विद्यालय के टेन प्लस टू इंटर फाइनल के छात्र छात्राओं ने बुधवार के दिन फेयरवेल कार्यक्रम का विद्यालय प्रांगण में आयोजन किया। छात्र छात्राओं ने इस मौके पर विद्यालय के शिक्षकों से आशीर्वाद भी लिया। आयोजन के क्रम में बच्चों ने प्रीतिभोज का आयोजन किया जिसमें सभी बच्चे और शिक्षक शामिल हुए। वहीं बच्चों ने एक दूसरे की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय से विदा हुए। बतादें की ये सभी बच्चे 2025 के फरवरी में होने वाले इंटर फाइनल बोर्ड का एग्जाम देने वाले है।

प्रगति यात्रा या आतंक यात्रा : माले

अमनौर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सारण जिले में प्रगति यात्रा के तहत दौरे पर आए हुए थे।इसी बीच, छात्र संगठन आइसा के छात्र नेताओं ने जेपी विश्व से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने और उन्हें मांग पत्र सौंपने की योजना बनाई थी।इसी बीच एसआईटी टीम द्वारा माले नेता बिजेंद्र मिश्रा जीवनन्दन राय को बिना जरूरी कारण के उठाकर हिरासत में रखा गया था वही इनके पुत्र दीपांकर मिश्र को छपरा से मुफसिल थाना में रखा गया था।इन्होंने कहा कि यह, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और शांतिपूर्ण संवाद के बिरुद्ध कार्य हुआ है। यह घटना लोकतंत्र की आवाज को दबाने और छात्र आंदोलनों को कमजोर करने, विपक्ष को धमकाने की स्पष्ट कोशिश है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के छात्रों की समस्याओं को उठाना और समाधान की मांग करना एक वैध और लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन प्रशासन द्वारा इस तरह का दमनकारी कदम न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह राज्य में अभिव्यक्ति की आजादी पर चोट पहुंचाता है।

आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम हुआ प्रारंभ

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। श्री श्री रविशंकर श्री श्री महाराज की संस्था आर्ट ऑफ लिविंग का पांच दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम बुधवार को शहर के पोस्ट ऑफिस रोड स्थित श्री राम जानकी मंदिर सह विवाह भवन के सभागार में योग शिक्षक चंदेश्वर प्रसाद साह के संयोजन में हैप्पीनेस प्रोग्राम प्रारंभ हुआ। पहले दिन 20 लोगों ने योग ध्यान से मन को शांत एवं निरोग रखने का तरीका सीखा। गौरतलब है कि 8 जनवरी से 12 जनवरी तक सुबह 6 बजे से 9 बजे तक हैप्पीनेस प्रोग्राम किया जा रहा है। हैप्पीनेस प्रोग्राम में योग, प्राणायाम, ध्यान एवं लयबद्ध तरीके से सांस लेने की तकनीक सुदर्शन क्रिया भी सिखाई जाएगी। इस मौके पर योग शिक्षक चंदेश्वर प्रसाद साह ने कहा कि यह शिविर जनमानस के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभ के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि हम हम सभी खुश रहना चाहते हैं। इसके लिए अनेक प्रकार के धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक कर्म करते हैं। इन कर्मों को करते हुए यदि हम आत्मिक अभ्यास नहीं अपनाते हैं तो सदा खुश नहीं रह सकते हैं। आत्मिक अभ्यास का अर्थ है, सत्य आत्मिक ज्ञान व मेडिटेशन के अभ्यास द्वारा आत्मा को जागृत, गुणवान हो तथा शक्तिशाली बनाते हुए उसके गुण एवं शक्तियों को अपने कार्य व्यवहार में लगाना है। ऐसा अभ्यास करने से कर्तव्यों के पालन के साथ सफल जिंदगी बिताने में सहायक सिद्ध होता है। हैप्पीनेस प्रोग्राम भी इसी की एक कड़ी है। इस मौके पर हैप्पीनेस प्रोग्राम के स्थानीय व्यवस्थापक चन्द्र मोहन प्रसाद एवं अरविंद जायसवाल ने बताया इस शिविर में कोई भी व्यक्ति अपना रजिस्ट्रेशन करा लाभ ले सकता है।

शहर में अतिक्रमण हटाने पर एसडीएम, एसडीपीओ एवं ईओ ने किया बैठक

फुटकर विक्रेताओं के लिए वैकल्पिक स्थान तय नहीं ,उलंघन पर होगी कार्रवाई

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। स्थानीय शहर में होने वाले अतिक्रमण समस्या को लेकर मुख्य पथ स्थित नगर परिषद के जन सुविधा केंद्र के प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी प्रशिक्षु आईएएस शिवाक्षी दीक्षित ने की। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार एवं नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. मनीष कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उक्त बैठक में मुख्य रूप से अतिक्रमण और जाम की समस्या पर चर्चा हुई। जिसमें कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने बताया

कि फुटकर विक्रेताओं को अस्थायी रूप से सैनिक रोड में शिफ्ट करने की योजना बनाई गई है।

इसके लिए रविवार तक का समय दिया गया है। एसडीएम सुश्री दीक्षित ने कहा कि फुटकर विक्रेताओं को स्थायी जगह उपलब्ध कराने से बार-बार हटाने की समस्या इससे खत्म हो जाएगी, उन्होंने निर्देश भी दिया कि मेन रोड पर एक भी ठेला आदि मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने डिवाइडर खाली रखने का सख्त निर्देश दिया है। डॉ. मनीष कुमार ने आश्वासन दिया कि आवंटित जगह पर पेयजल और शौचालय की सुविधा नगर परिषद द्वारा दी जाएगी। बैठक में अन्य अधिकारियों ने भी इस पहल में सहयोग की पूरी अपील की।

पगार बुक ऐप में कर्मी के कार्य और वेतन का रहेगा पूरा ब्यौरा:महापौर

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया। नगर निगम के सभागार में समारोह पूर्वक सभी जोनल सफाई पर्यवेक्षकों और 46 वार्ड जमादारों को महापौर द्वारा स्मार्ट फोन मुहैया कराया गया। ताकि सभी 46 वार्ड जमादारों और सभी पांच जोन के जोनल पर्यवेक्षकों के माध्यम से पगार बुक ऐप का पगार बुक ऐप उपयोग सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम का संचालन नगर उपयुक्त गोपाल कुमार ने किया। इस मौके पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि आज आप सबको नगर निगम प्रशासन द्वारा स्मार्ट फोन मुहैया कराया जा

रहा है।यह इस लिए कि नए साल के पहले माह से ही अपने नगर निगम में पगार बुक प्रभावी हो रहा है। महापौर श्रीमति सिकारिया ने कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग के स्तर से बायोमेट्रिक हाजरी से ही कर्मचारियों के भुगतान का आदेश जारी किया गया। पगार एक विशेष ऐप है, जिसका उपयोग कर्मचारी प्रबंधन, कार्य और वेतन प्रबंधन में अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके माध्यम से आप सभी जहां अपने सभी अधीनस्थ कर्मचारियों की निगरानी और प्रबंधन कर सकेंगे। सभी सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति का उचित प्रबंधन कर सकते हैं। कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्य और उनके वेतन का रिकॉर्ड भी इस ऐप के माध्यम से संग्रहित कर सकते हैं। पगार बुक ऐप में वेतन मानदेय भुगतान, अग्रिम और प्रारंभिक वेतन को भी रिकॉर्ड रखने के साथ उसका सही से प्रबंधन भी किया जा सकेगा। महापौर ने कहा कि इस ऐप का उपयोग विभागीय निर्देश के विपरीत महीनों विलंब से शुरू हो रहा है। इसका एक लाभ यह भी होगा कि इसके माध्यम से एक एक सफाई कर्मियों के कार्य का पूरा लेखा जोखा सत्यापित रूप में वर्षों तक संग्रहीत और उपलब्ध रहेगा। इस मौके पर जोनल पर्यवेक्षक, सभी जमादार इत्यादि उपस्थित रहे।

मैनाटांड़ के बरवां में 1 ही फोटो के सहारे मनरेगा में दर्ज की जा रही फर्जी हाजरी

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह) ।पश्चिमी चंपारण जिले के मैनाटांड़ प्रखंड में मनरेगा योजना में मजदूरों की ऑन लाइन हाजिरी के दौरान बड़े पैमाने पर मनमानी बरती जा रही है।आपसी साठगांठ के चलते कई ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन हाजिरी में लगे मजदूरों की एक ही फोटो दो-तीन दिनों से लगातार अपलोड कर हाजिरी दर्ज कराई जा रही हैं। इतना ही नहीं बताया जाता है कि कागजों में फर्जी कर भुगतान भी किया जा रहा है।

1 ही पुरानी फोटो को कई दिन से किया जा रहा अपलोड

मामला मैनाटांड़ प्रखंड के बरवां पंचायत का है। पंचायत में मनरेगा योजना सेह्लुकान के खेत से अमरजीत के खेत तक सड़क में मिट्टी भराई एवं ईंट सोलिंग कार्यह्लमें 56 मजदूरों का मस्टर रॉल चल रहा है।दिनांक 7/1/25 को बिना कुदाल और टोकरी के खड़े कुछ लोगों की जो फोटो मस्टर रोल में अपलोड की गई थी फिर वही फोटो को 8/1/25 को भी अपलोड करके कार्य दिखाया जा रहा था।वही फोटो में भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि फोटो पुरानी है।वहीं विश्वसनीय सूत्र बतातें है कि पंचायत में मनरेगा से चल रही अलग अलग 6 योजनाओं में लगभग 413 मजदूरों की फर्जी हाजरी बनाई जा रही है।धरातल पर कहीं भी कार्य का पता नही है।वही सूत्र बतातें है कि ऑनलाइन हाजिरी में फर्जी हाजरी का यह खेल मनरेगाकर्मी की मिली भगत से चल रहा है।और फर्जी हाजरी पर ही लाखों का भुगतान भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने जिलेवासियों को दिया मेडिकल कॉलेज और अन्य योजनाओं का उपहार

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जयप्रकाश विश्वविद्यालय परिसर के अंदर 25 एकड़ में बन रहे राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा बीएससी नर्सिंग कॉलेज का विधिवत उद्घाटन कर जिले वासियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह उपहार प्रदान किया। अब क्षेत्र के किसी भी मरीज को पी एम सी एच जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। तथा मेडिकल कॉलेज में अपने इलाज का सपना मरीज सरकार कर सकेंगे मेडिकल कॉलेज पर एक नजर डाले तो सारण जिलान्तर्गत राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के भवन निर्माण वित्तीय वर्ष 2017-18 में 349.78 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति एवं विकसित बिहार के सात निश्चय योजना अन्तर्गत बी.एससी. नर्सिंग के भवन निर्माण हेतु 26.49 करोड़ रुपए की प्रशासनि स्वीकृति के आलोक में बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम द्वारा निविदा निष्पादित कर दिनांक 28.02.2019 को कार्य प्रारम्भ किया गया। कार्य क्षेत्र में परिवर्तन के कारण पुनः 655.67 करोड़ रुपए की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

महाविद्यालय एवं अस्पताल के भवन निर्माण उपरान्त वार्षिक 100 छात्रों का एम.बी.बी.एस नामांकन एवं 500 शैय्या के अस्पताल के निर्माण के फलस्वरूप सारण जिला सहित पूरे सारण प्रमण्डल के आम जनों को स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त होगी।

भवन की मुख्य विशेषताएँ पर नजर डाला जाए तो शैक्षणिक भवन (महाविद्यालय) भवन जी +3) का निर्माण आधुनिक तकनीक से क्षेत्रफल 15419.09 वर्ग मीटर पर किया गया है। भवन में प्राचार्य एवं संकाय कक्ष के अतिरिक्त चिकित्सा शिक्षा से सबंधित सभी प्रयोगशालाएं इस भवन में उपलब्ध हैं।

वही अस्पताल भवन बी +जी +6 का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक से कुल क्षेत्रफल वर्ग मीटर पर किया गया है। भवन में रोगियों के बेहतर उपचार के लिए सभी अत्या सुविधाएं दी गयी हैं। भवन में कुल 9 मेजर ओ टी एवं 2 माइनर ओ टी का प्रावधन किया गया है। साथ ही बी.एस.सी. नर्सिंग महाविद्यालय एवं छात्रावास भवन जी +9 का निर्माण आधुनिक तकनीक से कुल क्षेत्रफल 9398 वर्ग मीटर पर किया गया है। महाविद्यालय में छात्र छात्राओं का वार्षिक नामांकन 60 एवं 210 छात्र एवं छात्राओं हेतु छात्रावास की व्यवस्था की गई है।गौरतलब है कि छात्रावास परिसर 23276 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाया गया है जिसमें 531 छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराया गया है । इसके अलावे 100 इंटर्न एवं 56 जूनियर रेजिडेंट हेतु आवास की व्यवस्था की गई है। चिकित्सा एवं कर्मचारी आवास परिसर 21300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाया गया है जिसमें डॉक्टर एवं कर्मचारी हेतु आधुनिक सुविधा संपन्न आवास की व्यवस्था की गई है।

उसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का काफिला सारण के गड़खा प्रखंड के । मोहमदा गांव पहुंचा वहां उन्होंने कई कल्याणकारी योजना हो का शुभारंभ किया। इसमें बच्चों के लिए जिम फुटबॉल बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट भी बनाया गया है। वही मुख्यमंत्री ने महमदा गांव में आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 199, मंगल टोला स्थित तेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का शुभारंभ किया इन योजनाओं की लागत लगभग 7: 50 करोड़ है। वही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आंगनबाड़ी में पोषण वाटिका का भी उद्घाटन किया। किसके साथ ही राजकीय मध्य विद्यालय सह उत्तर माध्यमिक विद्यालय महम्दा गड़खा में पुस्तकालय का उद्घाटन एवं जीविका दीदीयो के साथ संवाद भी स्थापित किया उसके बाद मुख्यमंत्री एकमा के लिए प्रस्थान कर गए।

एकमा से लौटने के दौरान उन्होंने सारण कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें सारण प्रमंडल की आयुक्त डीआईजी छपरा सीवान गोपालगंज के जिलाधिकारी और एसपी के साथ सारण सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, विजय चौधरी, तथा कई पार्टियों के नेता उपस्थित थे।

नहीं रहे सामाजिक कार्यकर्ता भृगुनाथ चौरसिया

इसुआपुर । इसुआपुर बाजार के व्यवसाई सामाजिक कार्यकर्ता तथा इसुआपुर पंचायत के बीडीसी सदस्य मुकेश चौरसिया के पिता भृगुनाथ चौरसिया का असामयिक निधन बुधवार को हो गया। उनके निधन की खबर सुनते ही प्रखंड में शोक की लहर व्याप्त हो गई । सैकड़ों की संख्या मे जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा आम लोगों ने उनके पैतृक आवास पहुंचकर दिवंगत सामाजिक कार्यकर्ता के पार्थिव शरीर पर फूल माला चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मालूम हो कि 55 वर्षीय भृगुनाथ चौरसिया की तबीयत खराब होने पर उनका इलाज आइजीआइएमएस पटना में चल रहा था। उनके निधन की खबर सुनते ही इसुआपुर बाजार के दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर शोक जताया। वहीं कल गुरुवार को इसुआपुर बाजार पर एक श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में स्थानीय विधायक जनक सिंह ,पूर्व विधायक मुद्रिका प्रसाद राय, सारण विकास मंच के संयोजक वरीय नेता शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला पार्षद छबीनाथ सिंह, प्रखंड प्रमुख मितेंद्र प्रसाद यादव, उपप्रमुख प्रतिनिधि डब्लू ओझा, मुखिया धनंजय पांडेय, अमरनाथ प्रसाद, विशेश्वर चौरसिया, उमा चौरसिया, ढ़ोलन सिंह, पप्पू चौरसिया, राजेश चौरसिया, विजय चौरसिया व अन्य शामिल हैं।

भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का किया स्वागत

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।भाजपा नेताओं ने किया मेडिकल कॉलेज में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे का स्वागत मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान आज भाजपा नेताओं ने भाजपा जिला अध्यक्ष एवं बीस स्त्री उपाध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री एनडीए के नेता नीतीश कुमार एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे जी को पुष्प देकर स्वागत किया इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि सारण के लिए और हम सबके लिए गौरव की बात है कि सारण को इतना बड़ा सौगात मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के रूप में मिला अब सारण के लोगों को बाहर इलाज करने के लिए नहीं जाना पड़ेगा तथा मेडिकल पढ़ने वाले बच्चों को भी पढ़ने की सुविधा भी मिलेगी राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सारण के लिए इतनी सौगात देने के लिए साधुवाद दिया पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश उपाध्याय ने धन्यवाद देते हुए कहा कि निश्चित रूप से विकास पुरुष है नीतीश कुमार महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने स्वागत एवं धन्यवाद देते हुए कहा कि सारन के साथ पूरे बिहार में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में बिहार के मुख्यमंत्री का कार्य अभूतपूर्व एवं अतुलनीय है भाजपा जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत करने वालों में पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ,वेद प्रकाश उपाध्याय आदि थे।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 15 जनवरी को एनडीए नेताओं का महाजुटान

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा।बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित है लिहाजा बगहा में 15 जनवरी को एनडीए नेताओं का महाजुटान होने जा रहा है।

दर असल 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महत्वपूर्ण साल है जब एनडीए और महागठबंधन के नेताओं के यात्रा का दौर जारी है एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नें बगहा के वाल्मीकिनगर स्थित सन्तपुर घोठवा टोला से 23 दिसम्बर को प्रगति यात्रा की शुरूआत की जिसपर सियासत गरमाई है तो वहीं तेजस्वी यादव भी ताबड़तोड़ यात्रा में जुटे हैंह्ल,जब 11 जनवरी को उनके बगहा पहुंचने की तैयारी में महागठबंधन जुटा है लिहाजा

वार पलटवार का दौर शुरू हो गया है। मंगलवार को गहमागहमी के बीच एनडीए नेताओं की बैठक आईबी गेस्ट हाउस में बुलाई गईं जिसके बाद बीजेपी जिलाध्यक्ष बीएन तिवारी को हटाकर अचिंतय कुमार लल्ला के कंधों पर नई जिम्मेवारी सौंपी गईं। इस दौरान बगहा पहुंचे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और बगहा बीजेपी प्रभारी रामसूरत राय ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी केवल बयानबाजी में व्यस्त रहते हैं और जब-जब विधानसभा सत्र चलता है, तो वें सदन से गायब रहते हैं या फिर विदेश यात्रा पर निकल जाते हैं तो उनके यात्रा का कोई मतलब नहीं । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा पर तेजस्वी यादव के तंज का जवाब देते हुए बीजेपी प्रभारी ने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से लगातार बिहार के विकास के लिए यात्राएं कर रहे हैं। बिहार में जो भी विकास हुआ है, वह एनडीए की सरकार में नीतीश कुमार के प्रयास से हुआ है, देश में मोदी सरकार और बिहार में नीतीश सरकार में विकास कार्य तेज गति से हो रहें हैं ।

तेजस्वी यादव को विकास के बारे में कुछ भी पता नहीं है अंड बंड बोलने से कुछ नहीं होता है बिहार की जनता सब जानती और समझती है । वहीं बीपीएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन में बीना बुलाये कूदे जनसुराज नेता पीके पर निशाना साधते हुए बीजेपी नेता रामसूरत राय नें कहा की प्रशांत किशोर अपना चेहरा चमका रहें हैं, बीना अनुमति के धरना दें रहें पीके का छात्रों नें भी तिरस्कार किया है ।

बगहा जिला बीजेपी प्रभारी ने आगे दावा किया है की इस चुनावी साल में बीजेपी के नवागत जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद उर्फ अचिंतय लल्ला के नेतृत्व में बीजेपी यहां की सभी सीटों पर चुनाव जीतेगी और बिहार में एनडीए 225 सीटों का लक्ष्य पूरा कर मजबूती के साथ पुनः नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाएगी ।

बता दें की बिहार बीजेपी नें अबकी बार बिल्कुल युवा चेहरे पर भरोसा जताया है जब पिछड़ी जाति व वैश्य वर्ग से रामेश्वर प्रसाद उर्फ अचिंतय लल्ला को चुनावी साल में बगहा जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है और इसी बहाने पिछड़े व वैश्य वर्ग को साधने की कोशिश कितना कारगर होंगी यह तो विधानसभा चुनाव में पता चलेगा फिलहाल एक स्वर में पूर्व मंत्री राजेश सिंह, पद्मश्री विधायक भागीरथी देवी और सदर विधायक राम सिंह के साथ सैकड़ों समर्थकों और कार्यकताओं नें एकजुटता दिखातें हुए सबको साथ लेकर चलने वाली एक मात्र पार्टी बीजेपी को बताया है।

रैपिड एक्शन फोर्स मुख्यालय में जवान कर रहे मोटे अनाज का इस्तेमाल

कमांडेंट ने कहा :खाने में केमिकल फर्टीलाइजर उपयोग से बढ़ रहे रोग

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोईलवर स्थित रैपिड एक्शन फोर्स के बटालियन हेडक्वार्टर में स्वास्थ्यवर्धक मोटा अनाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री अन्न उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 114 वीं बटालियन के कमांडेंट अश्विनी कुमार झा ने फीता काटकर किया। श्री अन्न उत्सव के दौरान मेले का भी आयोजन किया गया जहां मोटे अनाज के पकवानों से सम्बंधित विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए थे। साथ ही बल के जवानों द्वारा परंपरागत भांगड़ा एवं गिद्दा नृत्यों की भी आकर्षक प्रस्तुति दी गयी। कमांडेंट अश्वनी झा ने बताया कि मिलेट्स, यानी मोटा अनाज, की प्रदर्शनी एवं इसके उपयोग को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मिलेट्स के स्वास्थ्यवर्धक गुणों को बढ़ावा देना और लोगों को इसके उपयोग के बारे में जागरूक करना है। कार्यक्रम में मिलेट्स की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें ज्वार, बाजरा, रागी और कंगनी जैसे अनाज शामिल थे.इसके अलावा, मिलेट्स से बने विभिन्न खानपान जैसे कि मक्के बाजरा रागी के रोटी,मिठाई,इडली,बड़े लड्डू समेत अन्य विभिन्न स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की भी प्रदर्शनी एवं बिक्री के स्टॉल लगाये गए। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश खाद्यान्न आत्मनिर्भरता में बहुत आगे बढ़ चुका है, लेकिन इसके साइड इफेक्ट भी पड़े हैं।केमिकल फर्टीलाइजर के अत्यधिक उपयोग से तमाम रोग बढ़े हैं।उन्होंने कहा कि श्री अन्न का उत्पादन कम पानी वाले क्षेत्रों में भी होता है। हमें इसका उत्पादन बढ़ाने के लिए इस दिशा में व्यापक पैमाने पर शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है।ये खुशी की बात है कि आज हर परिवार में श्री अन्न का किसी ना किसी रूप में प्रयोग होना शुरू हो गया है। अब इस दिशा में व्यापक रूप से प्रयास प्रारंभ हुआ है। आज मिलेट्स से नये-नये उत्पाद बनाना शुरू हो गये हैं। ये पौष्टिक होने के साथ ही खाने में भी स्वादिष्ट होते हैं। कार्यक्रम के दौरान बल के जवानों के बीच मिलेट्स के स्वास्थ्यवर्धक गुणों पर चर्चा की गयी और इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

बढ़ती ठंड से बचाव के लिए जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

डेहरी-ऑन-सोन(रोहतास): मानवाधिकार सामाजिक सुरक्षा जन-कल्याण संघ और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) डेहरी के संयुक्त प्रयास से बढ़ती ठंड से बचाव के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य ठंड के मौसम में रेल यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा और ठंड से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानवाधिकार सामाजिक सुरक्षा जन-कल्याण संघ के अध्यक्ष श्री संजीत कुमार गुप्ता और आरपीएफ निरीक्षक राम विलास राम ने की। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को ठंड के मौसम में एकजुट होकर एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। अभियान के दौरान यात्रियों को गर्म कपड़ों के महत्व, ठंडे पानी से बचने और रात्रि में यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई। इस दौरान उपस्थित वक्ताओं ने अपील की कि लोग ठंड के मौसम में जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं।

इस अभियान के प्रति स्थानीय लोगों और यात्रियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में संस्था के सूचना प्रभारी प्रताप कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष ऋतुराज उपाध्याय, राष्ट्रीय सलाहकार नीतीश कुमार, विकास कुमार, धीरज कुमार, वही आरपीएफ के उपनिरीक्षक अमरजीत दास, सहायक उपनिरीक्षक मनोज कुमार चौधरी, प्रधान आरक्षी रामचन्द्र यादव, आरक्षी सम्मी कुमार शैलेश कुमार, मुकेश कुमार दुबे आदि उपस्थित थे।

संझौली में तीन पर विद्युत ऊर्जा चोरी की प्राथमिकी दर्ज

संझौली(रोहतास)। बिजली चोरी के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रखंड-संझौली में अवैध रूप से बिजली चोरी करने को लेकर जुर्माना लगाते हुए तीन लोगो पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। बताते चलें की ग्राम-चरपुरवा में मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर कमलेश महतो पर 11375, श्रीराम सिंह पर 12988 रुपये राजस्व की क्षति लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर से पहले एक अतिरिक्त तार खिंचकर मीटर को बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी, जिसके कारण वास्तविक पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताते चलें की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत तार संयोजित कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर ग्राम-चैता बहोरी के रामप्रवेश राम पर 14760 रुपये राजस्व की क्षति लगायी गयी है। सहायक विद्युत अभियंता, विक्रमगंज राज कुमार के द्वारा सभी व्यक्तियों से आग्रह किया गया है कि जो भी व्यक्ति विद्युत कनेक्शन नहीं लिए हैं वह सुविधा एप्प के माध्यम से आवेदन विद्युत कनेक्शन ले लें।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के जन्म जयंती पर चिकित्सा कैंप का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। 5 जनवरी को पूर्व उपमुख्यमंत्री श्रद्धा श्रद्धये सुशील कुमार मोदी जी के जन्म जयंती के शुभ अवसर पर लेकर भोजपुर जिला में साप्ताहिक कार्यक्रम को लेकर तृतीय दिन संदेश विधानसभा के गजराजगंज मंडल के अंतर्गत मसाड गांव में चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया इसमें गांव के लोगों का जांच कर मुफ्त दवा का वितरण किया गया और लगभग 400 लोगों का जांच किया गया इस चिकित्सा कार्यक्रम का आयोजन समर्पण हॉस्पिटल के द्वारा किया गया था जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दुर्गाराज जी ने किया इस कार्यक्रम में बीजेपी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विशुद्ध बिभु जैन , संदेश विधानसभा के संयोजक राम दिनेश यादव, डॉ आदित्य विजय जैन, प्रतीक चंद्रवंशी जिला मंत्री संतोष चंद्रवंशी,निशांत सेंगर,उधारी बाबा,संजय सिंह सुनील कुमार ,राहुल चंद्रवंशी, संतोष यादव,अरविंद यादव उपस्थित थे इस कार्यक्रम के संयोजक गजराजगंज मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र जी और प्रतीक चंद्रवंशी थे ,डॉ जीशान अली, डॉ अमन भारद्वाज, डॉ चंद्रकांत, डॉ पंकज, डॉ मुस्कान, अक्षय जी और करण, प्रीति, ममता, प्रियंका।।। जिसकी जानकारी मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा अरिहंत विजय जैन ने दी

डीएम व एसपी ने जाम हटाने को ले आरा–बबुरा पथ एवं कोईलवर पुल का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । जिला पदाधिकारी,भोजपुर एवं पुलिस अधीक्षक,भोजपुर ने जाम की समस्या के समाधान हेतु आरा-बबुरा पथ एवं कोईलवर पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मनभावन चौक के पास आरा-बबुरा रोड पर स्लिप रोड के निर्माण का निर्देश दिया। उन्होंने जमालपुर में रोड के किनारे अतिक्रमण हटाने,आरा-बबुरा रोड के दोनों किनारों पर मिट्टी भरकर फ्लैंक का निर्माण करने, और साइड के विटुमिनस रोड में जगह-जगह बने छोटे गड्ढों को भरने का निर्देश दिया।इसके साथ ही कंक्रीट कार्य को शीघ्र पूरा करने का आदेश कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग को दिया।जिलाधिकारी ने जिला खनन पदाधिकारी को मनभावन चौक के पास एक कंट्रोल रूम बनाने का भी निर्देश दिया, जिससे बिहटा से समन्वय स्थापित कर कोईलवर पुल पर बालू लदे वाहनों की सुचारू और निरंतर आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी (आरा सदर), भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता (पथ निर्माण), अंचलाधिकारी कोईलवर एवं अन्य उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी भोजपुर की अध्यक्षता में कृषि विभाग अंतर्गत क्रियान्वित योजनाओं का किया गया समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा ।जिला पदाधिकारी भोजपुर, श्री तनय सुल्तानिया (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में कृषि विभाग अंतर्गत क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से डिजिटल क्रॉप सर्वे, कृषि यंत्रीकरण योजना, उर्वरक प्राप्ति एवं वितरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, बीज वितरण, रबी आच्छादन, एवं आत्मा योजना के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य हर हाल में 15 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। कृषि यंत्रीकरण योजना में लंबित भुगतान को तत्काल सुनिश्चित करने और उर्वरक प्राप्ति एवं वितरण के तहत जिले के सभी खुदरा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी करने का आदेश दिया गया।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

इस बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, उप परियोजना निदेशक, सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, आत्मा योजना के अधिकारी, सहायक निदेशक (रसायन), सहायक निदेशक (भूमि संरक्षण) एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बरहरा में पूर्व के विवाद में वारंटी को किया गया गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा प्रखंड अंतर्गत राजकिशोर चौधरी पिता श्यामलाल चौधरी ग्राम काजीचक रहने वाले को पूर्व के केस में वारंट होने के कारण बडहरा थाना ने गुप्त सूचना के आधार पर वारंटी को किया गिरफ्तार भेजा जेल।

बाईपास रोड में अतिक्रमण अभियान चलाया गया

भोजपुर। जिला अधिकारी के आदेश पर नगर निगम के द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया गया कायमनगर से जीरो माइल के बीच पथ निर्माण कार्य के मार्ग अरिखन में आ रहे अवैध संरचनाओं एवं अवरोध को हटाने के लिए अतिक्रमण ड्राइव चलाया जा रहा है। उसके बाद धरहरा पुल से बायपास रोड में भी अतिक्रमण चलाया गया इस अतिक्रमण अभियान में नगर निगम के अधिकारी के अलावा जिला के पुलिस बल एवं पदाधिकारी भी शामिल थे।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

काराकाट(रोहतास)।काराकाट पुलिस ने बुधवार की सुबह थाना क्षेत्र के मोथा गांव में छापेमारी कर मारपीट मामले के एक अभयुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभयुक्त की मोथा गांव निवासी शिव नारायण के पुत्र राघवेंद्र देव गुप्ता बताया गया है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ उक्त गांव निवासी कृष्ण राज गुप्ता की पत्नी रेणु देवी ने मारपीट करने कि मामला दर्ज कराया गया था । मामले में कुल 8 लोगों को आरोपित बनाया गया था।जिसमे से एक अभयुक्त को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर से गिरफ्तार किया हैं। उन्होंने कह की उक्त मामले के अन्य आरोपियों का भी बहुत जल्द गिरफ्तारी की जाएगी । आरोपी के खिलाफ कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुकेश बने डेहरी विधिक संघ के मीडिया प्रभारी

डेहरी आन सोन (रोहतास) । डेहरी विधिक संघ के विशेष आमंत्रित सदस्य मुकेश पांडेय को संघ के मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर अधिवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। संघ के अध्यक्ष उमाशंकर पांडेय उर्फ मुटुर पांडेय द्वारा इस संबंध में जारी मनोनयन पत्र में कहा गया है कि संघ के सदस्यों व आम जनता के हित में मीडिया के माध्यम से श्री पांडेय अपने नये दायित्व का निर्वहन करेंगे बधाई देने वालों में संघ के महासचिव रितेश कुमार उपाध्यक्ष मिथलेश कुमार सिन्हा सहायक सचिव अमरनाथ सिंह उपाध्यक्ष काशीनाथ गुप्ता वो खुर्शीद आलम अंकेक्षण विनोद पाठक कोषाध्यक्ष विनोद पाल पूर्व अध्यक्ष रमाकांत दुबे आदि थे।

नशे का शिकार बन रही युवा पीढ़ी

प्रातः किरण संवाददाता

करगहर (रोहतास)।एक तरफ जहां युवा वर्ग से देश को काफी आशाएं हैं, वहीं दूसरी ओर माता-पिता भी अपने जवान बेटों को देखकर उनसे काफी उम्मीदें लगाने लग जाते हैं।लेकिन अच्छे संस्कार न मिलने के कारण कुछ युवा गलत आदतों के भी शिकार हो जाते हैं।जिसके चलते क्षेत्र में आजकल युवा वर्ग में नशे की प्रवृत्ति कुछ ज्यादा ही बढ़ती जा रही है।क्षेत्र में अवैध रूप से मिल रहे जगहों जब नशेडिों की भीड़ जुटती है तो उसमें से आधी से ज्यादा युवा वर्ग की देखने को मिलती है।विशेष तौर पर इस युवा वर्ग में भी वे युवा शामिल है तो शिक्षित व धनाढ परिवार से संबंध रखते है।

अगर यह कहा जाए कि युवा वर्ग में नशा करना एक फैशन की बात हो गई है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अगर समय रहते युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी पर कोई नियंत्रण नहीं रखा गया तो ये धारणा भविष्य के लिए खतरा बन सकती है।युवा वर्ग में नशा करने के बाद लड़ाई-झगड़ा करना भी एक आम बात हो गई है।क्षेत्र में जितने भी अपराध हो रहे हैं, उनमें ज्यादातर अपराधी युवा वर्ग से ही आते है। जो एक ङ्कूषचता का विषय है।युवा वर्ग नशे की ओर बढ़ रहे है जिसका कारण एक ओर भी है कि गाँवों में पर जगह जगह शराब मिलने के कारण हैं जिससे युवा वर्ग को आसानी से शराब व बीयर उपलब्ध हो जाती है।वहीं उसे सुविधाजनक तरीके से शराब पीने का स्थान भी मिल जाता है।साथ कुछ युवा हिरोइन, सुलेशन का भी आदि हो गये है।

क्षेत्र के कुछ बुद्धिजीवियों व सामाजिक सगंठनों ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन से इस संबंध में अनुरोध करते हुए युवा वर्ग में बढ़ती शराब की लत पर कुछ नियंत्रण करने की मांग की है।उधर, एक बात ओर देखने में आई है कि विवाह या अन्य समारोह में युवाओं की तादाद ज्यादा दिखाई देती है और उनमें से अधिकतर युवा इन समारोह में नशे का शिकार होते हैं। कुछ युवा तो नशा करने के बाद यह कह कर पल्ला झाड़ लेते है कि आज यह समारोह होने के कारण ही उसने नशा किया है लेकिन यही आदत धीरे-धीरे उसको नशे का आदी बना देती है।

यहां यह करने में भी अतिश्योक्ति नहीं होगी की विवाह समारोह में अपने अभिभावकों के सामने ही शराब आदि का नशा कर लेता है लेकिन अभिभावक भी अपने युवा बेटे की इस हरकत पर कोई ध्यान नहीं देता है।माता-पिता की यह छोटी सी गलती ही उसके युवा बेटे को नशे की गर्त में धकेल देती।

फुटबॉल टूर्नामेंट 2024 –25 मोइनुल हक ट्रॉफी का किया गया उद्घाटन

सासाराम(रोहतास) । न्यू स्टेडियम फजलगंज सासाराम में रोहतास जिला फुटबॉल संघ द्वारा आयोजित बिहार फुटबॉल टूनामेंट 2024 -25 मोइनुल हक ट्रॉफी का भव्य उद्घाटन हुआ।जिसका उद्घाटन सासाराम नगर निगम के मेयर काजल कुमारी , उप मेयर सत्यवंती देवी एवं रोहतास जिला खेल पदाधिकारी विनय प्रताप सिंह के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद गुब्बारा एवं कबूतर को आकाश में छोड़कर किया गया। राष्ट्रीय गान के बाद मैच का शुरूआत हुआ। उद्घाटन मैच रोहतास बनाम अरवल के बीच हुआ।

जिसमें रोहतास की टीम 2- 0 से विजई हुई ।दूसरा मैच भोजपुर बनाम कैमूर के बीच हुआ । निर्णायक की भूमिका में बिहार फुटबॉल एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त संतोष कुमार, शशि मोहन सिंह, अंतिम कुमार, मनीष कुमार, उपेंद्र यादव, सुनील चंद्रवंशी रहे।

जदयू के बैठक में लोक कल्याणकारी योजना एवं पंचायत मजबूती पर चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा,भोजपुर जिला जदयू एवं आरा महानगर जदयू की संयुक्त बैठक जदयू जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में परिसदन आरा के सभागार में आयोजित हुई। धन्यवाद ज्ञापन महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी द्वारा किया गया।बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव संगठन विधानपार्षद रविन्द्र सिंह, राष्ट्रीय महासचिव सह विधानपार्षद भगवान सिंह कुशवाहा, प्रदेश महासचिव मनोरंजन गिरी उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को अंग वस्त्र एवं बुके से सम्मानित करने से हुई।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव संगठन विधानपार्षद रविन्द्र सिंह द्वारा बैठक में उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष/ सेक्टर अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष और जिले के वरिष्ठ साथियों को पार्टी के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत चर्चा की गई और इन सभी कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं इसका लाभ जरूरतमंद लोगों को दिलाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने शीर्ष नेतृत्व द्वारा तय की गई 2025 विधानसभा सीटों को जीतने के लिए पूरी मजबूती से लग जाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में संगठन प्रभारी अशोक कुमार चौबे उर्फ पप्पू चौबे, कार्यालय प्रभारी सह प्रवक्ता शंभु प्रसाद सोनी, अभियान प्रभारी भीम सिंह पटेल, कोषाध्यक्ष मनोज पांडेय, संजय चौधरी, अभय विश्वास भट्ट, जयशंकर कुशवाहा, फिरोजा खातून, अमरीश सिंह, मनोज सिंह कुशवाहा, सुमेर सिंह कुशवाहा, रविन्द्र नाथ सिंह, विकास सिंह, अक्षयलाल चौधरी, अनूप पटेल, दुर्गा पटेल, मुन्ना बाबा सहित काफी संख्या में जिला जदयू एवं आरा महानगर के साथी उपस्थित थे।

जरूरतमंद लोगों की सेवा करने से मिलती है खुशीः सोनाली

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। सम्पूर्ण बड़हरा मेरा परिवार और मैं बड़हरा की बेटी हूं और लोगों का अपार स्नेह और आशीर्वाद मुझे प्राप्त हो रहा है ।इससे बड़ी खुशी मेरे लिए कुछ नहीं है ।उक्त बातें बड़हरा विधानसभा की चर्चित समाज सेविका सोनाली सिंह ने एक कंबल एक मुस्कान अभियान के तहत लोगों को कंबल वितरण करते हुए बताया। उन्होंने कहा कि कहीं कड़ाके की ठंड एवं तापमान में लगातार हो रहे गिरावट के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वही सोनाली सिंह जी और युवा सवाज सेवी अमित भारद्वाज के टीम के द्वारा बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के बबुरा पश्चिमी पंचायत के बड़ी दुर्गा भवन शिव मंदिर के पास कंबल वितरण किया गया और बबुरा पूर्वी पंचायत के बिंदटोली में समुदायिक भवन के पास फुहा मे भी लगभग 2000 ग्रामीण के बीच कंबल वितरण किया गया ।वही बबुरा के बड़ी दुर्गा मंदिर के समीप भी टीम सोनाली सिंह के द्वारा हजारों ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया गया ।इस मौके पर उन्होंने कहा कि समाज सेवा उनको विरासत में मिली है और मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। इसलिए वह सेवा भाव से काम कर रही है और बड़हरा के लोगों के हर सुख दुख में शामिल रहेंगे। वही इस ठंड के मौसम में कंबल पाकर लोग काफी खुश दिखे और लोगों ने सोनाली सिंह समेत अन्य लोगों को इसके लिए धन्यवाद दिया। इस कंबल वितरण समारोह में उपस्थित लोगों में संजय जी मुखिया बबुरा पश्चिमी पंचायत रंजय जी बबुरा पूर्वी पंचायत मुखिया राममेश्वर राम जी बब्लू जी गोलू अमित नंदन सुमन जी जय कुमार पांडे , रामकुमार सिंह, गोविंद कुमार यादव, फूल कुमारी देवी, राजन कुमार सिंह, दीपक कुमार समेत पंचायत के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

पटना में पकड़ा गया भोजपुर का मोस्ट वांटेड बिलाल मियां, 10 दिन से पुलिस कर रही थी कैंप

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के कुख्यात बिलाल मियां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. उसपर एक लाख रुपये का इनाम रखा गया था. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पटना जिले के करबिगहिया थाना क्षेत्र से बिलाल को गिरफ्तार किया. भोजपुर एसपी राज ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उसकी गिरफ्तारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी. बिलाल की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी कामयाबी बता रही है.

बिलाल मियां को डीआईयू और नगर थानाध्यक्ष संयुक्त करवाई में पटना के करबिगहिया के पास से पकड़ा गया. रंगदारी के एक मामले में फरार था. इस पर पुलिस मुख्यालय ने 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था.- राज, एसपी भोजपुर कैसे पकड़ा गया मोस्ट वांटेडः भोजपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक लाख का इनामी अपराधी बिलाल मियां पटना में छिपा हुआ है.

इसके बाद भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज ने आरा नगर थानाध्यक्ष और डी. आई.यू की एक स्पेशल टीम का गठन किया. टीम ने 10 दिनों तक पटना में कैंप किया. आखिरकार एक लाख का इनामी कुख्यात अपराधी बिलाल मियां पटना के करबिगहिया से गिरफ्तार कर लिया गया.

रंगदारी मामले में थी तलाशः भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि बिलाल नगर थाना क्षेत्र के अबरपुल मोहल्ला का रहनेवाला है. उसपर रंगदारी, अपहरण, आर्म्स एक्ट, हत्या सहित कुल 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं. फिलहाल रंगदारी के एक मामले में उसकी तलाश की जा रही थी. अपहरण के उस मामले में 6 अपराधी पहले से गिरफ्तार किये गये हैं. बिलाल के साथ उसका एक साथी भी पकड़ा गया है.

प्रशांत किशोर और बीपीएससी अभ्यर्थियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई निंदनीय, जन सुराज बिहार के युवाओं के लिए सत्याग्रह जारी रखेगा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जन सुराज पार्टी के नेता चंद्रभानु गुप्ता आरा मे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के नेता प्रशांत किशोर के खिलाफ हुई कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। चंद्रभानु ने बताया कि प्रशांत किशोर इढरउ छात्रों के समर्थन में उनकी मांगों को लेकर गांधी मैदान में शांतिपूर्ण तरीके से 2 जनवरी से अनशन पर बैठे थे। 6 जनवरी की सुबह करीब 4 बजे पुलिस ने अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर, इढरउ छात्रों और अन्य समर्थकों को बलपूर्वक अनशन स्थल से हटाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करना देश के हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। गांधी मूर्ति के नीचे अगर बैठ कर कोई सत्याग्रह कर रहा है तो इसमें क्या गुनाह है? सरकार को इस बात का जवाब देना चाहिए।

चंद्रभानु ने आगे बताया कि जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर जी 2 जनवरी 2025 से लगातार आमरण अनशन पर हैं। बिहार में इढरउ परीक्षा में हुई धांधली और अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के आंदोलन को समर्थन देते हुए प्रशांत किशोर सबसे पहले 29 दिसंबर को पटना के गांधी मैदान में छात्र संसद में शामिल हुए थे। छात्र संसद में ये निर्णय हुआ कि मार्च निकाला जाए। पुलिस ने छात्रों के मार्च को जेपी गोलंबर पर रोक दिया था। प्रशांत किशोर जी छात्रों के प्रतिनिधिमंडल और हजारों छात्रों के साथ इस मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। अधिकारियों ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को बिहार के मुख्य सचिव से मिलवाने का वादा किया और सभी छात्रों से मार्च को खत्म करने की अपील की। प्रशांत जी ने भी ये बात मीडिया और छात्रों के साथ साझा किया। इसके प्रशांत जी और ज्यादातर छात्र वहां से लौट गए। इसके बाद पुलिस ने कायरतापूर्ण कार्रवाई करते हुए कुछ बचे हुए सैकड़ों छात्र पर लाठियां बरसाई, पानी की बौछार की और उन्हें बेरहमी से पीटा। इस घटना से प्रशांत किशोर जी बेहद आहत हुए। हालांकि अगले दिन छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के मुख्य सचिव से मुलाकात की और अपनी बातों को रखा। प्रशांत किशोर जी ने 30 दिसंबर को कहा कि अगर सरकार 2 दिनों में छात्रों की मांगों पर विचार नहीं करती है तो वो खुद 2 जनवरी से इढरउ के छात्रों के साथ सत्याग्रह करेंगे। सरकार ने इढरउ छात्रों की मांगें नहीं मानी। इसके बाद 2 जनवरी से प्रशांत किशोर जी छात्रों के साथ पटना में गांधी मैदान में गांधी मूर्ति के नीचे आमरण अनशन पर बैठ गए। उन्हें लगातार छात्रों का समर्थन मिलता रहा और बिहार के सभी ज़िलों के युवा, छात्र और उनके माता-पिता इस अभियान से जुड़ते चले गए और बड़ी संख्या में लोग पटना के गांधी मैदान पहुंच कर प्रशांत जी को अपना समर्थन देने लगे। प्रशांत जी को पूरे बिहार से मिल रहे इस व्यापक समर्थन से घबरा कर नीतीश और भाजपा की सरकार ने एक बार फिर कायरता दिखाई और 6 जनवरी के अहले सुबह करीब 4 बजे प्रशांत किशोर जी समेत सभी अनशनकारियों को जबरन उठाकर ले गई और गिरफ्तार कर उनके ऊपर त्रक्कक्कर दिया। प्रशांत जी को पुलिस 5 घंटे से अधिक एंबुलेंस और फिर अन्य वाहन में पटना और उसके आसपास के इलाके में घुमाती रही। फिर उन्हें कोर्ट लेकर गई, जहां से उन्हें जमानत मिल गया। छात्रों और आमलोगों ने इस पुलिसिया कार्रवाई का भारी विरोध किया। हजारों की संख्या में लोगों ने पटना में सड़क पर उतरकर प्रशांत किशोर और अन्य लोगों की गिरफ्तारी का विरोध किया।

सेवानिवृत्त एएसआई को कर्मचारी संघ द्वारा विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

अकोढ़ीगोला (रोहतास)। अकोढ़ीगोला थाना मे कार्यरत सब इंस्पेक्टर बिंदालाल जी सहर्ष अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करते हुए दिसम्बर माह मे जीवन का साठ साल पूरा कर चुके। लोगों ने बताया कि ये सरल स्वभाव के मृदु भाषी, मिलनसार और व्यक्तित्व के धनी थे। उनके कार्य और व्यवहार से प्रभावित लोगो ने मंगलवार देर शाम को अनुसूचित जाति, जनजाति कर्मचारी संघ अकोढीगोला के तत्वाधान में ह्ल विदाई सह सम्मानह्व समारोह का आयोजन किया गया। जिसका अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र राम, और संचालन संयुक्त जिला सचिव सुनील कुमार, ने किया। जिला प्रचार सचिव सह अकोढ़ीगोला प्रखंड सचिव राजेश्वर राम, प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र राम, जन अधिकार फाउंडेशन से सुजीत कुमार ने संबोधित किया। मुकेश राम डीलर, राम केशी राम, मनोज कुमार, संतोष कुमार, सरोज कुमार, संजय दास, रामबली सहित दर्जनों लोगो ने बुके, अंगवस्त्र, मोमेंटो और संविधान किताब भेंट किया। कर्मचारी संघ ने बताया कि बिन्दा लाल सर हमलोग के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। श्री बिन्दा लाल ने बताया की योगदान लेना और सेवा निवृत होना, उतार-चढ़ाव, सुख-दुख यह सभी एक सिक्के के दो पहलू हैं, जिसे झूठ लाया नहीं जा सकता है। शुरूआत मे थोड़ा बहुत कठिनाई- समस्या आते रहता है फिर बाद मे स्वतः एडजस्ट भी हो जाता है। अकोढ़ीगोला और आपलोग का प्यार, स्नेह, आदर मुझे हमेशा स्मरण रहेगा।

देवलाली-दानापुर एवं हापा नाहरलगुन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

हाजीपुर।यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर देवलाली और दानापुर तथा हापा और नाहरलगुन के मध्य चलायी जा रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है । गाड़ी सं. 01153 देवलाली-दानापुर स्पेशल के 04 फेरे की वृद्धि की गयी है तथा यह अब देवलाली से 11, 18, 25 जनवरी एवं 01 फरवरी, 2025 को परिचालित की जाएगी । गाड़ी सं. 01154 दानापुर-देवलाली स्पेशल के 04 फेरे की वृद्धि की गयी है तथा यह अब दानापुर से 13, 20, 27 जनवरी एवं 03 फरवरी, 2025 को परिचालित की जाएगी । राजकोट-अहमदाबाद-रतलाम-उज्जैन-प्रयागराज-वाराणसी-छपरा-हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते चलायी जा रही 09525/09526 हापा-नाहरलागुन-हापा स्पेशल - गाड़ी सं. 09525 हापा-नाहरलगुन स्पेशल 08.01.2025 से अगले आदेश तक प्रत्येक बुधवार को (15 एवं 29 जनवरी तथा 05 और 12 फरवरी,2025 को छोड़कर) परिचालित की जाएगी ।

जोड़ो के दर्द वाले रोगियों के लिए कड़ाके का ठंड बना काल, आयुर्वेद से राहत सम्भव : वैद्य डॉक्टर दिनेश्वर प्रसाद

फास्टफूड , बातर और गरिष्ट भोजन खाने से बचना चाहिए

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। दर्द विशेष रूप से जोड़ो के दर्द वाले रोगियों के लिए कड़ाके का ठंढ बना काल, आयुर्वेद से राहत सम्भव आज कल पुरे देश में कड़ाके की ठंढ पड़ रही है, फलस्वरूप बहुत सारे रोगों का पर्दापण या पूर्व के रोगों में बढ़ोतरी हो रही है, जिसमें से दर्द विशेष रूप से जोडों का दर्द यथा गठिया, गाउट, सियाटिका , स्लीप डिस्क इत्यादि वात रोग प्रमुख है, इस तरह के रोगों से महिलायें, बुर्जूग, बच्चे सभी परेशान हैं और अधिक्तर लोग एनालजेसिक एन्टी बायो टिक या आयुर्वेद का बजारू दवाईयां खा खा कर परेशान होने के साथ साथ बहुतेरे प्रकार के नये नये रोगों से आक्रान्त हो रहे हैं, जबकि खान पान में सुधार , घरेलू दवाईयों एवं पंचकर्म चिकित्सा से पुरी तरह निजात पा सकते हैं। इस तरह के रोगियों को खट्टा, विशेष रूप से आम, अपड़ा, ईमली ,नमकीन, अत्यधिक ठंढा यथा चावल, दही, केला, कोल्ड ड्रिंक्स, फ्रीज में रखा हुआ खाद्य सामग्री, सब्जी के साथ साथ बातर एवं गरिष्ठ भोजन यथा सेम, राजमा, फरसबीन, सुखा चन्ना, काबीली, सोयाबीन, हरा मटर, फुल गोभी, कटहल, मांस, बड़ी मछली, फास्ट फुड, जंक फुड, पैकेट फुड, नमकीन, रिफाइंड में ज्यादा तला भुना, छाना हुआ, बेसन, मैदा, मैगी से बने व्यंजन इत्यादि का परित्याग करना चाहिए एवं विशेष रूप से हरी शाक सब्जी,हल्का,सुपाच्य,शाक्ति वर्धक, मधुर कद्दु रस से युक्त द्रव्यों /व्यंजन, खान पान का प्रयोग करना चाहिए। घरेलू मसालों में विशेष रूप से, अदरख, लहसुन, सोंठ, गोलकी, पिपली, अजवायन, मंगरैला,सरसों, तिसी, अंडी,तिल, गुड़, केशर, शिलाजीत गोंद,आंवला, प्याज, हल्दी, लौंग, दालचीनी, मसाला युक्त सत्तू, मौसमी सब्जीयों का गरम गरम सुप इत्यादि का प्रयोग लाभदायक होता है। पित से पिडित रोगीयों में इन सब का प्रयोग वर्जित होता है वैसेपंचकर्म में, बाह्य एवं आभ्यंतर स्नेहन, स्वेदन, भिन्न भिन्न प्रकार के वस्तियों एवं नस्य कर्म, के साथ साथ नियमित रूप से योग (आसन, प्राणायाम) मौर्नींग वाक, फिजीयोथिरेपी, कसरत, डांस इत्यादि एवं आवश्यकतानुसार वैद्यों के परामर्श से आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रयोग से वात सम्बंधित अनेकों विमारियों से पुरी तरह निजात पाया जा सकता है, कुछ लोगों को यह गलत फहमी है कि ये सब बिमारी ठीक नहीं होता है, उनसे आग्रह है कि विधिवत रुप से आयुर्वेदिक ईलाज योग एवं खान पान में बदलाव करके देखें 60 से, 70 प्रसेंट तक रोगी ठीक हो सकते हैं। कोई दिक्कत महशुस करने पर शेखपुरा राजा बजार स्थित उर्मिला कुंज में अमृत आयुर्वेद/पंचकर्म क्लिनिक में सम्पर्क कर सकते हैं।

जिलाध्यक्ष के दायित्व मिलने पर संविधान निमार्ता डॉ. अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल । भाजपा जिलाध्यक्ष के दायित्व मिलने के पदोपरान्त भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने भारतीय संविधान के मुख्य निमार्ता और समाज सुधारक बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रखण्ड मुख्यालय में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष के साथ भाजपा के सभी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर बाबा साहेब को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । वहीं जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व समेत सभी संगठन के कार्यकताओं और पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। भाजपा में रहकर कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना मेरे लिए गर्व का विषय है, भाजपा ही एक मात्र ऐसी राजनीतिक दल है जहां साधारण कार्यकर्ता बूथ से लेकर उच्चतम पद तक पहुंच कर स्थापित हो सकता है। आगे संगठन से जो भी दिशा निर्देश मिलेंगे उस पर पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा। उन्होंने कहा कि सभी को विश्वास दिलाते हैं कि पार्टी ने जिस उम्मीद व भरोसा के साथ दूसरी बार महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है जिम्मेदारी पर शत प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करेंगे। आगे उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब ने संविधान में समान अधिकार की नींव रखी थी । देश के नागरिकों समान रूप से विकास ' आर्थिक और सामाजिक उन्नति प्राप्त हो इसके लिए उन्होंने आरक्षण का प्रावधान किया था । वह न सिर्फ संविधान के शिल्पकार थे बल्कि शोषितों एवं वंचितों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा भी थे । पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भारत की पहली ऐसी सरकार है जिसने आजादी के बाद बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को सबसे ज्यादा सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता के लिए सेवा भाव से कम कर रही है । मोदी सरकार के जन कल्याण कार्यक्रमों में देश के हर व्यक्ति को समान अधिकार और समान मौके देकर डॉ. आंबेडकर के सपने को पूरा किया जा रहा है । 2014 में सता संभालने के बाद पीएम मोदी ने बाबा साहेब की विरासत और आजाद भारत को लेकर देखे गए उनके सपनों को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। लेकिन अफसोस है कि कांग्रेस पार्टी की गरीब और पिछड़ा विरोधी मानसिकता आज भी कायम है। कांग्रेस की इसी मानसिकता के चलते बाबा साहेब ने 1951 में नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था ।भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है ।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बोधगया में कार्यकर्ता संवाद किया

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया गांधी मंडप में राष्ट्रीय जनता दल गया जिले की तैयारी समिति की बैठक की गई तैयारी समिति की बैठक का मुख्य उद्देश्य नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के द्वारा कार्यकर्ता दर्शन कर संवाद कार्यक्रम पूर्व निर्धारित 16 जनवरी 2025 बोधगया के महाबोधि संस्कृति केंद्र में आहूत की जाएगी इसको सफल बनाने हेतु एक आवश्यक बैठक की गई है। इसकी अध्यक्षता गया महानगर अध्यक्ष जितेंद्र यादव एवं संचालन गोपाल कृष्ण जुगनू यादव जिला प्रधान महासचिव सह प्रवक्ता राष्ट्रीय जनता दल गया ने किया है ।इस बैठक में जिला प्रभारी माननीय विधान पार्षद डॉ उर्मिला ठाकुर की उपस्थिति में की गई है ।इस बैठक में सांसद जहानाबाद डॉक्टर सुरेंद्र प्रसाद यादव , विधायक सतीश कुमार दास, मंजू अग्रवाल ,पूर्व सांसद राजेश कुमार मांझी, पूर्व विधायक संता देवी, सरस्वती देवी जिला अध्यक्ष महिला इलियास अंसारी जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक नंदकिशोर यादव जिला अध्यक्ष बुद्धिजीवी संतोष यादव छात्र अध्यक्ष अभिषेक यादव छात्र अध्यक्ष प्रभात कुमार युवा अध्यक्ष ज्ञान दत्त प्रजापत आकाश पासवान रंजन यादव वीरेंद्र को प्रदेश महासचिव चांद अंसारी प्रदेश सचिव विजय चंद्रवंशी यूजर अहमद खान बुलबुल अंसारी आबिद अंसारी मोहम्मद शाहिद प्रखंड अध्यक्ष उमेश दास ,भोला भाई आदि थ

पशुओं से लदी मालवाहक पिकअप को लोगों ने पकड़ा कोतवाली पुलिस के किया हवाले, पुलिस को मंगानी पड़ गई क्रेन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत किरानी घाट मुख्य सड़क पर स्थानीय लोगों ने पशुओं से भरी एक माल वाहक पिक-अप को पकड़ा है। इसे पकड़ने बाद कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। घटना बीती देर रात की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार बताया जा रहा है कि, पशुओं को बिक्री के लिए ले जा रहा था। इस दौरान पशुओं से लदी पिकअप वाहन का चालक किरानी घाट के समीप एक ठेले में ठोकर मार दी। इस दौरान मौके पर लोगों की बड़ी संख्या भीड़ जमा हो गई थी। लोगों की भीड़ जमा होते देख पशुओं से लदी पिकअप का चालक और खलासी मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गया। जब लोगों ने माल वाहक पिकअप के अंदर झांक कर देखा तो आधा दर्जन से ज्यादा की संख्या में पशु लदे थे। इसकी सुचना कोतवाली थाना की पुलिस को दी गई।

सूचना पाकर कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप वाहन पर लदे सात पशुओं को वाहन समेत जप्त कर थाना को लाने का प्रयास करने लगे। हालांकि पशु तस्कर भागने के दौरान चाबी साथ लेकर रफू चक्कर हुए थे। इसके बाद कोतवाली पुलिस को मशक्कत का सामना करना पड़ा, पुलिस ने क्रेन मशीन का सहारा लेकर पशुओं से लदे पिकअप वाहन को थाना ले आई। पुलिस ने वाहन चालक और मालिक पर प्राथमिकी दर्ज कि है।

पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया करते हुए, गया गदाधर नंदी गौ सेवा आश्रम को सौंप दिया। आश्रम की संचालिका संगीता सिन्हा ने सभी गायों को सुरक्षित रखवाया है। इसकी पुष्टि कोतवाली थानाध्यक्ष आशीष कुमार ने की है।

इसरो के नये अध्यक्ष पूरे भारत के लिए गर्व और प्रेरणा है: डॉ मनीष

प्रातः किरण संवाददाता

गया।वैज्ञानिक बी. नारायण को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन करफ्ङ के नए अध्यक्ष नियुक्त होने पर राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहायह न केवल आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। रॉकेट और अंतरिक्ष यान के क्षेत्र में आपका अतुलनीय योगदान तथा आपकी विशेषज्ञता ने भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपको यह जिम्मेदारी मिलने पर विशेष शुभकामनाएं प्रेषित हैं। डॉ. मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि आपकी नियुक्ति इसरो की उन्नति और नवाचार की दिशा में एक नई शुरूआत है। आपकी दूरदृष्टि और नेतृत्व में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयों को छुएगा।आपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जो अद्भुत उपलब्धियां हासिल की हैं, वे हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। आपकी मेहनत और समर्पण ने यह साबित कर दिया है।

औरंगाबाद के भेड़िया में समाजसेवी बमेंद्र ने बुजुर्गों का बनवाया आयुष्मान कार्ड

■ सत्तर वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्ग आयुष्मान भारत योजना के हैं लाभुक : बमेंद्र

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। आयुष्मान भारत योजना गरीबों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है ।यह योजना गरीब,असहाय और लाचार लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना है जिसके तहत प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक निःशुल्क इलाज का प्रावधान है ।इस योजना का लाभ वर्ष 2011 के सामाजिक आर्थिक एवं जातिगत सर्वेक्षण में गरीबी रेखा से नीचे बसर करने वाले परिवार को दिया जा रहा था परन्तु अब सभी राशनकार्ड धारी इस योजना के लाभुक हैं ।सरकार द्वारा 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी इस योजना के लाभुक सूची में शामिल किया गया है और उन्हें स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। सामान्यतः बुजुर्गों को इलाज की विशेष आवश्यकता होती है जिसे लोग अनदेखा करते हैं। आयुष्मान भारत योजना का सभी लाभुक लाभ ले सके इसके लिए औरंगाबाद के रक्तसेवक समाजसेवी बमेंद्र कुमार सिंह पिछले पांच वर्षो से योजना के लाभुकों को जागरुक कर लाभ दिलाने के लिए प्रयासरत हैं ।बुधवार को जन आरोग्य योजना ,आयुष्मान भारत के जिला कार्यालय इकाई के सहयोग से पथ प्रदर्शक द्वारा सदर प्रखण्ड अंतर्गत खैरा मिर्जा पंचायत के भेड़िया गांव में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाने का शिविर लगाया गया जिसमें भेड़िया और मंजूरखा के लगभग तीस बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया ।निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाने वालों में सूर्यमणिया देवी, धनमती सिंह,फूलमती देवी,जितेंद्र सिंह,जगनारायण सिंह,स्वरूप राम,समुद्री देवी,रामकुमार सिंह इत्यादि शामिल हैं ।पथ प्रदर्शक के सचिव समाजसेवी बमेंद्र ने बताया की औरंगाबाद को आयुष्मान बनाने का मेरा प्रयास है और लगातार इस दिशा में सेवा दिया जा रहा है ।इस शिविर में आयुष्मान भारत जिला कार्यालय इकाई के डीपीसी बबन भारती, टीम पथ प्रदर्शक के शीला सिंह, जय सिंह,भीएलई राकेश कुमार सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

डीएम ने भूमि सुधार उप समाहर्त्ता के न्यायालय का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा अनुमण्डल कार्यालय स्थित भूमि सुधार उप समाहर्त्ता के न्यायालय का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्त्ता को निदेशित किया गया कि वैसे वादों को, जो काफी समय से लंबित हैं, का अवलोकन करते हुए नियमानुसार त्वरित गति से निष्पादन करना सुनिश्चित करें। यह भी निदेशित किया गया कि प्राप्त वादों को प्राथमिकता के आधार पर पोर्टल पर निश्चित रूप से अपलोड करायें। साथ ही यदि कोई आदेश पारित करते हैं, तो उसके अनुपालन हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय।

ट्रक पर लदा हुआ 625 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो कारोबारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। डोभी प्रखंड क्षेत्र के बहेरा थाना के द्वारा एक ट्रक पर 625 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ तो अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए शेरघाटी एएसपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि वरिय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार कार्रवाई करते हुए बहेरा थाना एनएच 99 पर वाहन जांच के दौरान एक ट्रक गाड़ी नम्बर बीआर 25जी 6403 पर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के गगिरफ्त में आए शराब कारोबारी के पहचान गणेश यादव एवं उदय यादव दोनों जहानाबाद जिले के गाजीपुर टोली गांव के रहने वाले हैं । पकड़े गए दोनों आरोपी के पास से दो मोबाइल को भी बरामद किया गया है जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

डीएम ने जिला पंचायत संसाधन केन्द्र भवन के निर्माण स्थल किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी द्वारा उप विकास आयुक्त एवं जिला परिषद के सभी सदस्यों के साथ जिला पंचायत संसाधन केन्द्र भवन के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि (अरवल सिपाह) का स्थलीय निरीक्षण किया गया। विदित हो कि जिला पंचायत संसाधन केन्द्र (उ्ढफ्ठ) में त्रिस्तरीय पंचायतों एवं ग्राम कचहरी के निर्वाचित प्रतिनिधियों / कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें आवश्यकतानुसार विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मी भी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। ज्ञातव्य हो कि अभी तक अरवल जिले में जन प्रतिनिधियों, कर्मियों एवं पदाधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु कोई भी भवन उपलब्ध नहीं है। इस भवन के निर्माण से अरवल जिला में एक बड़ी उपलब्धि होगी।

जिला पदाधिकारी द्वारा उपस्थित उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, अरवल को निदेशित किया गया कि उक्त भवन को यथाशीघ्र निर्माण कराये जाने निमित सभी आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, अरवल द्वारा जानकारी दी गई कि अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, गया के द्वारा प्राक्कलन तैयार कर लिया गया है, यथाशीघ्र कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

सांसद औरंगाबाद ने नवीनगर एनटीपीसी में लोकल लोगों की बहाली की मांग उठाई

प्रातः किरण संवाददाता

गया।कोच्चि में आयोजित ऊर्जा कमिटी की बैठक में माननीय सांसद सह नेता राजद संसदीय दल श्री अभय कुशवाहा जी औरंगाबाद जिले के नबीनगर एनटीपीसी में भारी भ्रष्टाचार पर एवं स्थानीय बेरोजगार युवकों को बहाली में प्राथमिकता देने पर सुझाव देते हुए कहना चाहुगा यह बहुत अहम चीज है डिजल, पेट्रोल,गैस, और उर्जा चार ऐसे श्रेत्र है इसमें अंकुश नही लगायेगे तो महंगाई इतना बढेगा अंकुश फिर नही लग सकती है। सांसद ने कहा कि नवीनगर एनटीपीसी के बारे में अखबार देखा गया था बहुत बढा घोटला हुआ था समाचारपत्र में प्रकाशित था। एनटीपीसी एसी संस्था मे घोटाला होना उचित नही है।

सरकार के वैकसी के लोगों भर्ती के उस जिले के बच्चों को देना का सुझाव दिया है सांसद अभय कुशवाहा ने दिए हैं।आप ऐसा उपाय लगाए की इसचारो चिज में देश वासियों को सस्ता उपलब्ध करा सके,हमारा मानना है ससते इधन की उपलब्धता करा सके,शहरी क्षेत्रों मे पुर्ण रुप लाइन बिहार में पुरी तरह से नही किया गया है। एनटीपीसी लिमिटेड बिहार 5500 करोड़ की योजना लगाई जाएगी और इसकी समय सिमा क्या होगी इसपर औरंगाबाद सांसद ने कहा कि हम जानना चाहेगे, बीपीसीएल चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए वही आइओसीएल दस हजार के आस पास चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। दोनो में इतना अंतर क्यों है ।बीपीसीएल को क्या लक्ष्य दिया गया था उपलब्ध कराना चाहेंगे, आग्रह करना चाहेगे उज्वला योजना सारे लोग लिस्टेड है घर तक पहुच नही पाती है।

अरवल में नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर

कहीं चुक न रह जाए जिसे लेकर डीएम लगातार कर रहे हैं निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

करपी। प्रखंड क्षेत्र के बेलखारा पंचायत अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा कतिपय निदेश दिये गये थे। उक्त निदेश के अनुपालन एवं कार्यों की प्रगति का निरीक्षण हेतु पुनः दुबारा जिला पदाधिकारी द्वारा बेलखारा पंचायत का भ्रमण किया गया।

भ्रमण के दौरान निमार्णाधीन डिग्री कॉलेज में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के फलस्वरूप जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं कार्यक्रम पदाधिकारी, शिक्षा विभाग (स्थापना) पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़े निदेश दिये गये।

जिला पदाधिकारी द्वारा उन्हें निदेशित किया गया कि मानव बलों की संख्या बढ़ाते हुए 25.01.2025 तक निर्माण संबंधी संपूर्ण कार्य संपन्न कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में निमार्णाधीन, पंचायत सरकार भवन एवं महादलित टोला का भ्रमण किया गया। महादलित टोलों में पथों की दयनीय स्थिति को देखते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि उक्त पथों की मरम्मती यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त-सह-जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमण्डल पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, शिक्षा विभाग, अरवल एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

कोहरे के कारण 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन रद्द

हाजीपुर। कोहरे के कारण संरक्षित रेल परिचालन को सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन रद्द किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है । 1.गाड़ी सं. 09447 अहमदाबाद-पटना स्पेशल (साप्ताहिक) - 15.01.25 से 26.02.25 तक 2.गाड़ी सं. 09448 पटना-अहमदाबाद स्पेशल (साप्ताहिक) - 17.01.25 से 28.02.25 तक 3.गाड़ी सं. 09465 अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल (साप्ताहिक) - 10.01.25 से 21.02.25 तक 4.गाड़ी सं. 09466 दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल (साप्ताहिक) - 13.01.25 से 24.02.25 तक 5.गाड़ी सं. 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल (साप्ताहिक) - 10.01.25 से 21.02.25 तक 6.गाड़ी सं. 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल (साप्ताहिक) - 13.01.25 से 24.02.25 तक।

महारानी पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पर महिलाओं ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। पुण्य श्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह आयोजन समिति की एक बैठक स्थानीय टॉवर चौक स्थित एक निजी रेस्टोरेंट में संपन्न हुई है ।इस बैठक में सैकड़ो की संख्या में शहर की महिलाओं ने हिस्सा लिया है ।इस बैठक में आगामी 23 फरवरी को विष्णुपद मंदिर प्रांगण में श्री विष्णुपद की जीर्णोद्धारि का इंदौर की महारानी पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती समारोह के अवसर पर एक विचार गोष्ठी के आयोजन को लेकर विचार विमर्श किया गया है। इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह मोहन जी, दक्षिण बिहार प्रांत के बौद्धिक प्रमुख उपेंद्र भाई त्यागी जी, गया महानगर के माननीय संघचालक देवनाथ मेहरवार , विभाग के सहसंघचालक सिया शरण प्रसाद उपस्थित रहे हैं ।इस बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह मोहन ने कहा की अहिल्याबाई के त्याग, साहस एवं उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आगामी 23 फरवरी को यह कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह प्रसिद्ध विचारक दत्तात्रेय होसवले जी करेंगे।

अहिल्याबाई ने देश में महिलाओं को सशक्तिकरण बनाने की दिशा में आने को जनहित के कार्य किया है। काशी विश्वनाथ मंदिर,गया में विष्णुपद मंदिर, उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर सहित देशभर में धर्मशालाओं का निर्माण कर दानशीलता की एक अद्भुत मिसाल पेश की थी। उनके 300 वीं जयंती को प्रेरणा स्वरूप मानकर त्रिशताब्दी समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिए उपस्थित महिलाओं को प्रेरित किया है ।इस बैठक में देवनाथ मेहरवार ने बताया कि अहिल्याबाई होलकर के जीवन दर्शन और विचारों से गया की आने वाली पीढ़ियां सदैव ऋणी रहेगी ।इस मंच का संचालन राष्ट्रीय सेविका समिति की जिला कार्यवाहिका प्रियंका दीदी ने किया है।

इस मौके पर काशीनाथ प्रसाद,अनिल स्वामी, अनंत धीश अमन,अर्चना पूर्णयाक, रामकुमार बारिक, अंतरराष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मधु शर्मा,नीलम शर्मा, इंदु प्रजापती,संगिता सिह,रंजनी त्यागी, ममता गिरी,सरिता त्रिपाठी, वीणा गिरी, रतनलाल गायव, ममता बरनवाल,शैलेश श्रीवास्तव,अर्पणा मिश्रा, भारती प्रियदर्शनी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

नीलगाय से परेशान किसान वन विभाग से पकड़ने की कर रहे हैं मांग

किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में आज तक नहीं किया गया कोई पहल

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। उदाकिशुनगंज प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों जंगली नीलगाय के आतंक से किसान परेशान हो गए हैं। झूंडों में आकर नीलगाय फसलों को नुकसान पहुंचाते रहते हैं। ठंड के कारण किसान जहां रखवाली करने में मुस्तैद नहीं रह पा रहे हैं जिसका लाभ नीलगाय उठाने में लगे हैं। प्रखंड क्षेत्र के सिंगारपुर, नयानगर, शहजादपुर, खाड़ा, बुधमा, खोड़ागंज खोकसी, रामगंज सहित अन्य गांव में नीलगाय का झुंड पहुंच गया है जो लगातार क्षेत्र में मकई फसल को बर्बाद कर रहा है। जिसके कारण किसान परेशान और मजबूर है। रोजाना नीलगाय कुछ ना कुछ फसल को बर्बाद कर ही दे रहा है। लेकिन हफ्ते दिन बीत जाने के बावजूद भी जहां ग्रामीण नीलगाय को पकड़ने में असफल साबित हो रहे हैं। किसानों ने बताया कि खेतों में लगी फसलों को नीलगाय के द्वारा प्रतिदिन नष्ट कर दी जा रही है। एक साथ 10 से 12 नीलगाय खेतों में प्रवेश करते है जिस खेत में झुंड जाता है उस खेत की फसल को चरने के अलावे बर्बाद भी कर देते है। बताया जाता है कि निलगायों के तांडव से मुक्ति के लिए किसानों ने वन विभाग के अधिकारियों को कई बार आवेदन भी दिया, लेकिन किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में आज तक कोई पहल नहीं किया जा सका है। जिससे किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त है। नीलगायों से त्रस्त किसानों की माने तो झूंड के झूंड नीलगाएं को भगाने के लिए कई बार प्रयास किया गया। इनके झूंड को खदेड़कर कई बार दूसरे जगह ले जाया गया। लेकिन पुनः लौट आते है। ऐसे में समझ में नहीं आ रहा है, क्या उपाय किया जाए। वही कुछ किसानों का कहना है कि नीलगाय जंगली जीव है इसलिए इन्हें छूने एवं मारने पर वन्य प्राणी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाती है, जिसके कारण नीलगाय को ग्रामीण मारने से बेहद डरते है।

नीलगायों का आतंक दिनों-दिन बढ़ते जा रहा है। अनुमंडल के ज्यातर गांवों के बहियार में दर्जनों नीलगायों के झूंड को फसल बर्बाद करते हुए देखा जा सकता है। कृषि के लिए घातक सबित हो रहे नीलगायों से मुक्ति के लिए न जिला प्रशासन कुछ पहल कर रहीं है न वन विभाग हीं कुछ करने के मुड में है। ऐसी स्थिति में किसान भगवान भरोसे खेती करने को मजबूर है। किसान आफताब आलम, पुल्हट पासवान, अहमद आलम, सनोज राम आदि बताते है कि नीलगायों के खाने से ज्यादा नुकसान फसल को बर्बाद करने से है। 24 घंटे खेत की रखवाली संभव नहीं है। सरकार और प्रशासन को किसान हित में ठोस कदम उठाना होगा। इस परेशानी से निजात पाने के लिए किसानों ने जिला वन विभाग के टीम को लिखित आवेदन दे रहे हैं। इस संबंध में वन विभाग कर्मी कहते है कि फसल बर्बाद होने की स्थिति में मुआवजे का प्रवधान है। किसान संबंधित अंचलाधिकारी के पास आवेदन देकर मुआवजे की मांग कर सकते है।

ट्रक और मिनी ट्रक में हुई भीषण टक्कर मिनी ट्रक चालक की मौके पर मौत

आक्रोषित ग्रामीणों ने किया एन एच 107 जाम

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा । जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र में ट्रक और मिनी ट्रक हुई आमने सामने भीषण टक्कर में मिनी ट्रक चालक की मौके वारदात पर मौत हो गई। आक्रोषित ग्रामीणों ने किया एन एच 107 जाम कर प्रदर्शन किया। मामले की तफ्तीश में पुलिस जुट गई है। बताया गया कि मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-107 पर पड़वा नवटोल पेट्रोल पंप के समीप बुधवार को दो ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हुई जिसमें एक ट्रक चालक की मौके वारदात पर हीं मौत हो गई। जबकि दूसरा ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया। मृतक की पहचान 46 वर्षीय मो. अब्बास मधेपुरा सदर थाना क्षेत्र के चकला चौक बिरहनियां वार्ड संख्या 12 निवासी के रूप में हुई। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गिट्टी लोड एक ट्रक मुरलीगंज की तरफ से आ रहा था। जबकि दूसरा ट्रक पर पर ईंट लोड था। वह मधेपुरा की तरफ से मुरलीगंज की ओर जा रहा था। इसी बीच पड़वा नवटोल पेट्रोल पंप के समीप दोनों ट्रक में भीषण टक्कर हो गई। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने सहरसा/ पूर्णियाँ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते हीं मौके वारदात पर पहुंची मुरलीगंज पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जेसीबी की मदद से दोनों ट्रक को रोड से हटाकर यातायात बहाल कर किया गया। मृतक के बेटे मो. याकूब ने बताया कि उनके पिता काफी दिनों से ट्रक चलाते थे। कभी भी उनके साथ इस तरह की घटना नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि हम लोग गरीब आदमी हैं। पापा ही घर में कमाने वाला एक शख्स था। इस घटना से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक को दो बेटी और पांच बेटे हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटनास्थल पर लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई है। मुरलीगंज थाने की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेज दिया है।

हरिहर साह कॉलेज में आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने के लिए पांच करोड़ की मिली स्वीकृति

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के विभिन्न प्रोजेक्ट्स के तहत विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत दो महाविद्यालय में अनुसंधान आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में 30 करोड़ की स्वीकृति मिल गयी है। इसमें ग्रांट टू स्ट्रेंथन यूनिवर्सिटीज (जीएसयू) प्रोजेक्ट के तहत बीएन मंडल विवि को 20 करोड़ मिलेंगे। विवि अंतर्गत जिले के उदाकिशुनगंज अनुमंडल मुख्यालय स्थित एक मात्र सरकारी महाविद्यालय हरिहर साह महाविद्यालय उदाकिशुनगंज एवं सहरसा जिले के एमएचएम कॉलेज सोनबरसा में ग्रांट टू स्ट्रेंथन कालेजेज (जीएससी) प्रोजेक्ट के तहत पांच-पांच करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग के प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड ने इसके प्रस्तावों को में केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी 60:40 के अनुपात में होगा। बिहार की उच्च शिक्षा के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। इसमें खासतौर पर रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। प्रोजेक्ट के तहत विश्व विद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने विश्वस्तरीय अनुसंधान सुविधाएं जुटाने के लिए बीएन मंडल विवि को राशि मिलेगी।

इससे प्रतिभाशाली छात्र रिसर्च के लिए बाहर नहीं जायेंगे। प्रोजेक्ट में सर्वाधिक राशि विवि के इन्फ्रास्ट्रक्चर की बिल्डिंग बनाने और शेष राशि से रिसर्च लैब के लिए उपकरण, स्मार्ट क्लासेज, और लायब्रेरी के डिजिटाइजेशन पर खर्च किये जायेंगे। एक ही बिल्डिंग में सभी विषयों की लैब सुविधा मिलेगी। इससे प्रतिभाशाली छात्र रिसर्च के लिए बाहर का रुख नहीं करेंगे।

बीएनएमयू के कुलसचिव प्रो.(डॉ.) विपिन कुमार राय ने बताया कि आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए जीएसयू प्रोजेक्ट के तहत विवि को 20 करोड़ और जीएससी प्रोजेक्ट के तहत हरिहर साह महाविद्यालय उदाकिशनगंज को पांच करोड एवं एमएचएम कॉलेज सोनबरसा को पांच करोड़ के ग्रांट की स्वीकृति मिली है।

खेल प्रेमियों के लिए खेल मैदान नहीं रहने से छाई है मायूसी, प्रैक्टिस करने में होती है परेशानी

प्रातः किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा)। प्रखंड क्षेत्र के रायभिर पंचायत में चार दर्जन से भी ज्यादा युवाओं खेल जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, हॉकी बॉल खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। मगर बेहतर संसाधन नहीं मिलने के कारण वैसे युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अब अपने पुश्तैनी कामों में व्यस्त हो गए हैं। वहीं वर्तमान समय में फोज बिहार पुलिस आदि में सफलता के लिए दौड़ का प्रैक्टिस करते हैं लेकिन मैदान नहीं होने के कारण उन्हें सड़को का चक्कर काटना पड़ता है। इस संबंध में रायभीर पंचायत के खेल कोच के संस्थापक अंशु दास ने बताया है कि रायभिर पंचायत के पांच दर्जनों से भी अधिक युवाओं अहले सुबह तीन बजे से लेकर छः बजे तक दौर एवं खेल खुद की प्रैक्टिस करते हैं मगर सही तरीके की जगह नहीं मिलने से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्रखंड अधिकारी एवं जिला अधिकारी से उच्च स्तरीय जांच कर अभिलंब एक खेल मैदान बनाने की गुहार लगाई है। मालूम हो कि रायभीर पंचायत में प्रत्येक वर्ष युवाओं द्वारा क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन कराया जाता है। लेकिन स्टेडियम नहीं रहने के कारण जान को जोखिम में डालकर किसी निजी जमींदार के पास जाकर गुहार लगाती है। और उसके प्रति खेत में क्रिकेट जैसे खेल प्रतियोगिता का खेल कराते हैं शंकरपुर प्रखंड क्षेत्र के सुदूर वर्ती इलाके के सभी गांव में हर वर्ष जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी के द्वारा क्रिकेट टूनार्मेंट खेल का शुभारंभ करने आते हैं। और कैमरा में एक तस्वीर कैद कर उसे सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर पोस्ट करते हैं। मालूम हो कि हाल में ही सिंघेश्वर विधानसभा के पूर्व विधायक सह बिहार सरकार में पूर्व कल्याण मंत्री डॉ रमेश ऋषिदेव ने एमएस आइडियल पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित सात दिवसीय आरकेसीसी क्रिकेट क्लब रायभीर टूनार्मेंट मैच का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने युवाओं को आश्वासन दिया कि अगर यहां बिहार सरकार की जमीन प्राप्त है तो हम उच्च अधिकारियों से मिलकर एक मिनी स्टेडियम बनाने का मांग करूंगा। खेल से जुड़े युवाओं एवं लड़कियों में मनीष सिंह, आशीष दास, पप्पू सिंह, विवेक कुमार, अंशु दास, अमित कुमार, राहुल कुमार, रानी कुमारी, मौसम कुमारी, निशा कुमारी, चंचल कुमारी, रिया कुमारी सहित अन्य ने इस बार के आश्वासन पर इंतजार में है।

बढ़ते ठंड से लोगों की बढ़ी परेशानी

पुरैनी (मधेपुरा)। बढ़ते शीतलहर से प्रखंड क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्रों में आम लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ने लगी है। स्थिति यह है पूरे दिन पछुआ हवा बहने और कोहरा की वजह से नवजात शिशुओं, बुजुंग व पालतू पशुओं की परेशानी काफी बढ़ा सी गई है। आए दिन शाम होते ही बढ़ते कोहरा के प्रकोप से सड़क पर वाहन रेंगते हुए नजर आ रहे हैं।

वहीं दो पहिये वाहन चालकों को इस कनकनाती ठंड में सड़क पर बाइक चलाना काफी मुश्किल साबित हो रही है चिकित्सकों की मानें तो सांस संबंधी रोगियों, बच्चों व बुजुर्गों को ठंड व कुहासे से बचने की काफी जरूरत है अन्यथा वे निमोनिया, सर्दी, खांसी, बुखार सहित अन्य वायरल इंफेक्शन जैसे बिमारियों की चपेट में आ सकते हैं। देखा जाए तो बुधवार को प्रखंड क्षेत्र का न्यूनतम तापमान 09 और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहा है।

चोरों ने गांव से उड़ाया ट्रेक्टर,पुलिस जांच में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

काको। पुलीसिया गस्ती को धत्ता बताते हुए अज्ञात चोरो द्वारा छेत्र के नारायणपुर गांब से एक ट्रेक्टर की चोरी कर लिये जाने का मामला प्रकाश मे आया है । घटना के सम्बन्ध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात चोरो ने किसान सुरेन्द्र सिंह के खलिहान से डाला सहित ट्रेक्टर की चोरी कर ली किसान को चोरी का पता तब लगा जब वे सुबह उठे तो अपनी गाड़ी को खलिहान से गायब पाया अपने स्तर से उन्होंने गाड़ी की खोजबीन करने का काफी प्रयास किया लेकिन उन्हें असफलता हाथ लगी घटना को लेकर ग्रामीणों ने पुलिसीया गस्ती पर सबाल उठाते हुआ कहा है की जब मुख्य सड़क से रात्रि मे चोर इतनी बड़ी बड़ी गाड़िओ की चोरी की घटना को अंजाम दे दे रहे हैं तो ग्रामीण छेत्र की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है वही मामले मे पूछे जाने पर थाना प्रभारी मैं इस तरह की किसी भी घटना की सूचना से अनभिज्ञता जाहिर की है

अलहाया फाउंडेशन के तरफ से जरूरतमंद लोगों के बीच किया गया कंबल का वितरण

पुरैनी (मधेपुरा)। पुरैनी प्रखंड क्षेत्र के कुरसंडी पंचायत अंतर्गत बलिया गांव में अशोक प्रसाद के निज आवास पर अलहाया फाउंडेशन मुरलीगंज टीम के सदस्यों ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए निसहाय, बेबस, लचार, विधवा महिलाओं और दिव्यांग सहित जरूरतमंदों लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। वहीं इस शिविर के आयोजन से गरीब असहाय लोगों बीच एक अलग ही खुशी देखने को मिला। उक्त मौके पर कुरसंडी ग्राम पंचायत की मुखिया कुंदन सिंह ने अलहाया फाउंडेशन टीम के कार्यों को देखकर धन्यवाद देते हुए कहा कि समाज के सभी लोगों को इनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए साथ साथ सरकार को भी इन गरीब तबके के लोगों के बीच कबंल वितरण करना चाहिए। मौके पर उप प्रमुख अंशु सिंह, अधिवक्ता किशोर कुमार, फाउंडेशन टीम के प्रेसिडेंट बाबर अली, मो. अफरोज आलम, मो. शमशाद, रिशु कुमारी, पेमजित, अंकिता, सुषमा कुमारी, अमित, आनंद, बिट्टू आदि मौजूद रहे।

तृतीय चरण के प्रगति यात्रा कार्यक्रम में 20 जनवरी को मधेपुरा आयेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

मधेपुरा। तीसरे चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तकरीबन एक हफ्ते मधेपुरा में प्रवास करेंगे। जारी सूचना के अनुसार तृतीय चरण के आखिरी दिन 29 जनवरी को मधेपुरा में प्रगति यात्रा के तहत कार्यक्रम में शामिल होंगे। तृतीय चरण में नौ जिलों में सीएम के जाने का कार्यक्रम तय बताया जाता है। बताया जाता है कि इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पांच रात मधेपुरा में ही रुकेंगे। मुख्यमंत्री मधेपुरा में अपने मित्र विधान पार्षद ललन सर्राफ के आवास पर ठहरेंगे। तृतीय चरण के प्रगति यात्रा का शुरूआत जहां सुपौल से होगा। वही 29 को मधेपुरा में इस चरण का आखिरी कार्यक्रम होगा। तृतीय चरण में सीएम 20 जनवरी को सुपौल मे कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। सुपौल में कार्यक्रम करने के पश्चात उसी दिन देर शाम मधेपुरा आ जायेंगें। 21 को किशनगंज के प्रगति यात्राकार्यक्रम में शामिल होने के लिए सीएम मधेपुरा से ही जायेंगे और पुनः यही वापस आकर रात्रि विश्राम करेंगे। 22 जनवरी को अररिया के लिए यही निकलेंगे। अररिया कार्यक्रम समाप्त कर वही से पटना निकल जायेंगे। इसके बाद 27 जनवरी को पुनःपूर्णिया कार्यक्रम में पटना से जायेंगे। वहां कार्यक्रम की समाप्ति के बाद मधेपुरा आ जायेंगे।

कॉलेजकर्मी के घर का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) स्थानीय थाना क्षेत्र के आर सी एस कॉलेज के कर्मी के घर का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपए की संपत्ति की चोरी कर ली प्राप्त जानकारी के अनुसार आरसीएस कॉलेज में अकाउंटेंट के पद पर तैनात सत्येंद्र कुमार यादव के घर में बीती रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर घर में लगे हजारो रुपए के एलसीडी समेत कई सामानों की चोरी कर ली इस बाबत गिरी स्वामी सत्येंद्र कुमार यादव ने बताया कि मैं आरसीएस कॉलेज में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत हुई कॉलेज के बगल में ही मेरा एक नए मकान जहां घर में कोई नहीं था जिसका फायदा उठाते हुए चोरों ने रीति रात घर के दरवाजे के ताला तोड़कर घर में लगी लगभग 20000 के एलसीडी समेत कई सामानों की चोरी कर ली हालांकि घटना की सूचना उन्होंने कुर्था थाने को दी घटना की सूचना पाते हैं 112 नंबर की पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी दिया इस संबंध में कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी की घटना की जानकारी मिली है आवेदन आया है मामले की तहकीकात की जा रही है।

पुलिस कस्टडी से भागने के दौरान तीसरी मंजिल से कूदे युवक, हुई मौत

सुखासिनी गांव का रहने वाला था साइबर क्राइम का आरोपित युवक हिमांशु

प्रातः किरण संवाददाता

नयानगर उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के बुधामा ओपी अंतर्गत खाड़ा पंचायत के वार्ड बारह सुखासनी गांव निवासी हिमांशु कुमार साइबर क्राइम का आरोपित था। बताया जाता है कि मंगलवार की दोपहर साइबर अपराध के मामले में हरियाणा में मध्यप्रदेश पुलिस की कस्टडी से भागने के दौरान होटल के तीन मंजिले भवन से कूदने के दौरान उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इधर इस घटना की जानकारी मृतक के स्वजनों के साथ गांव के लोगों को मिली तो सभी हतप्रभ हो गए। इस संबंध में ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक काफी दिनों से गांव से बाहर रहता था। किसी को उसके साइबर अपराध की दुनियां के बारे में जानकारी नहीं है। मृतक के माता पिता झारखंड के रांची शहर में रहने की बात बताई गई, जहां वे राजमिस्त्री का काम करते हैं। इस घटना के बाद जहां स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है, वहीं गांव सुखासनी में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। मृतक रमेश मेहता के तीन पुत्रों में सबसे बड़ा पुत्र था। वहीं इस घटना के संबंध में उदाकिशुनगंज के प्रभारी थानाध्यक्ष जितेंद्र ठाकुर ने बताया कि ऐसी कोई जानकारी मुझे नहीं मिली है।

20 जनवरी से शुरू होकर 28 जनवरी तक होगी फोकानिया व मौलवी की परीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। बिहार मदरसा एजुकेशन बोर्ड की ओर से फोकानिया (मैट्रिक) व मौलवी (इंटर) के सभी संकाय के विद्यार्थियों की परीक्षा 20 जनवरी से शुरू होगी जो 28 जनवरी तक चलेगी। जिला अंतर्गत वर्ग फोकानिया की परीक्षा में 1069 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिसमें 334 छात्र एवं 735 छात्रा हैं। वहीं मौलवी परीक्षा में 599 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिसमें 224 छात्र और 375 छात्रा हैं। बताया गया कि एसएनपीएम, केशव कन्या हाई स्कूल, रासबिहारी हाई स्कूल व टीपी कॉलेजिएट को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। मौलवी साइंस, कॉमर्स व इस्लामियत की परीक्षा 27 जनवरी तक आयोजित की जायेगी।

प्रथम पाली 8.45 से 12 बजे तक वहीं दूसरी पाली की परीक्षा 1.45 बजे से शाम पांच बजे तक होगी। वहीं फोकानिया की प्रैक्टिकल परीक्षा दो फरवरी व मौलवी की प्रैक्टिकल परीक्षा चार फरवरी को होगी।

शोधार्थी का अब छमाही प्रगति सह उपस्थिति प्रतिवेदन परीक्षा समिति से होगा पास

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय में शोधार्थी का अब छमाही प्रगति सह उपस्थिति प्रतिवेदन परीक्षा समिति से पास होगा। इस बाबत कुलपति प्रो.(डॉ.) बीएस झा के दिशा निर्देश पर कुलसचिव प्रो.(डॉ.) विपिन कुमार राय ने अधिसूचना जारी की है। इसमें कहा गया है की परीक्षा समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव के निर्णयानुसार शोधार्थी के छमाही प्रगति प्रतिवेदन सह उपस्थिति प्रतिवेदन परीक्षा समितिसे अनुमोदित प्रपत्र में ही उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही अधिसूचना में कहा गया है की परीक्षा विभाग के परीक्षा समिति की बैठक निर्णयानुसार पंजीकृत शोधार्थी के सफल शोध प्रबंध सर्मपण की विहित प्रकिया स्नातकोत्तर विभाग में पूर्ण होने के उपरांत विभागाध्यक्ष के आदेश से मूल्यांकन शुल्क शोधार्थी द्वारा विश्वविद्यालय में जमा करने के बाद चालान की प्रति संबंधित विभाग में जमा की जाएगी। विभागाध्यक्ष द्वारा मूल्यांकन हेतु समर्पित शोध प्रबंध (पाच प्रति) के साथ पूर्व अधिसूचित अनुलग्नकों, अनुशंसित परीक्षको की सूची सील बंद लिफाफ में अकादमी शाखा में प्रेषित होगा।

इनपुट अनुदान के लिए 10 जनवरी तक करें आवेदन

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिले के उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र के चौसा एवं आलमनगर के 15 पंचायतों में बीते वर्ष सितंबर 2024 में बाढ़ की वजह से बड़े पैमाने पर किसानों के फसल की क्षति हुई थी। किसानों को हुई क्षति को लेकर राज्य मुख्यालय से अनुदान दिए जाने का निर्देश दिया गया था। इसको लेकर कृषि इनपुट अनुदान के आनलाईन आवेदन प्राप्ति में छूटे हुए किसानों से पंचायत स्तर पर आफलाईन आवेदन प्राप्त किया जा रहा है। जिला स्तर पर लिये गये निर्णय के आलोक में आफलाईन आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि दस जनवरी निर्धारित की गयी है।

कृषि इनपुट अनुदान के आनलाईन आवेदन प्राप्ति में छूटे हुए पात्र किसान अपने संबंधित प्रखंड, पंचायत कृषि कार्यालय में आवश्यक दस्तावेज (भू-लगान रसीद वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23, एवं 2023-24 तक में से कोई एक या अद्यतन भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र, आवेदक एवं आश्रित परिवार सदस्यों का आधार कार्ड की छायाप्रति तथा विहित प्रपत्र में आवेदन) अंतिम तिथि 10 जनवरी तक जमा कर सकते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–78 वर्ष 2024–25

समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों/ख्याति प्राप्त फार्मो/निबंधित दुकानदारों/कम्पनियों (जिसे Cupboard and Kitchen के कार्य करने का अनुभव हो उसे विशेष प्राथमिकता दी जायेगी) से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 11.01.2025 के अपराहन 12:00 अपराहन बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 3:00 बजे अपराहन में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।
कार्य का विवरणी :–

क0	सामग्री का नाम एवं विशिष्टयॉं	मात्रा	इकाई	उद्वत की जानेवाली दर
1	S/F/F Cupboard & Modular Kitchen & Curtain rod in officer's flat (TypeD) (Block-06 flat No.-701, 702 & 703) at Gardanibagh, Patna for the year 2024-25			
i	S/F/F Cupboard/Cabinet with 19 mm thick water proofing ply board partion and 12 mm thick water proofing plywood in back side including 1'6" clear depth with all necessary ornaments fittings etc all complete job. (Supply, Fabrication and installation 18 mm thick BWP Plywood framed wardrobe, Cabinet & hanging cabinets along with basket & trolley in kitchen fabrication at site with all fixtures fitting and accessories complete as per drawings & direction of E/I. make green ply, century ply S/F/F/ fixing of Baskets made of 201 grade S.S. rod and with around 1% nickel and chrome plating. It has 7 mm upper rod and 6 mm parallel rods and 2.9 mm base rods provided in all types of baskets, Hetich, KAFF & Godrej, Plain Basket, Cutlary tray, Thali Basket)	569.01 Sft	Per Sft	
ii	S/F/F of Modular kitchen with aerialic finished with steel sliding basket etc all complete job.	139.92 Sft	Per Sft	
iii	Providing and fixing curtain rods of 1.25 mm thick chromium plated brass plate, with two chromium plated brass brackets fixed with C.P. brass screws and wooden plugs, etc., wherever necessary complete: 20 mm dia metre	58.98 Sft	Per Sft	

➢ कार्य समाप्ति की अवधि : 20 दिन
➢ विशेष जानकारी हेतु बेबसाईट बेबसाईट www.state.bihar.gov.in/.prdbihar.gov.in देखें या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्यावधि में सम्पर्क करें।

PR- 016488 (BCD) 2024-25

कार्यपालक अभियंता,
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भ0नि0वि0, पटना

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–74 वर्ष 2024–25

समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों/ख्याति प्राप्त फार्मो/निबंधित दुकानदारों/कम्पनियों (जिसे Cupboard and Kitchen के कार्य करने का अनुभव हो उसे विशेष प्राथमिकता दी जायेगी) से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 11.01.2025 के अपराहन 12:00 अपराहन बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 3:00 बजे अपराहन में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।
कार्य का विवरणी :–

क0	सामग्री का नाम एवं विशिष्टयॉं	मात्रा	इकाई	उद्वत की जानेवाली दर
1	S/F/F Cupboard & Modular Kitchen & Curtain rod in officer's flat (Type-D) (Block-05 flat No.-803 & 804) at Gardanibagh, Patna for the year 2024-25			
i	S/F/F Cupboard/Cabinet with 19 mm thick water proofing ply board partion and 12 mm thick water proofing plywood in back side including 1'6" clear depth with all necessary ornaments fittings etc all complete job. (Supply, Fabrication and installation 18 mm thick BWP Plywood framed wardrobe, Cabinet & hanging cabinets along with basket & trolley in kitchen fabrication at site with all fixtures fitting and accessories complete as per drawings & direction of E/I. make green ply, century ply S/F/F/ fixing of Baskets made of 201 grade S.S. rod and with around 1% nickel and chrome plating. It has 7 mm upper rod and 6 mm parallel rods and 2.9 mm base rods provided in all types of baskets, Hetich, KAFF & Godrej, Plain Basket, Cutlary tray, Thali Basket)	379.34 Sft	Per Sft	
ii	S/F/F of Modular kitchen with aerialic finished with steel sliding basket etc all complete job.	93.28 Sft	Per Sft	
iii	Providing and fixing curtain rods of 1.25 mm thick chromium plated brass plate, with two chromium plated brass brackets fixed with C.P. brass screws and wooden plugs, etc., wherever necessary complete: 20 mm dia metre	39.32 Sft	Per Sft	

➢ कार्य समाप्ति की अवधि : 20 दिन
➢ विशेष जानकारी हेतु बेबसाईट बेबसाईट www.state.bihar.gov.in/prdbihar.gov.in देखें या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्यावधि में सम्पर्क करें।

PR. No.16487 (BCD) 2024-25

कार्यपालक अभियंता,
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल,
भ0नि0वि0, पटना

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

सभी खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धाओं के ट्रायल अब कैमरे की निगरानी में होंगे, विभाग ने लिया फैसला

शिमला, एजेंसी। अब खेल विभाग की ओर से सभी खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धाओं के ट्रायल में वीडियोग्राफी करवाने का फैसला लिया है। इसको लेकर युवा सेवा एवं खेल विभाग ने सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है और जल्द इसकी अधिसूचना जारी होगी।

नेशनल वॉलीबाल टूर्नामेंट के लिए टीम के चयन पर उठे विवाद के बाद अब खेल विभाग की ओर से सभी खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धाओं के ट्रायल में वीडियोग्राफी करवाने का फैसला लिया है। इसको लेकर युवा सेवा एवं खेल विभाग ने सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है और जल्द इसकी अधिसूचना जारी होगी। जयपुर में मंगलवार से शुरू हुए नेशनल वॉलीबाल टूर्नामेंट के लिए 26 दिसंबर को शिमला के इंदिरा गांधी खेल परिसर

में ट्रायल हुए थे। ट्रायल के बाद खिलाड़ियों की सूचना जारी होने के बाद कुछेक खिलाड़ियों ने चयन पर सवाल उठाए और योग्य खिलाड़ियों को बाहर करने का आरोप लगाया। मामला मुख्यमंत्री के पास पहुंचा तो उन्होंने ट्रायल नए सिरे से करवाने के निर्देश दिए।

खेल विभाग ने ट्रायल रद्द किए और रविवार को नए सिरे से खिलाड़ियों के ट्रायल लिए गए। चयन समिति ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए ट्रायल के दौरान वीडियोग्राफी भी करवाई। इसी तर्ज पर अब खेल विभाग ने अन्य खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धाओं के ट्रायल के दौरान वीडियोग्राफी करवाने का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा है, ताकि चयन समिति पर किसी तरह के आरोप न लगे। युवा सेवा एवं खेल विभाग के अतिरिक्त निदेशक हितेश आजाद ने बताया कि कैमरे से चयनकर्ताओं के निर्णय को रिकॉर्ड किया जा सकेगा।

यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो यह दस्तावेज के रूप में प्रमाणित किया जा सकेगा। इसके साथ ही खिलाड़ियों को भी विश्वास होगा कि उनका प्रदर्शन निष्पक्ष तरीके से मूल्यांकित किया गया। राज्य में सभी खेलों की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए ट्रायल के दौरान वीडियोग्राफी करवाने की व्यवस्था को लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के बाद ट्रायल में शामिल खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और चयन प्रक्रिया पर भी किसी तरह के सवाल नहीं उठेंगे। जल्द से जल्द इसे लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

अंडर-23 वनडे क्रिकेट ट्रॉफी

सेमीफाइनल में गुजरात ने रोका हिमाचल का रथ, खिताब की दौड़ से बाहर

शिमला, एजेंसी। बीसीसीआई की ओर से आयोजित अंडर-23 वनडे क्रिकेट ट्रॉफी में गुजरात ने हिमाचल का फाइनल में खेलने का सपना तोड़ दिया। मंगलवार को कोलकाता में हुए सेमीफाइनल में गुजरात ने हिमाचल को पांच विकेट से हराकर न केवल फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वर्ष 2017-18 के बाद हिमाचल पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा था। सेमीफाइनल में हिमाचल ने पहले खेलते हुए 241 रन बनाए। लक्ष्य गुजरात ने पांच विकेट खोकर 43वें ओवर में ही पूरा कर लिया। सेमीफाइनल में गुजरात ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी को उतरी हिमाचल की टीम 48वें ओवर में 240 रनों पर आलआउट हो गई। हिमाचल की ओर टीम के कप्तान मृदुल सरोच ने 61 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

वहीं, कुशल पाल ने 33 और इनेश महाजन ने 32 रन बनाए। इस मैच में हिमाचल के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए। क्वार्टर फाइनल मैच में चार विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिकेत को सेमीफाइनल में एक भी विकेट नहीं मिला। वहीं, गुजरात की टीम से गेंदबाज शेन पटेल ने चार विकेट चटकाए जबकि जयमीत पटेल ने 89 रन की पारी खेलकर हिमाचल के फाइनल के सपने को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई । एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि हिमाचल ने अंडर-23 ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन, सेमीफाइनल में गुजरात ने हिमाचल को हराकर टीम के सफर को रोक दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में खेलेंगे प्रसिद्ध,अभिमन्यु और पडिक्कल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा रहे देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा और अभिमन्यु ईश्वरन विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में तथा वॉशिंगटन सुंदर सेमीफाइनल से तमिलनाडु की टीम से खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पडिक्कल और प्रसिद्ध सिडनी से बुधवार को भारतीय टीम के साथ प्रस्थान करेंगे लेकिन अभिमन्यु को एक दिन पहले ही भारत आने की अनुमति मिल गई थी। क्रिकेट एसोशिएशन ऑफ बंगाल ने उनकी उड़ान का टिकट एक दिन पहले ही बुक कर दिया था। वह ऑस्ट्रेलिया से पहले सिंगापुर और फिर अहमदाबाद आएंगे, इसके बाद वहां से बड़ौदा आकर अपनी टीम के साथ जुड़ेंगे। अभिमन्यु के लिए ऐसा पहली बार होगा कि वह दो महीनों के बाद किसी मैच का हिस्सा बनेंगे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टेस्ट मैच में खेलने का अवसर नहीं मिला। केएल राहुल ने ब्रेक का अनुरोध किया है।

प्री-क्वार्टरफाइनल में बंगाल का मुकाबला हरियाणा के साथ है। अभिमन्यु आज टीम के साथ अभ्यास भी करेंगे। बंगाल की टीम के एक और सदस्य आकाशदीप पीठ में लगी हल्की चोट के कारण विजय हजारे ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। इसी चोट के कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफा अंतिम टेस्ट का हिस्सा नहीं ले पाये थे। स्वदेश लौटने के बाद वह सीधे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरू जाएंगे।

बीजीटी नहीं, न्यूजीलैंड से घर में हारना ज्यादा पीड़ादायक : युवराज सिंह

दुबई, एजेंसी। विश्व कप विजेता पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर सूपड़ा साफ होना भारतीय टीम के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की हार से भी बड़ी असफलता है। भारत को पिछले कुछ महीनों में टेस्ट क्रिकेट में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उसे घरेलू मैदान पर कमजोर न्यूजीलैंड से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जो टीम के टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ था। इसके बाद उसे पांच मैच की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से उसकी धरती पर 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बहरहाल, युवराज ने कहा कि मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड से हारना अधिक पीड़ादायक है। क्योंकि वे घरेलू मैदान पर 3-0 से हार गए। आप जानते हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। इसे (बीजीटी हारना) तब भी स्वीकार किया जा सकता है क्योंकि आप ऑस्ट्रेलिया में दो बार इस जीत चुके हैं और इस बार आपको हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान टीम में इस पद पर शामिल होंगे यूनिस खान, चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम में मेंटर के तौर पर शामिल होंगे। यूनिस इससे पहले 2022 में एक अल्पकालिक अनुबंध पर अफगानिस्तान के बल्लेबाजी कोच के तौर पर काम कर चुके हैं। यह पुष्टि हो गई है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यूनिस अफगानिस्तान टीम के मेंटर के तौर पर टीम के साथ होंगे। वह पाकिस्तान में होने वाले टूर्नामेंट से पहले अफगानिस्तान टीम के तैयारी और कंडीशनिंग कैंप में शामिल होंगे और चैंपियंस ट्रॉफी के अंत तक टीम के साथ रहेंगे। यूनिस ने 118 टेस्ट मैचों में 10,099 रन बनाने के बाद 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया जिसमें 313 का करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी शामिल है। पूर्व दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पाकिस्तान के लिए 246 एकदिवसीय मैचों में 31.24 की औसत से 7249 रन बनाए जिसमें सात शतक और 48 अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 2009 में इंग्लैंड में अपने पहले पुरुष टी 20 विश्व कप जीत में पाकिस्तान की कप्तानी भी की।

अपने कोचिंग करियर में यूनिस ने पाकिस्तान की सीनियर पुरुष टीम के साथ उनके बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया, लेकिन 2021 के मध्य में सिर्फ छह महीने बाद इस्तीफा दे दिया। फ्रैंचाइजी क्रिकेट में यूनिस ने पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जालमी के साथ कोचिंग की और अबू धाबी टी10 लीग में बांग्ला टाइगर्स के मुख्य कोच के रूप में काम किया। 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और दुबई में आयोजित होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार होगी जब अफग़ानिस्तान आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में खेलेगा। उन्हें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है, जबकि ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं। अफगानिस्तान के साथ पहले काम कर चुके एक भारतीय कोच ने बताया कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यूनिस को मेंटर नियुक्त करना टीम की उस अनूठी प्रवृत्ति का हिस्सा है जिसमें वे उन देशों से मेंटर या सलाहकार नियुक्त करते हैं जहां वे अपने आईसीसी टूर्नामेंट खेलने जाते हैं। पिछले आईसीसी टूर्नामेंट इस बात का सबूत हैं कि यह नीति अब तक अफगानिस्तान के लिए काफी कारगर साबित हुई है। 2023 में उन्होंने भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा को वनडे विश्व कप के लिए अपना मेंटर बनाया, जहां उन्होंने अपनी खेल शैली से सभी को प्रभावित किया और अपने लीग चरण में चार जीत हासिल की, जिसमें नई दिल्ली में गत चैंपियन इंग्लैंड पर शानदार जीत हासिल करना भी शामिल है।

2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले पुरुष टी20 विश्व कप में उन्होंने दिग्गज तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपने गेंदबाजी सलाहकार के रूप में शामिल किया। इस कदम से उन्हें बहुत फायदा हुआ क्योंकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह देखना दिलचस्प होगा कि 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में यूनिस की भागीदारी अफगानिस्तान के लिए समान सकारात्मक परिणाम लाती है या नहीं।

फुटबॉलः

अगले फीफा विश्व कप के बाद फ्रांस का साथ छोड़ेंगे महान कोच डेशॉ

● टीम को विश्व कप और यूरो कप जिता चुके

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्रांस के महान कोच दिदिएर डेशॉ अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के बाद फ्रांस टीम का साथ छोड़ देंगे। वह बुधवार को इसकी घोषणा कर सकते हैं कि वह अगले विश्व कप के बाद अपने पद पर बने नहीं रहेंगे। डेशॉ न सिर्फ फ्रांस को बतौर कोच फीफा विश्व कप जिता चुके हैं, बल्कि फ्रांस के एक खिलाड़ी के तौर पर भी विश्व कप जीत चुके हैं। उनका पद छोड़ना फ्रांस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। ला-इक्विपे और आरएमसी स्पोर्ट उन आउटलेट्स में से है, जिन्होंने बताया कि 56 वर्षीय डेशॉ का अनुबंध 2026 के फीफा विश्व कप के बाद समाप्त हो जाएगा। एक खिलाड़ी के रूप में विश्व कप जीत चुके डेशॉ ने जुलाई 2012 में फ्रांस फुटबॉल टीम के कोच के रूप में पदभार संभाला था और 2018 में फाइनल में क्रोएशिया को हराकर फ्रांस को विश्व कप खिताब दिलाया था। कतर में 2022 विश्व कप में फ्रांस फाइनल में पहुंच गया था और उसे अर्जेंटीना से ऐतिहासिक खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अगला फीफा विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी में होना है। इसमें कुल 48-टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से 16 टीमें यूरोप की होंगी।

आईसीसी रैंकिंग में बाबर आजम की दमदार वापसी, विराट कोहली को छोड़ा काफी पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा. इस सीरीज में विराट कोहली का बल्ला पूरी तरह शांत रहा. दूसरी ओर पाकिस्तान को भी साउथ अफ्रीका में हार झेलनी पड़ी. लेकिन इस सीरीज में बाबर आजम बतौर बल्लेबाज काफी कामयाब रहे. इस दमदार प्रदर्शन के चलते उन्हें आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में काफी फायदा हुआ है. बाबर टेस्ट में बल्लेबाजों की रैंकिंग में विराट कोहली से काफी आगे निकल गए हैं. दूसरी ओर विराट को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है.

आईसीसी रैंकिंग में बाबर आजम की दमदार वापसी - बाबर आजम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में 48.25 की औसत से 193 रन बनाए थे. इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक भी जड़े थे. जिसके चलते वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग 5 स्थानों की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं. इससे पहले वह 17वें स्थान पर थे. इसके अलावा बाबर आजम की रेटिंग अब 697 हो गई है. बता दें, इस सीरीज से पहले बाबर टॉप-20 बल्लेबाजों की लिस्ट में भी शामिल नहीं थे. लेकिन उन्होंने इस सीरीज में दमदार वापसी की.

विराट कोहली को हुआ भारी नुकसान - विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा. वह 5 टेस्ट मैचों की 9 पारियों में एक ही शतक जड़ सके, इसके अलावा किसी भी पारी में वह 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सके. उन्होंने इस दौरान सिर्फ 190 रन ही बनाए. इस खराब प्रदर्शन के चलते विराट अब आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीन स्थान नीचे खिसक गए हैं. वह अब 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं, उनकी रेटिंग 614 हो गए हैं. ऐसे में अब विराट कोहली पर टॉप-30 से बाहर होने का भी खतरा मंडरा रहा है.

दूसरी ओर, जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं. दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन, चौथे स्थान पर यशस्वी जायसवाल और 5वें स्थान पर ट्रेविस हेड हैं. इनके अलावा साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा छठे नंबर पर पहुंच गए हैं. ये उनकी ऑलटाइम हाई रैंकिंग. उनकी रेटिंग भी 769 हो गए हैं, जो उनकी ऑलटाइम हाई रेटिंग है ।

पाकिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी टीम

चोट के बाद भी सैम अयूब का होगा चयन, 14 महीने बाद वापसी कर सकता है यह खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं ने चोटिल बल्लेबाज सैम अयूब को प्रोविजनल टीम में चुनने का फैसला किया है, जिसे 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को भेजा जाएगा। पीटीआई के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के एक करीबी सूत्र ने कहा कि हाल के महीनों में सैम का फॉर्म और विशेष रूप से 50 ओवर के प्रारूप में ओपनर बल्लेबाज के रूप में उनके सुधार ने चयनकर्ताओं को आश्वस्त किया है कि दुर्भाग्यपूर्ण चोट के बावजूद उन्हें प्रोविजनल टीम में होना चाहिए। फखर जमां की 14 महीने बाद वापसी हो सकती है। सूत्र ने बताया, चयनकर्ता उन्हें प्रोविजनल टीम में रखेंगे क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सैम को टखने की चोट पर मेडिकल एडवाइस लेने के लिए लंदन भेजा है ताकि पता चल सके कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए समय पर फिट हो सकते हैं या नहीं। पिछले सप्ताह साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सैम का टखना फ्रैक्चर हो गया था, उन्हें रिहैब के लिए छह सप्ताह का समय दिया गया है और उनके पैर में एंकल मेडिकल मून बूट लगाया गया है।

12 फरवरी तक करनी है टीम घोषित - सूत्र ने बताया, पीसीबी को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्रोविजनल टीम की घोषणा 12 फरवरी तक करनी है, लेकिन इसके लिए उसे टूर्नामेंट तकनीकी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।÷ उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को लगता है कि अगर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सैम समय पर फिट नहीं हो पाते हैं, तो उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल किया जा सकता है।

फखर जमां को 15 सदस्यीय प्रोविजनल टीम में चुनने की योजना - चयनकर्ताओं ने सैम के साथ ओपनर बल्लेबाज के तौर पर फखर जमां को 15 सदस्यीय प्रोविजनल टीम में चुनने की योजना बनाई है, लेकिन अगर सैम समय पर फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह अब्दुल्ला शफीक या इमाम उल हक को शामिल किए जाने की संभावना है। हाल के सीमित ओवरों के मैचों में फखर की अनुपस्थिति में सैम ने खूब रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के दौरों पर प्रभावित किया - अयूब ने ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के दौरों पर प्रभावित किया है। उन्होंने एकदिवसीय सीरीज में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 शतक बनाए, जिससे पाकिस्तान 3-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा। फखर ने भारत में 2023 के अंत में होने वाले विश्व कप के बाद से पाकिस्तान के लिए 50 ओवर का कोई मैच नहीं खेला है क्योंकि वह फिटनेस, चोट और अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

ICC बैटर्स रैंकिंग में पंत को 3 स्थान का फायदा

जायसवाल चौथे नंबर पर, बुमराह टॉप पर, ऑस्ट्रेलियाई बोलैंड की 29 पायदान की छलांग

नईदिल्ली, एजेंसी। बुधवार को बैटर्स रैंकिंग में पंत के अलावा ओपनर यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर काबिज है। वहीं बॉलर्स टॉप-10 रैंकिंग में स्पिनर रवींद्र जडेजा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह अब नौवें स्थान पर आ गए हैं। बुमराह पहले पायदान पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलियाई पेसर स्कॉट बोलैंड ने 29 स्थान की छलांग लगाई हैं। वह अब दसवें स्थान पर हैं।

पंत और अफीका के कप्तान को 3-3 स्थान का फायदा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऋषभ ने पहले इनिंग में 40 और दूसरे इनिंग में 61 रन की तेज पारी खेली थी। जिससे रैंकिंग में उनकी रेटिंग 739 की हो गई है। वहीं साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ऑलटाइम हाई रेटिंग पर पहुंच गए हैं। उन्हें रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला है। वह अब 769 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

बेन स्टोक्स को हॉस्पिटल में कराना पड़ा एडमिट, हुआ बड़ा ऑपरेशन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड की टीम पिछले साल दिसंबर के महीने में न्यूजीलैंड के दौरे पर गई थी. इस टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में उन्हें हैमस्ट्रिंग की इंजरी हो गई थी. अब इस इंजरी की वजह से उन्हें हॉस्पिटल में जाकर एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी है. उन्होंने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया पर ताजा अपडेट दिया है. स्टोक्स ने सर्जरी के बाद अपने पांव की तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पैर में ब्रेस लगाए हुए नजर आ रहे हैं. वो कार में हैं और अपने पांव के नीच तकिया भी रखा हुआ है. तस्वीर को देखकर कहा जा सकता है कि इंजरी गंभीर थी, जिसके लिए बड़ा ऑपरेशन करना पड़ा. अब सवाल है कि आखिर अब वो मैदान पर कब तक वापसी करेंगे?

सर्जरी के बाद बेन स्टोक्स के पांव में लगे मशीन को देखने के बाद सवाल गहरा गया कि आखिर वो कब तक मैदान से बाहर रहेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पूरी तरह से रिकवरी करने में 3 महीने का समय लगेगा. हालांकि, उन्होंने अपनी पोस्ट में हिंट देते हुए बताया है कि वो जल्दी ही एक्शन में देखेंगे. इंग्लैंड के कप्तान ने लिखा 'सर्जरी हुई है. इसलिए कुछ दिनों के लिए बायोनिक मैन बना हुआ हूं. जल्दी ही वापसी करुंगा.' उनकी पोस्ट पर कई फैंस ने उनके जल्दी ठीक होने की कामना की है.

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर स्टोक्स - बेन स्टोक्स इंग्लैंड की टीम का अहम हिस्सा हैं. श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वो इंजरी का शिकार थे. इसके बाद वो न्यूजीलैंड दौरे पर पूरी तरह फिट होकर कप्तान और ऑलराउंडर की भूमिका में लौटे. लेकिन हेमिल्टन में मैच के दौरान उन्होंने अचानक हैमस्ट्रिंग की समस्या हुई बीच में ही मैच छोड़कर जाना पड़ा. वो 2023 वनडे वर्ल्ड कप हिस्सा था और पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने वाले थे. लेकिन इंजरी के कारण हुई सर्जरी के बाद उन्हें रिकवरी में थोड़ा समय लग सकता है. इसलिए फरवरी में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट से उन्हें पहले ही बाहर कर दिया गया है. इंग्लैंड ने अपने स्क्वॉड में उन्हें जगह नहीं दी है. वहीं मई तक कोई भी टेस्ट मैच नहीं होने के कारण वो इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर ही रहेंगे और अपनी रिकवरी पर फोकस करेंगे.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में भाजपा को आम आदमी पार्टी ही हरा सकती है: अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के संदीप दीक्षित और अजय माकन जैसे नेता आम आदमी पार्टी के खिलाफ आक्रामक हैं। नई दिल्ली विधानसभा सीट से ही संदीप दीक्षित उतरे हैं और ज्यादातर सीटों पर कांग्रेस ने मजबूत कैंडिडेट दिए हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच चुनाव में कोई गठबंधन नहीं है और खुलकर हमले संदीप दीक्षित की ओर से जारी हैं। लेकिन कांग्रेस को इंडिया अलायंस के साथी ही पीछे हटने का ज्ञान दे रहे हैं। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव पहले ही आप के साथ मंच साझा कर चुके हैं। यही नहीं उन्होंने एक बार फिर से दोहराया है कि वह आप की चुनावी रैली में मंच साझा करेंगे। यही नहीं उन्होंने साफ कहा कि दिल्ली में भाजपा को आम आदमी पार्टी ही हरा सकती है। कांग्रेस इस स्थिति में नहीं है। इसलिए हम उसकी बजाय आम आदमी पार्टी का ही समर्थन करेंगे। वहीं ममता बनर्जी की पार्टी के नेता कुणाल घोष ने भा साफ कह दिया कि वे चाहते हैं कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की ही सरकार बने। उन्होंने कहा कि भाजपा को हराने के लिए जरूरी है कि आम आदमी पार्टी मजबूत रहे और हम चाहते हैं कि वे लोग फिर से सत्ता में वापसी करें। इससे पहले बंगाल में भी ममता बनर्जी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं हो पाया था। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टॉप नेता अधीर रंजन चौधरी टीएमसी के ही यूसुफ पठान के हाथों हार गए थे।

चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाने को लेकर भारत है सतर्क: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर सुपर डैम बनाने की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर हलचल मची हुई है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा है कि तिब्बत में भारत की सीमा के पास बांध बनाने की चीन की योजना को लेकर भारत सतर्क है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा है कि चीन को इसका ध्यान रखना होगा कि इससे भारत जैसे देशों के हितों को नुकसान न पहुंचे। ब्रह्मपुत्र पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की चीन की योजना पर भारत ने कहा है कि वह अपने हितों की रक्षा के लिए जांच जारी रखेगा और जरूरी कदम उठाएगा। रक्षा मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बांध के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''भारत सरकार सतर्क है।'' उन्होंने चीन से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की है कि ब्रह्मपुत्र के निचले बहाव वाले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में होने वाली गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे। राजनाथ सिंह मंगलवार को यहां माध्यमिक शिक्षक संघ के मुफीद-ए-आम इंटर कॉलेज में आयोजित राज्य सम्मेलन में पहुंचे थे। गौरतलब है कि चीन ने पिछले महीने तिब्बत में भारत की सीमा के करीब ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने की योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के मुताबिक यह बांध हिमालय की पहुंच में एक विशाल घाटी पर बनाया जाएगा जहां से ब्रह्मपुत्र अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में पहुंचती है। इस सुपर डैम को लेकर कई तरह की चिंताएं सामने आई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे भारत को बाढ़ और सुख समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्नाटक लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, आठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरु। लोकायुक्त के अधिकारियों ने बुधवार को परिवहन विभाग के एक संयुक्त आयुक्त सहित आठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापे मारे, जिन पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जिन स्थानों पर छापेमारी की जा रही है, वे अधिकारियों से जुड़े हुए हैं जिनमें बेंगलुरू की संयुक्त परिवहन आयुक्त शोभा, कदुर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. एस एन उमेश और बसवकल्याण स्थित लघु सिंचाई विभाग के निरीक्षक रवींद्र शामिल हैं। छापे का सामना करने वाले अन्य लोगों में शामिल हैं, खानापुर के तहसीलदार प्रकाश श्रीधर गायकवाड़; तुमकुरु में सेवानिवृत्त सड़क परिवहन अधिकारी, एस राजू; गडग नगर पालिका में सहायक कार्यकारी अभियंता, हुचेश उर्फ हुचप्पा; बल्लारी स्थित पिछड़ा वर्ग विभाग में कल्याण अधिकारी आर एच लोकेश और रायचूर स्थित कार्यालय हुलिराजा में कनिष्ठ अभियंता।

बीजापुर में मारे गए आठ पुलिस कर्मचारियों में से 5 थे पूर्व नक्सली

माओवादी विचारधारा छोड़ पुलिस में हुए थे भर्ती

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार को माओवादी विस्फोट में मारे गए आठ सुरक्षाकर्मियों में से पांच सुरक्षाकर्मी नक्सलवाद छोड़कर पुलिस बल में शामिल हुए थे। इस बारे में मंगलवार को जानकारी देते हुए बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि विस्फोट में मारे गए जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के हेड कांस्टेबल बुधराम कोरसा और कांस्टेबल डूम्मा मरकाम, पंडरू राम एवं बामन सोढ़ी तथा बस्तर फाइटर्स के कांस्टेबल सोमडू वेट्टी सुरक्षाबल में शामिल होने से पहले नक्सली के रूप में सक्रिय थे। वे आत्मसमर्पण करने के बाद पुलिस में शामिल हुए थे। सुंदरराज ने बताया कि कोरसा और सोढ़ी बीजापुर जिले के निवासी थे, जबकि तीन अन्य पड़ोसी दंतेवाड़ा जिले के थे। उन्होंने बताया कि पिछले साल सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

जिले के कुटरू थाना क्षेत्र के अंबेली गांव के पास सुरक्षाकर्मियों के काफिले में शामिल एक वाहन को नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट करके उड़ा दिया था। इस घटना में सुरक्षाबल के आठ जवानों और वाहन चालक की मौत हो गई। मृतकों में डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के चार-चार जवान तथा एक वाहन चालक शामिल था। यह पिछले दो साल में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों पर किया गया सबसे बड़ा हमला है।

माटी पुत्र कहे जाने वाले डीआरजी कर्मियों की भर्ती बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से की जाती है। इसे राज्य में अग्रिम पंक्ति का नक्सल विरोधी बल माना जाता है। डीआरजी को सबसे पहले 2008 में कांकेर (उत्तर बस्तर) और नारायणपुर (अबूझमाड़ सहित) जिलों में स्थापित किया गया था तथा पांच साल के अंतराल के बाद 2013 में बीजापुर और बस्तर जिलों में बल का गठन किया गया। इसके बाद 2014 में सुकमा और कोंडागांव जिलों में इसका विस्तार किया गया। दंतेवाड़ा में बल का गठन 2015 में किया गया।

राज्य पुलिस की बस्तर फाइटर्स इकाई का गठन 2022 में किया गया, जिसमें बस्तर के उन स्थानीय युवाओं को शामिल किया गया जो स्थानीय संस्कृति, भाषा, भूभाग से परिचित हैं तथा आदिवासियों के साथ जुड़ाव रखते हैं।

नए गुरुग्राम के एक लिए और गुड न्यूज, 23 सेक्टरों में पानी पहुंचाने का रास्ता साफ

गुरुग्राम एजेंसी। नए गुरुग्राम के लिए एक और गुड न्यूज है। न्यू गुरुग्राम के 23 सेक्टरों तक पानी पहुंचाने का रास्ता भी अब साफ हो गया है। उम्मीद है कि गर्मियों में इन सेक्टरों में पर्याप्त मात्रा पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। यहां जिस जमीन में पानी की पाइप लाइन बिछानी है, उसका मामला अदालत में विचाराधीन होने के कारण इन सेक्टरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा था।

अब नगर निगम की सड़क पर 1500 एमएम क्षमता की इस पाइप लाइन को डाला जाएगा। इसको लेकर नगर निगम ने जीएमडीए को मंजूरी दे दी है। अगले सप्ताह से इसके तहत काम शुरू हो जाएगा।

जीएमडीए अधिकारियों ने दावा किया कि गर्मियों में हर हालत में इन सेक्टरों तक पर्याप्त पानी पहुंचा दिया जाएगा। सेक्टर-58 से लेकर 80 तक पानी की सप्लाई सेक्टर-72 के बूस्टिंग स्टेशन से होनी है। चंदू बुढेड़ा वाटर शोधन संयंत्र से पाइप लाइन आनी है। गांव फाजिलपुर झाड़सा की मुख्य सड़क से होते हुए सेक्टर-72 के बूस्टिंग स्टेशन तक करीब 650 मीटर लंबी पाइप लाइन को डाला जाए। जनहित की योजना को देखते हुए नगर निगम आयुक्त डॉ. अशोक गर्ग ने जीएमडीए की इस योजना को मंजूरी प्रदान कर दी।

अभी इन सेक्टरों में सेक्टर-51 के बूस्टिंग स्टेशन से पानी जाता था। इस बूस्टिंग स्टेशन से सेक्टर-42 से लेकर 57 तक पानी की सप्लाई होती है। गर्मियों में इन क्षेत्रों में पानी की मांग बढ़ने पर सेक्टर-51 के बूस्टिंग स्टेशन से बहुत कम पानी इन क्षेत्रों में जाता है, जिस वजह से सेक्टर-58 से 80 तक विकसित सोसाइटियों में रहने वाले परिवार पानी के लिए भूजल या टैंकर पर आश्रित हो जाते हैं।

पत्नी का मर्डर कर टुकड़े-टुकड़े करना चाहता था पति, यूट्यूब वीडियो देख बनाई थी योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के डाबरी में गत शुक्रवार को बंद कमरे में बेड के अंदर से एक महिला का शव बरामद किया गया था। इस मामले में द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने मृतका के पति धनराज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपनी पत्नी दीपा चौहान की हत्या के बाद उसके शव के टुकड़े करना चाहता था, लेकिन वह ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया और फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी धनराज के पास से तीन फोन बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 3 जनवरी को दीपा चौहान नामक महिला का शव सड़ी-गली हालत में उसके घर के अंदर बेड में मिला था। महिला के मुंह पर टेप लगी थी और उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। जांच के बाद पता चला कि उसका पति फरार है। पुलिस ने महिला के पिता के बयान पर हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

स्थानीय पुलिस के साथ जिले की कई टीमों को जांच में लगाया गया। एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज इंस्पेक्टर सुभाष की टीम को जांच में पता चला कि आरोपी ओला-उबर में बाइक चलाता था। इसके बाद उसके अकाउंट, मोबाइल की जांच की गई।

यूपीआई भुगतान से सुराग मिला = पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि हत्या के बाद उसने 3 जनवरी को जनकपुरी में एक यूपीआई भुगतान किया था। आरोपी के रूट का पीछा किया तो पता चला कि वह सराय काले खां, आईएसबीटी की तरफ गया था। जांच में पता चला कि उसने नया मोबाइल और नया सिम कार्ड खरीदा है। नए नंबर की लोकेशन पंजाब में ट्रेस की गई। जहां पता चला कि वह दिल्ली की ओर आ रहा है। पुलिस ने उसे रास्ते में ही दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने यूट्यूब पर वीडियो देखा और शव को टुकड़ों में काटने की योजना बनाई, जिसके लिए उसने अपने दोस्तों की मदद मांगी, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था। वह शव के टुकड़े करने का सामान लेने के लिए 3 जनवरी को आगरा के लिए निकला था पर वापस दिल्ली आ गया। रात को वह जयपुर गया। 4 जनवरी की दोपहर वह वापस दिल्ली लौटा और फिर अमृतसर गया। 5 जनवरी की देर रात वह अपनी पत्नी के दोस्त की हत्या करने के लिए अमृतसर से वापस दिल्ली आने के लिए निकला था।

इवेंट्स में करता था पीछा, एक्ट्रेस को परेशान करने वाले बिजनेसमैन पर बड़ी कार्रवाई

कोच्ची, एजेंसी। केरल में मलयालम एक्टर हनी रोज ने मशहूर व्यापारी बॉबी चेम्मनूर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। विशेष जांच दल ने अब उसे हिरासत में ले लिया है। एक्ट्रेस ने बिजनेसमैन बॉबी चेम्मनूर के खिलाफ अश्लील व्यवहार और ऑनलाइन उत्पीड़न के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। हनी रोज ने एर्नाकुलम सेंट्रल पुलिस स्टेशन में इस 7 जनवरी को शिकायत दर्ज कराई थी। एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि बिजनेसमैन उन पर आपत्तिजनक कमेंट करता था। अनाम अधिकारियों के हवाले से उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एक अधिकारी ने कहा कि बॉबी चेम्मनूर के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने उन्हें वायनाड से उठाया गया है। रोज ने एक समाचार चैनल को बताया कि आज उनके लिए एक शांतिपूर्ण दिन था और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने उन्हें कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

केंद्र के एक और फैसले का मुख्यमंत्री स्टालिन ने किया विरोध, बोले- नया यूजीसी नियम मंजूर नहीं; चुप ना बैठेंगे

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर केंद्र के फैसले को विरोध किया है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा विनियम 2025, राज्यपालों को कुलपति की नियुक्तियों के सिलसिले में व्यापक शक्तियां प्रदान करते हैं और गैर-शिक्षाविदों को इन पदों पर नियुक्त करने की अनुमति देते हैं, जो संघवाद और राज्य के अधिकारों पर सीधा हमला है।

उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 6 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में जारी किए गए यूजीसी विनियम, 2025 के मसौदे पर कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार का यह अधिनायकवादी कदम सत्ता को केंद्रीकृत करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकारों को कमजोर करने की कोशिश है। बता दें कि ये विनियम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मियों की नियुक्ति व पदोन्नति के लिए न्यूनतम योग्यताएं निर्धारित करते हैं तथा उच्च शिक्षा में मानकों को बनाए रखने के उपाय करते हैं। कार्यक्रम में प्रधान ने कहा था कि ये मसौदा सुधार और दिशानिर्देश उच्च शिक्षा के हर पहलू में नवाचार, समावेशिता, लचीलापन और गतिशीलता लाएंगे, शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मियों को सशक्त बनाएंगे, शैक्षणिक मानकों को मजबूत करेंगे और शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शिक्षा जनता द्वारा चुने गए लोगों के हाथों में रहनी चाहिए, न कि भाजपा सरकार के इशारे पर काम करने वाले राज्यपालों के हाथों में।'' उन्होंने कहा, ''शिक्षा हमारे संविधान में समवर्ती सूची का विषय है, और इसलिए हम मानते हैं कि यूजीसी द्वारा एकतरफा तरीके से यह अधिसूचना जारी करने का कदम असंवैधानिक है। यह अस्वीकार्य है, और तमिलनाडु कानूनी और राजनीतिक रूप से इसका मुकाबला करेगा।'' उन्होंने लिखा, तमिलनाडु, जो शीर्ष रैंकिंग वाले उच्च शिक्षा संस्थानों की सबसे अधिक संख्या के साथ देश में सबसे आगे है, चुप नहीं बैठेगा क्योंकि हमारे संस्थानों की स्वायत्तता छीन ली गई है। इससे पहले वह एक देश एक चुनाव पर भी केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोल चुके हैं।

नक्शे से मिट जाएगा मैक्सिको का नाम, कनाडा को चुकानी होगी कीमत

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही अमेरिका के नए राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालेंगे। 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण से पहले ट्रंप अपने बयानों को लेकर और आक्रामक होते जा रहे हैं। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कई देशों पर एक साथ हमला बोला है। इनमें कनाडा, मैक्सिको और ग्रीनलैंड भी शामिल हैं जिनपर वह बीते कुछ सप्ताह से लगातार निशाना साध रहे हैं। मंगलवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' रख देंगे। इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने दोहराया था कि कनाडा को अमेरिका का 51 वां राज्य बन जाना चाहिए। ट्रंप ने मंगलवार को कहा, हम मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने जा रहे हैं। यह बहुत सारे क्षेत्रों को कवर करता है। अमेरिका की खाड़ी कितना सुंदर नाम है। और यह बिल्कुल उचित नाम है। उन्होंने आगे कहा, मेक्सिको बड़े संकट में है। यह बहुत खतरनाक जगह है। ट्रंप ने मंगलवार को मार-ए-लागो एस्टेट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जहां उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब दिए। अवैध प्रवासियों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मेक्सिको को लाखों लोगों को हमारे देश में आने की इजाजत देना बंद करना होगा। वे उन्हें रोक सकते हैं। हम मेक्सिको और कनाडा पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। ट्रंप इससे पहले भी अवैध प्रवासियों को लेकर गंभीर चेतावनी दे चुके हैं। हाल के दिनों में यह बात उन्होंने कई बार दोहराई है जो संकेत दे रहा है कि ट्रंप इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं। सोमवार को उन्होंने पनामा नहर को लेकर चीन को भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर अमेरिकी नियंत्रण पाने के लिए वह सैन्य कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेंगे।

तिब्बत में आयी त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 126 हुई

ल्हासा, एजेंसी। बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई।

तिब्बत में भूकंपः बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई। भूकंप का केंद्र सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके पड़ोसी नेपाल में भी महसूस किए गए, जहां रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता करीब 4.2 दर्ज की गई। शिगाज़े पूर्वोत्तर नेपाल में खुंबू हिमालयन रेंज में लोबुत्से से 90 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है, और यह तिब्बत का आखिरी सीमावर्ती शहर है जो सिक्किम को छूने वाले नेपाल-तिब्बत-भारतीय त्रि-जंक्शन से ज्यादा दूर नहीं है। शिगाज़े, जिसे शिगास्टे भी कहा जाता है, दलाई लामा के बाद दूसरे सबसे प्रभावशाली बौद्ध भिक्षु पंचेन लामा का निवास स्थान है। इससे पहले मंगलवार को दक्षिणी तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक के पास भीषण भूकंप आया, जिसमें कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई और 188 लोग घायल हो गए। भूकंप के झटकों के कारण नेपाल और भारत के कई हिस्सों में भी लोग सड़कों पर निकल आए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा ने इसे 7.1 तीव्रता बताया। भूकंप दक्षिण-पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के डिंगरी काउंटी में सुबह 9:05 बजे (बीजिंग समय) आया, जिसका केंद्र शिगाज़े शहर के डिंगरी काउंटी के त्सोगो टाउनशिप में था। चीन ने माउंट एवरेस्ट के अपने क्षेत्र के पास के पर्यटन स्थलों को बंद करने की घोषणा की है, जबकि क्षेत्र में कई रिसॉर्ट्स के पर्यटक और कर्मचारी सुरक्षित बताए गए हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव प्रयासों को पूरी तरह से चलाने का आदेश दिया और द्वितीयक आपदाओं को रोकने, प्रभावित निवासियों को उचित रूप से पुनर्वासित करने और बाद के काम को प्रभावी ढंग से संभालने के प्रयासों का आग्रह किया।

कनाडा में हिंदू पीएम ! जस्टिन ट्रूडो की जगह अनीता आनंद बन सकती हैं नई प्रधानमंत्री

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की घोषणा के बाद, उनके संभावित उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं. चर्चा है कि भारतीय मूल की नेता अनीता आनंद प्रधानमंत्री पद की मजबूत दावेदार हैं. ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि, पार्टी के नए नेता चुने जाने तक वह प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे. अनीता आनंद का जन्म नोवा स्कोटिया के केंटविले में हुआ था. उनके माता-पिता, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, भारतीय चिकित्सक थे. उनके पिता तमिलनाडु से थे और माता पंजाब से थीं. अनीता की दो बहनें हैं, गीता आनंद जो टोरंटो में वकील हैं, और सोनिया आनंद जो मैकमास्टर यूनिवर्सिटी में चिकित्सक और शोधकर्ता हैं. 1985 में ओंटारियो जाने के बाद, अनीता ने अपने पति जॉन के साथ मिलकर ओकविले में अपने चार बच्चों का पालन-पोषण किया. अपने करियर के दौरान उन्होंने कई अहम पदों पर काम किया है. पहली बार 2019

में ओकविले से सांसद चुनी गई अनीता ने 2019 से 2021 तक सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में कार्य किया. इसके बाद वह ट्रेजरी बोर्ड और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री भी रहीं. सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री रहते हुए उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान, कनाडा के लोगों को वैक्सीन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और रैपिड टेस्ट मुहैया कराने के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध समझौते किए थे. राष्ट्रीय रक्षा मंत्री बनने पर, उन्होंने सेना में यौन दुराचार के प्रति सख्त कदम उठाए. रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान, उन्होंने यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने के साथ-साथ कीव को व्यापक सैन्य सहायता भी प्रदान की. सितंबर 2024 में, अनीता आनंद को ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष के साथ-साथ परिवहन मंत्री भी नियुक्त किया गया. राजनीति के साथ-साथ अनीता की पहचान एक विद्वान, वकील और शोधकर्ता के रूप में भी है. उन्होंने टोरंटो यूनिवर्सिटी में कानून की प्रोफेसर रहते हुए, निवेश संरक्षण और कॉर्पोरेट प्रशासन में जेआर किंबर चेयर का पद संभाला. इसके अलावा, वे एसोसिएट डीन और मैसी कॉलेज के गवर्निंग बोर्ड की सदस्य भी रही हैं. अनीता रोटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में कैपिटल मार्केट्स इंस्टीट्यूट में नीति और अनुसंधान की निदेशक भी रही हैं. उन्होंने येल लॉ स्कूल, क्वीन्स यूनिवर्सिटी और वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में भी कानून पढ़ाया है. अनीता आनंद ने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल स्टडीज में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ज्यूरिसप्रूडेंस में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), डलहौजी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ लॉ और टोरंटो यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की है. 57 साल की अनिता पेशे से वकील हैं। उन्होंने 2019 में कनाडा की ओकविले सीट से पहला संसदीय चुनाव जीता था, जिसके बाद उन्हें उसी साल सार्वजनिक सेवाओं और खरीद का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। अनिता कनाडा का रक्षा मंत्रालय संभालने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले 1990 में किम कैंबल ने ये जिम्मेदारी संभाली थी। अनिता के पिता तमिलनाडु जबकि मां पंजाब की रहने वाली थीं। हालांकि अनिता का जन्म और पालन-पोषण कनाडा के ग्रामीण क्षेत्र नोवा स्कोटिया में हुआ था।। उन्होंने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस में आर्ट्स ग्रेजुएशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से न्यायशास्त्र में आर्ट्स ग्रेजुएशन, डलहौजी यूनिवर्सिटी से लॉ ग्रेजुएशन और टोरंटो यूनिवर्सिटी से लॉ में मास्टर्स किया है।

अमेरिका में भारतीय छात्रा को कार से टक्कर मारने वाला पुलिस अफसर केविन बर्खास्त, जाह्नवी की हुई थी मौत

सिएटल/न्यूयार्क, एजेंसी। सिएटल के एक पुलिस अधिकारी को उसके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। इस अधिकारी ने जनवरी, 2023 में कार से टक्कर मारकर भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की जान ले ली थी। सिएटल पुलिस की अंतरिम प्रमुख सू राहर ने कहा कि उन्होंने केविन डेव को सिएटल पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डेव की खतरनाक ड्राइविंग के दुखद नतीजे को देखते हुए उसे नौकरी से हटाया गया है। पुलिस अधिकारी केविन डेव 23 जनवरी, 2023 को सिएटल में एक गश्ती कार चला रहा था और उसने सड़क पार कर रही आंध्र प्रदेश की जाह्नवी कंडुला (23) को टक्कर मार दी थी। उस समय, डेव की कार की रफ्तार 119 किमी/घंटा से अधिक थी। कार से टक्कर लगने के कारण कंडुला 100 फुट दूर जा गिरी और घटनास्थल पर ही मारी गई।

डेव की खतरनाक ड्राइविंग के कारण सिएटल पुलिस की हुई बदनामी

सू राहर ने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा कि सिएटल पुलिस के जवाबदेही कार्यालय ने पाया कि डेव ने विभाग की चार नीतियों का उल्लंघन किया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129